www.mpinfo.org/rojgar | www.mpmadhyam.in
डाक पंजीयन क्र. ई-2/भो.स./186/2018-2020
लाइसेंस क्र. टेक/WPP/21-1/2018-20
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84
वर्ष-37, अंक-28, मूल्य ₹10.00

रोज़गार और निर्माण

http://www.rojgaraurnirman.in
प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल, 13.07.2020 से 19.07.2020

रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना का लोकार्पण

भारत बनेगा विश्व में क्लीन एनर्जी का मॉडल - प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश सस्ती एवं साफ-सुथरी बिजली का बन रहा है हब

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना का लोकार्पण किया गया।

रीवा, भारत विश्व में 'क्लीन एनर्जी' का मॉडल बनेगा। भारत ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये 'अंतर्राष्ट्रीय सोलर एलायंस' का निर्माण किया है। हमारे प्रयास हैं कि आम आदमी अपनी जरूरत की बिजली घर पर ही पैदा करे। इस कार्य में सरकार मदद करेगी। हम प्रयासरत हैं कि देश में बेहतर सोलर पैनल, बैट्री, स्टोरेज बनें तथा हमें विदेशों से उपकरण आयात नहीं करना पड़ें। मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हो रहे हैं। मध्यप्रदेश सस्ती एवं साफ-सुथरी बिजली का हब बन रहा है। सफेद बाघ के नाम से जाना जाने वाला रीवा अब विश्व में सोलर प्लांट के नाम से भी जाना जाएगा। यहां खेतों में लगे हजारों पैनल ऐसा एहसास दिलाते हैं, मानो खेतों में फसल लहरा रही हो या गहरे समंदर का नीला पानी हो। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना का लोकार्पण करते हुये कहीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। कोरोना के प्रभावी नियंत्रण के साथ ही मध्यप्रदेश ने गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। अब मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा उत्पादन में भी रिकॉर्ड बनायेगा। शासन ऐसी योजना बना रहा है, जिसके माध्यम से अब किसान अपनी बंजर एवं अनुपयोगी भूमि पर सोलर पैनल लगाकर बिजली का उत्पादन कर सकेगा। वह स्वयं की आवश्यकता की पूर्ति के साथ ही दूसरों को भी बिजली दे पायेगा। हमारा अन्नदाता किसान अब ऊर्जादाता भी बन सकेगा।

दिल्ली की मेट्रो रीवा से चलेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि रीवा सोलर परियोजना से न केवल मध्यप्रदेश को बिजली प्राप्त हो रही है, बल्कि यह हर्ष का विषय है कि परियोजना अपनी 24 प्रतिशत बिजली दिल्ली मेट्रो को प्रदान कर रही है। दिल्ली की मेट्रो रीवा से चलेगी।

श्योर, प्योर एवं सिक्योर ऊर्जा का स्रोत है सूर्य

श्री मोदी ने कहा कि हमारे देश में सूर्य उपासना का विशेष स्थान है। सूर्य हमें पवित्र तो करता ही है, हमारे लिये अक्षय ऊर्जा का स्रोत भी है। सूर्य श्योर, प्योर एवं सिक्योर ऊर्जा देता है। इसकी ऊर्जा 'श्योर' अर्थात सदा सर्वदा है, 'प्योर' अर्थात पर्यावरण के लिये सुरक्षित एवं शुद्ध है तथा 'सिक्योर' अर्थात हमेशा के लिये है और हमारी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकती है।

भारत की सस्ती सौर ऊर्जा की पूरी दुनिया में चर्चा

प्रधानमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हम विश्व के टॉप 5 देशों में पहुंच गये हैं। भारत ने सिद्ध कर दिया है कि सौर ऊर्जा अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण दोनों की दृष्टि से लाभदायी है। वर्ष 2014 में जहां सौर ऊर्जा की कीमत 7 से 8 रुपये प्रति यूनिट हुआ करती थी, आज वह घटकर 2.25 से 2.50 रुपये प्रति यूनिट हो गयी है। रीवा सोलर प्लांट के माध्यम से सस्ती बिजली का उत्पादन बड़ी उपलब्धि है। सोलर बिजली की आत्मनिर्भरता आत्मनिर्भर भारत के लिये आवश्यक है।

साफ-सुथरी ऊर्जा के प्रति हम संकल्पित

प्रधानमंत्री ने कहा कि साफ-सुथरी ऊर्जा के प्रति हम संकल्पित हैं। हमें पर्यावरण की सुरक्षा तो करना ही है, साथ ही जनजीवन को आसान भी बनाना है। हमने हर घर में एलपीजी, सीएनजी आधारित वाहन व्यवस्था तो की ही है, अब बिजली आधारित परिवहन की व्यवस्था के प्रयास किये जा रहे हैं। देश में गत वर्षों में 36 करोड़ एलईडी बल्ब के माध्यम से लगभग 600 अरब यूनिट बिजली बचाई गई है। हमारा ध्येय है हर व्यक्ति तक सस्ती बिजली पहुंचे तथा वातावरण, हवा और पानी भी शुद्ध बना रहे।

परियोजना की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- रीवा सौर परियोजना पहली ऐसी सौर परियोजना है, जिससे प्राप्त विद्युत, तापीय ऊर्जा से प्राप्त विद्युत से सस्ती है।
- इस परियोजना से प्रथम बार ओपन एक्सेस के माध्यम से राज्य के बाहर किसी व्यावसायिक संस्थान 'दिल्ली मेट्रो' को बिजली प्रदान की गई।
- आंतरिक ग्रिड समायोजन हेतु वर्ल्ड बैंक और सीटीएफ ऋण प्राप्त करने वाली यह देश की प्रथम परियोजना है, जिसे विश्व बैंक का ऋण बिना राज्य शासन की गारंटी के मिला है।
- यह ऋण 'Clean Technology Fund' के अन्तर्गत स्वीकृत किया गया है, जो 0.25 प्रतिशत की सस्ती दर पर प्राप्त LIBOR मुक्त ऋण है।
- परियोजना से सालाना 15.7 लाख टन के CO_2 उत्सर्जन को रोका जा रहा है, जो 2.6 करोड़ पेड़ों के लगाने के बराबर है। इस परियोजना को Transaction संरचना के लिए वर्ल्ड बैंक प्रेजिडेंट पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मध्यप्रदेश आगे बढ़ रहा है

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'मैन ऑफ आइडियास' हैं तथा उनकी प्रेरणा एवं दूरदृष्टि से ही हर क्षेत्र में मध्यप्रदेश आगे बढ़ रहा है। श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते ही यह जान लिया था कि भविष्य की ऊर्जा सौर ऊर्जा है तथा इस क्षेत्र में प्रभावी कार्य प्रारंभ कर दिये थे। मध्यप्रदेश में वर्ष 2010 में इसके लिये हमने नया विभाग बनाया। एशिया की सबसे बड़ी सोलर इकाई का नीमच में शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा ही किया गया।

रीवा सोलर प्लांट ने कई कीर्तिमान स्थापित किये

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा सोलर प्लांट ने कई नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। यह सौर ऊर्जा के क्षेत्र में 'गेम चेंजर' परियोजना है। मात्र 2.97 रुपये प्रति यूनिट की सस्ती बिजली, प्रथम बार राज्य के बाहर व्यावसायिक संस्थान को बिजली प्रदाय करना, विश्व बैंक से बिना गारंटी के न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण प्राप्त करना, 15.7 लाख टन के CO_2 उत्सर्जन को रोकना, जो 2 करोड़ 60 लाख पेड़ लगाने के बराबर है आदि ऐसे प्रतिमान हैं जो इस परियोजना को अनूठी बनाते हैं।

भारत के सौर ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य में मध्यप्रदेश की बड़ी भागीदारी

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2022 तक देश में एक लाख मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने में मध्यप्रदेश बड़ी भागीदारी निभायेगा। प्रदेश में आगामी सौर परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 10 हजार मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादित होगी।

राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

नई दिल्ली, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से राष्ट्रपति भवन में सौजन्य भेंट की। श्री चौहान की माह मार्च 2020 में मुख्यमंत्री बनने के उपरांत राष्ट्रपति से यह पहली मुलाकात थी। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को राज्य की वर्तमान कोरोना स्थिति की जानकारी दी और अन्य विषयों पर चर्चा की। साथ ही राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित दो पुस्तिकाओं 'उम्मीद' और 'मध्यप्रदेश-विकास के प्रतिबद्ध प्रयास' की प्रतियां राष्ट्रपति को भेंट कीं।

उपराष्ट्रपति से भी की भेंट

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में उप राष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू से भी मुलाकात की। मुलाकात के दौरान श्री चौहान ने उपराष्ट्रपति को प्रदेश में इस वर्ष हुए बम्पर गेहूं उपार्जन की जानकारी दी और राज्य सरकार ने कोरोना नियंत्रण एवं प्रवासी श्रमिकों के कल्याण के लिए उठाये गये कदमों से अवगत कराया।

कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये अधिक से अधिक सैम्पल लिये जायें

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में कोरोना की स्थिति की समीक्षा के दौरान कोरोना मरीज को अस्पताल के बहार छोड़ने की घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए घटना की जाँच के आदेश दिये हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना अमानवीय और निंदनीय है। घटना के दोषी लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गत साढ़े तीन माह से कोरोना पर नियंत्रण के कार्य के साथ ही एक-एक रोगी का उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य विभाग का अमला सजग है। कोविड केयर सेंटर सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रतिदिन जिले से लेकर राज्य स्तर की गहन समीक्षा की जा रही है। इसी स्थिति में किसी रोगी को गंभीर स्थिति में अस्पताल प्रबंधन, एम्बुलेंस संचालक या किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा अपने हाल पर छोड़ दिए जाने की घटना बहुत गंभीर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना के दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संदिग्ध कोरोना रोगियों की शीघ्र पहचान और कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग कार्य पूरी गंभीरता से जारी रहे। किल कोरोना अभियान में घर-घर पहुंचकर सर्वे दल सैम्पलिंग का कार्य बढ़ाएं। श्री चौहान ने कहा कि अधिक से अधिक सैम्पल लिए जाने से वायरस के नियंत्रण का कार्य आसान होगा। सर्दी-खांसी, जुकाम के लक्षणों वाले व्यक्तियों में जो गंभीर दिखायी दें उनका सैम्पल लेकर अविलंब उपचार प्रारंभ करें।

लम्बे समय से राशन सामग्री न लेने वालों की समीक्षा करें

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा जिला कलेक्टर्स के साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण की समीक्षा करते हुये प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं को जून माह के राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही लंबे समय से राशन सामग्री न लेने वाले उपभोक्ताओं के नामों की समीक्षा करते हुए नए पात्र उपभोक्ताओं के नाम जोड़ने की कार्यवाही की जाए। श्री चौहान ने कहा कुछ जिलों से उपभोक्ता भंडार द्वारा गड़बड़ी की शिकायतें प्राप्त होती हैं। शिकायतों की स्थिति को समाप्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पूर्व में मार्च, अप्रैल और मई माह का राशन प्रदान किया जा चुका है। कोविड-19 के संकट को देखते हुए सामग्री का अग्रिम प्रदाय भी किया गया। जून माह के लिए आवंटित खाद्यान्न के शत-प्रतिशत पात्र उपभोक्ताओं को वितरण का कार्य पूरा किया जाए। प्रमुख सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि 88 प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए गत दो माह बायोमेट्रिक पद्धति की अनिवार्यता भी समाप्त की गई। उपभोक्ताओं के सर्वेक्षण का कार्य कर लिया गया है। प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को खाद्य सामग्री का प्रदाय सुनिश्चित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में नहीं होगी उर्वरक और खाद की कमी

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में उर्वरक और खाद आवश्यकता के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री से आग्रह किया गया है। श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिरिक्त उर्वरक प्राप्त करने के संबंध में यथासमय कार्यवाही पूर्ण करें।

मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव कृषि को इस संबंध में जरूरी फॉलोअप करने के निर्देश दिए। इसी तरह गत वर्ष उपार्जित 6.45 लाख मीट्रिक टन गेहूं केंद्रीय पूल में दिए जाने के संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा किए गए अनुरोध पर केंद्र सरकार द्वारा राज्य शासन के अधिकारियों से संवाद कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

डॉ. सुदाम खाड़े को माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति का प्रभार

भोपाल, राज्य शासन द्वारा डॉ. सुदाम खाड़े आयुक्त जनसम्पर्क को वर्तमान कर्तव्यों के साथ ही कुलपति माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. खाड़े के कार्यभार ग्रहण करने पर प्रभारी कुलपति श्री संजय द्विवेदी प्रभार से मुक्त होंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पिछला सप्ताह

4 जुलाई

सीआईएससीई करेगा बोर्ड परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में 25 प्रतिशत की कटौती

● काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने 2020-21 सत्र के लिये कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में 25 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है। सीआईएससीई ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण स्कूल बंद हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई में काफी दिक्कतें हो रही हैं। बोर्ड ने कहा कि अभी पढ़ाई ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से हो रही है, लेकिन संभवतः उतनी पढ़ाई नहीं हो पा रही है, जितनी शायद पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिये होनी चाहिये। बोर्ड ने स्कूलों से कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं की पढ़ाई नये पाठ्यक्रम के अनुसार कराई जाये।

● कोरोना महामारी का इलाज ढूंढ़ रहे वैज्ञानिकों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। वैज्ञानिकों ने कोरोना महामारी के इलाज का एक नया तरीका खोजा है। वैज्ञानिकों ने कई ऐसे मॉलीक्यूल की पहचान की है, जो कोरोना वायरस से जुड़े एक प्रोटीन पर अंकुश लगा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि कोरोना वायरस एक खास प्रोटीन की मदद से प्रगति करता है। इस प्रोटीन की पहचान कर इसे खत्म करने के तरीके की खोज की जा रही है। इस खोज से कोरोना महामारी के उपचार की संभावनाएं तीव्र हो गई हैं।

● जर्मनी में कोयले पर निर्भरता को खत्म करने के लिये पर्यावरण कार्यकर्ता लामबंद हो गये हैं। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने कोयला के इस्तेमाल को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल की पार्टी के मुख्यालय के बाहर वित्त मंत्री पीटर अल्टामाइट और चांसलर एंजेला मर्केल के मुखौटे पहनकर विरोध जताया। पर्यावरण संस्थाओं का जर्मन सरकार पर आरोप है कि जिस तरह से सरकार फैसले ले रही हैं, उससे कोयले पर निर्भरता शीघ्र खत्म नहीं हो सकती है।

5 जुलाई

नीट और जेईई के अभ्यर्थी चुन सकेंगे पसंद का परीक्षा केंद्र

● नेशनल इलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) और ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) के अभ्यर्थी अब अपनी पसंद का परीक्षा केंद्र चुन सकेंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस संबंध में एक आधिकारिक सूचना जारी की है। एनटीए ने कहा कि नीट और जेईई परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी परीक्षा केंद्र और परीक्षा के शहर का विकल्प चुन सकते हैं। छात्र 15 जुलाई तक परीक्षा केंद्र में बदलाव करवा सकते हैं। नीट परीक्षा के लिये 16.84 लाख विद्यार्थियों ने फॉर्म भरे हैं तथा जेईई परीक्षा में लगभग 10 लाख विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों यूपीएससी ने भी कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदकों को परीक्षा केंद्र चुनने की छूट दी थी।

● केंद्र सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खोलने वाले अभिभावकों को राहत प्रदान की है। सरकार के निर्देशानुसार सुकन्या समृद्धि खाता 31 जुलाई 2020 से पहले उन बेटियों के नाम से खोला जा सकता है, जिनकी उम्र 25 मार्च 2020 से 30 जून 2020 तक लॉकडाउन की अवधि के दौरान 10 वर्ष पूरी हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि सुकन्या समृद्धि खाते केवल 10 वर्ष की आयु तक की बालिकाओं के ही खोले जाते हैं।

6 जुलाई

आयकर विभाग ने जारी किया नया टीडीएस फॉर्म

● आयकर विभाग ने स्रोतों पर कटौती (टीडीएस) फॉर्म में संशोधन करते हुये उसे और व्यापक बनाया है। विभाग ने टैक्स में कटौती करने वालों को टैक्स नहीं काटने की वजह बताने को कहा है। इसके अलावा बैंकों को नये फॉर्म में एक करोड़ रुपये से ज्यादा भी नगद निकासी पर टीडीएस की जानकारी देने को कहा गया है। एक वर्ष में एक करोड़ रुपये से ज्यादा नगद निकासी पर दो फीसदी की दर से टैक्स देना होगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, ई-वाणिज्य ऑपरेटरों, म्यूचुअल फंड और कारोबारी न्यासों द्वारा लाभांश वितरण, नगद निकासी, पेशेवर शुल्क और ब्याज पर टीडीएस लगाने के लिये आयकर नियमों में बदलाव किया गया है।

● ऑस्ट्रेलिया में कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों को देखते हुये विक्टोरिया राज्य ने न्यू साउथ वेल्स राज्य के साथ सीमा बंद करने की घोषणा की है। इन दोनों राज्यों के बीच 100 वर्षों में पहली बार सीमा बंद की गई है। विक्टोरिया प्रीमियर के डेनियल एंड्रयूज ने कहा कि सीमा को बंद करना सबसे बेहतर तरीका है। इससे राज्य में वायरस से लड़ने पर ध्यान केंद्रित हो सकेगा। विक्टोरिया के लोगों को न्यू साउथ वेल्स में प्रवेश करने के लिये अब परमिट की जरूरत होगी।

7 जुलाई

पैन-आधार लिंक करने की समय सीमा 31 मार्च तक बढ़ी

● आयकर विभाग ने पैन नंबर को आधार नंबर से लिंक करने की समय सीमा 31 मार्च 2021 तक बढ़ा दी है। इससे पहले यह समय सीमा 30 जून थी। आयकर विभाग ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के चलते बनी स्थिति को ध्यान में रखते हुये इस समय सीमा में वृद्धि की गई है। उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न दाखिल कर रहे करदाताओं के लिये पैन नंबर को आधार नंबर से लिंक करवाना अनिवार्य है। पैन-आधार लिंक नहीं कराने पर पैन कार्ड धारक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

● सड़कों की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिये भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देश के राजमार्गों की रैंकिंग करने का फैसला किया है। इस रैंकिंग से राष्ट्रीय राजमार्गों के ऑडिट और गुणवत्ता को बेहतर करने में मदद मिलेगी, रैंकिंग का उद्देश्य जरूरत के अनुसार सुधार कर सड़कों की गुणवत्ता बेहतर करना है, ताकि यात्रियों का सफर अच्छा हो। इस रैंकिंग में आकलन प्रक्रिया को तीन चरणों में बांटा गया है। इसमें राजमार्ग की कुशलता (45 प्रतिशत), राजमार्ग पर सुरक्षा (35 प्रतिशत) और उपयोगकर्ताओं को मिलने वाली सुविधायें (20 प्रतिशत) शामिल हैं। आकलन के नतीजों के आधार पर एनएचएआई एक विस्तृत विश्लेषण करेगी और सर्विस को बेहतर बनाने के लिये काम करेगी।

● कोरोना वायरस के बाद अब चीन में प्लेग महामारी का अंदेशा जताया जा रहा है। उत्तरी चीन के बयन्नूर शहर में ब्यूबोनिक प्लेग के दो मामले सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। चीन के सरकारी समाचार पत्र पीपुल्स डेली की रिपोर्ट के अनुसार, बयन्नूर में स्तर-3 की चेतावनी जारी की गई। चेतावनी का स्तर इस वर्ष के अंत तक जारी रह सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्यूबोनिक प्लेग बैक्टीरिया संक्रमण के कारण होता है, यह जानलेवा हो सकता है। हालांकि इसके लिये एंटीबॉयोटिक पहले से उपलब्ध है।

8 जुलाई

इरडा ने आरोग्य संजीवनी पॉलिसी में किया बदलाव

● भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने आरोग्य संजीवनी पॉलिसी की न्यूनतम और अधिकतम सीमा में बदलाव किया है। अब इस पॉलिसी में न्यूनतम 50 हजार और अधिकतम 5 लाख रुपये से ज्यादा का कवर मिल सकेगा। अब तक इस पॉलिसी में अधिकतम बीमित राशि 5 लाख रुपये थी। इरडा ने सभी साधारण और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों से बुनियादी स्वास्थ्य जरूरतों के लिये एक समान स्वास्थ्य पॉलिसी बनाने को कहा था। पहले इसके तहत अधिकतम 5 लाख तथा न्यूनतम 1 लाख रुपये वाला प्रोडक्ट लॉन्च किया गया था। अब इरडा ने सभी बीमा कंपनियों को इस पॉलिसी में बदलाव कर फिर से लॉन्च करने को कहा है। इस पॉलिसी के तहत अस्पताल में भर्ती का खर्च, कम सीमा के साथ मोतियाबिंद जैसे अन्य खर्च, दांतों का इलाज, बीमारी या दुर्घटना के कारण जरूरी प्लास्टिक सर्जरी और सभी प्रकार के डेकेयर इलाज शामिल हैं।

● उच्चतम न्यायालय ने सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन के मामले में अपने आदेश के अमल के लिये केंद्र सरकार को एक महीने का अतिरिक्त समय दिया है। उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णय देशभर में कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुये लिया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने वर्ष 2010 में शॉर्ट कमीशन के तहत सेना में आने वाली महिलाओं को सेवा में 14 वर्ष पूरे करने पर पुरुषों की तरह स्थायी कमीशन देने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ रक्षा मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय में अपील की थी। उच्चतम न्यायालय ने भी अपने फैसले में महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाया था।

● अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीन के कारण अमेरिका और पूरी दुनिया को भारी क्षति पहुंची है। ट्रंप ने ट्विटर के जरिये कहा कि कोरोना महामारी के कारण अमेरिका, यूरोप और भारत सहित विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था थम सी गई है। ट्रंप ने कोरोना वायरस के लिये चीन को जिम्मेदार ठहराते हुये कहा कि चीन ने कोरोना के बारे में शुरुआती दौर में जानकारी नहीं दी, जिसके कारण पूरे विश्व में इस महामारी का प्रसार हो गया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में कोरोना का व्यापक असर पड़ा है।

9 जुलाई

सुप्रीम कोर्ट ने बीएस-4 वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर लगाई रोक

● सुप्रीम कोर्ट ने बीएस-4 वाहनों की बिक्री के लिये लॉकडाउन के बाद 10 दिनों की

मोहलत देने वाले अपने पुराने आदेश को वापस ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी भी बीएस-4 वाहन बेचे जा रहे हैं, जो कि आदेशों का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन से कहा कि वाहन डीलर्स ने 31 मार्च के बाद भी बीएस-4 वाहन बेचे हैं। हम डीलर्स पर एक्शन ले सकते हैं। इसलिए 31 मार्च के बाद बिके बीएस-4 वाहनों का रजिस्ट्रेशन नहीं किया जायेगा।

● खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये मास्क की ऑनलाइन बिक्री शुरू की है। आयोग की इस सुविधा से दूरदराज के इलाकों के लोग अब घर बैठे मास्क मंगवा सकते हैं। आयोग कॉटन और सिल्क के मास्क ऑनलाइन बेच रहा है। कॉटन मास्क की कीमत 30 रुपये तय की गई है, वहीं सिल्क मास्क 100 रुपये का मिलेगा। आयोग ने कहा कि ऑनलाइन मास्क खरीदने के लिये न्यूनतम 500 रुपये का ऑर्डर देना होगा। ऑनलाइन ऑर्डर आयोग की वेबसाइट पर दिया जा सकता है।

● वैश्विक महामारी कोरोना की वैक्सीन के लिये विश्वभर के वैज्ञानिक निरंतर प्रयास कर रहे हैं। वैज्ञानिक कोरोना वायरस पर लगातार शोध कर रहे हैं। ऐसे ही एक शोध से पता चला है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) भी प्रभावित हो सकता है। यह शोध एक साइंस पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। शोध के अनुसार, इस वायरस के चलते बेहोशी में बोलना, दिमाग में सूजन, स्ट्रोक और नर्सें क्षतिग्रस्त होने जैसी तंत्रिका संबंधी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। शोध के अनुसार ये समस्यायें शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से होती हैं।

10 जुलाई

अगले साल होने वाली नीट और जेईई परीक्षा के शेड्यूल में हो सकता है बदलाव

● कोरोना वायरस के कारण मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये होने वाली विभिन्न परीक्षाएं प्रभावित हुई हैं। आने वाले समय में कोरोना वायरस की स्थिति को देखते हुये नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) अगले वर्ष जनवरी में आयोजित होने वाली जेईई मेन और नीट-2021 की समीक्षा करेगी। मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के अनुसार, स्कूलों के खुलने के बाद एनटीए इन परीक्षाओं पर फैसला करेगी। फैसला उस समय की स्थिति पर निर्भर करेगा। उल्लेखनीय है कि जेईई मेन परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार होता है, वहीं नीट परीक्षा वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है।

● केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दोनों देशों के बीच 12 जुलाई से 26 जुलाई तक संचालित होने वाली चार्टर्ड उड़ानों को दोनों ओर से पात्र यात्रियों को ले जाने की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की गई है। मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में यूएई से भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिये उड़ान संचालित करने वाली भारतीय एयर लाइंस को यूएई से किसी भी यात्री को खाड़ी देश ले जाने की अनुमति नहीं होती है। इसी तरह यूएई की उड़ाने भारत से खाड़ी देशों के यात्रियों को तो ले जा सकती है, लेकिन वहां से यात्रियों को भारत नहीं ला सकती।

प्रदेश के विकास से संबंधित विषयों पर सुझावों के लिये समिति गठित

भोपाल, विभागों की जटिल एवं चुनौतीपूर्ण प्रकृति की समस्याओं एवं चुनौतियों का नवाचारयुक्त समाधान, ई-गवर्नेन्स के क्षेत्र में उभरती हुई नवीनतम तकनीकों के माध्यम से प्राप्त करने के उद्देश्य से innovation.mp.gov.in पोर्टल विकसित किया गया है। मध्यप्रदेश इनोवेशन पोर्टल पर प्रदेश के विकास से जुड़े विषयों के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्राप्त सुझावों के परीक्षण के लिए श्री अशोक शाह प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास की अध्यक्षता में छानबीन समिति का गठन किया गया है। इसमें श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव एमएसएमई, श्री धनराजू एस., संचालक कौशल विकास, श्रीमती छवि भारद्वाज, मिशन संचालक स्वास्थ्य मिशन समिति सदस्य और श्री एम. सेलवेन्द्रन, सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को सदस्य-सचिव नियुक्त किया गया है।

छानबीन समिति द्वारा प्रकरणों के परीक्षण के बाद प्राप्त सुझावों के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में चयन/अनुमोदन समिति गठित की गई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

रोज़गार और निर्माण वर्ष 37, अंक 28, 13.07.2020 से 19.07.2020

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े ● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी ● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह ● उप सम्पादक - रंजना चितले ● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन) ● आकल्पन - आशा रोमन, हेमंत वायंगणकर, सुशील लांडगे ● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर सम्पादक, रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011, फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : mpmdtp@yahoo.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के परिणाम

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 1 मार्च से 19 मार्च के मध्य संपन्न करायी गयी हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के नतीजे अभी हाल ही में घोषित किए गए हैं। घोषित परीक्षा परिणाम में 62.84 नियमित परीक्षार्थी तथा 16.95 प्रतिशत स्वाध्यायी परीक्षार्थी उत्तीर्ण रहे। नियमित परीक्षार्थियों में इस वर्ष भी छात्राएं, छात्रों से आगे रहीं। नियमित छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 65.87 एवं नियमित छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 60.09 रहा। इस वर्ष हाई स्कूल परीक्षा का परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा। आदिवासी विद्यालयों का उत्तीर्ण प्रतिशत 62.04 रहा है। मंडल द्वारा आयोजित परीक्षा में कुल 3936 परीक्षा केंद्रों पर 8 लाख 93 हजार 336 नियमित परीक्षार्थियों एवं 2 लाख 4 हजार 110 स्वाध्यायी परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। मंडल द्वारा 8 लाख 91 हजार 866 नियमित परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। जिसमें 3 लाख 42 हजार 390 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी में, 2 लाख 15 हजार 162 परीक्षार्थी द्वितीय श्रेणी में एवं 2 हजार 922 परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल 5 लाख 60 हजार 474 परीक्षार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। 1 लाख 8 हजार 448 परीक्षार्थियों ने पूरक की पात्रता प्राप्त की। 1 हजार 444 परीक्षार्थियों के परीक्षाफल अंकों की पुष्टि न हो पाने के कारण बाद में घोषित किए जाएंगे। 2 लाख 3 हजार 823 स्वाध्यायी परीक्षार्थियों में से कुल 34 हजार 563 परीक्षार्थी सफल हुए। परीक्षा का परिणाम 16.95 प्रतिशत रहा। प्रथम श्रेणी में 3 हजार 483 परीक्षार्थी, द्वितीय श्रेणी में 18 हजार 194 परीक्षार्थी एवं तृतीय श्रेणी में 12 हजार 885 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। पूरक पात्रता प्राप्त स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की संख्या 29 हजार 83 है। इस वर्ष भी 2 विषयों में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों को पूरक की पात्रता प्रदान की गई है। 235 परीक्षार्थियों के परीक्षाफल अंकों की पुष्टि न होने के कारण परीक्षा परिणाम बाद में घोषित किए जाएंगे। इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में कुल 360 परिक्षार्थियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया। जो कि विगत वर्ष की तुलना में 216 अधिक है। प्रावीण्य सूची में 191 छात्राएं और 169 छात्र शामिल हैं, जबकि विगत वर्ष कुल 144 परीक्षार्थियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया था। इस बार प्रथम श्रेणी प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्वाध्यायी एवं नियमित 3 लाख 45 हजार 873 परीक्षार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 5 हजार 540 अधिक है। द्वितीय श्रेणी प्राप्त परीक्षार्थियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। कुल दो लाख 33 हजार 356 नियमित एवं स्वाध्यायी विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की जो कि विगत वर्ष की तुलना में 16 हजार 250 अधिक है। जबकि तृतीय श्रेणी के परीक्षार्थियों की संख्या कम हो गई है। इस वर्ष कुल 15 हजार 807 नियमित एवं स्वाध्यायी परीक्षार्थियों ने तृतीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है। जो कि विगत वर्ष की तुलना में 685 कम है। हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में शामिल विकलांग, नेत्रहीन एवं मूकबधिर छात्रों का परीक्षाफल 68.77 रहा। इस श्रेणी में छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 73.20 एवं छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 67 प्रतिशत रहा है। मध्यप्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम अपेक्षा के अनुरूप ही रहे हैं। इस परीक्षा में शामिल प्रदेश के छात्रों ने कड़ी मेहनत की थी, उसी का यह सुपरिणाम है कि हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के परिणाम बेहतर आए हैं।

ब्रह्मांड को जानें

पृथ्वी

गतांक से आगे - महाद्वीपीय विस्थापन के सिद्धांत का समर्थन करते हुए भू-विज्ञानियों ने 19वीं सदी के छठें दशक में भू-विज्ञान की एक नवीन संकल्पना प्लेट विवर्तनिकी को जन्म दिया। प्लेट विवर्तनिकी में पृथ्वी की हलचल के फलस्वरूप बनी चट्टानों का अध्ययन होता है, जो प्लेट के रूप में हैं। इस संकल्पना ने भूविज्ञान के अध्ययन में उसी प्रकार से क्रांतिकारी परिवर्तन किया जैसा कि खगोलिकी में कापरनिकस सिद्धांत ने किया था। कापरनिकस सिद्धांत ने पृथ्वी और सौर प्रणाली के संबंध में हमारे विचारों में आमूल-चूल परिवर्तन ला दिया। प्लेट विवर्तनिकी ने स्वयं पृथ्वी के विषय में हमारी संकल्पना में महान परिवर्तन किया। इसने प्रमाणित कर दिया कि पृथ्वी स्थिर नहीं है, बल्कि गत्यात्मक है और सही मायने में जीवित है। महाद्वीपीय विस्थापन का सिद्धांत यह मानकर चलता है कि महाद्वीप विशालकाय जहाजों की तरह सागर में चलते हैं। प्लेट विवर्तनिकी हमें बताती है कि केवल महाद्वीप ही गतिशील नहीं हैं, बल्कि महासागर भी गतिशील हैं। इसका कारण यह है कि पृथ्वी की शीर्ष पपड़ी (जैसा कि हमारा विचार है) ग्रेनाइट या बेसाल्ट का अखंडित खोल नहीं है, बल्कि प्लेट कहलाने वाले बहुत-से कठोर खंडों का मोजेक है। इन प्लेटों में पृथ्वी की ठोस ऊपरी पपड़ी ही शामिल नहीं है, बल्कि उसके नीचे का सघन मैटल भी उसी में आता है। उनकी औसत मोटाई 100 किलोमीटर है। ये सब पृथ्वी के एस्थेनोफीयर नामक ऊपरी मैटल पर तैर रहे हैं और वृहदाकार जहाजों की तरह महाद्वीपों एवं महासागरों को अपनी पीठ पर लादकर ले जाते हैं। ये सभी प्लेटें एक-दूसरे के सापेक्ष में निरंतर गतिशील हैं। महाद्वीपीय विस्थापन और प्लेट विवर्तनिकी के बीच विभेद करने में भ्रांति इस मान्यता से है कि महाद्वीप और प्लेटें समानार्थी हैं, लेकिन ऐसा नहीं हैं। महाद्वीप प्लेटों के एक भाग का ही निर्माण करते हैं, जबकि आसपास के महासागर प्लेटों के शेष भाग हैं। महाद्वीप ही अकेले विस्थापन नहीं करते। विस्थापन प्लेटों का होता है, जिनमें महाद्वीप एवं महासागर दोनों सम्मिलित हैं। इसलिए अब हम महाद्वीपीय विस्थापन के बजाय प्लेटों की गतिशीलता की चर्चा करते हैं।

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व जनसंख्या दिवस | 11 जुलाई

जनसांख्यिकीय रुझानों पर विमर्श इस दिन की प्राथमिकता हो

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पिछले वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस पर टिकाऊ विकास के लिए 2030 के संकल्पों की कार्यसूची में उल्लेखित एक लक्ष्य - 'स्वस्थ ग्रह पर सभी के लिए बेहतर भविष्य' को विश्व के उन्नयन का ब्लूप्रिंट निरुपित किया था।

उन्होंने कहा था विश्व जनसंख्या दिवस पर हम इस बात को मान्यता देते हैं कि यह अभियान जनसंख्या वृद्धि, वृद्ध होती जनसंख्या, प्रवासी जनसंख्या और शहरीकरण सहित अनेक जनसांख्यिकीय रुझानों से बहुत हद तक जुड़ा हुआ है। इस कथन के एक साल बाद वर्ष 2020 के इस विश्व जनसंख्या दिवस पर इन्हीं रुझानों और इनसे जुड़े निष्कर्षों पर चर्चा करेंगे ताकि जनसंख्या अभिवृद्धि और उससे सम्बद्ध विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर सकें। वस्तुतः विश्व जनसंख्या दिवस पर इन्हीं जनसांख्यिकीय रुझानों पर विमर्श हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या अभिवृद्धि के कारक और जनसंख्याजन विभिन्न सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर विमर्श भी बेहद जरूरी है। विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन यह वृद्धि बहुत असमान है जो चिंता का विषय है। विश्व के सबसे कम विकसित देशों के लिए टिकाऊ विकास की दिशा में सबसे बड़ी चुनौती तेजी से बढ़ती जनसंख्या और जलवायु परिवर्तन के प्रति गैर संवेदनशीलता है। दूसरे देशों में अन्य प्रकार की समस्याएँ हैं। कुछ देशों में जनसंख्या में वृद्धों की संख्या बढ़ रही है। इसके अलावा उन देशों को वृद्ध होते लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने और पर्याप्त सामाजिक संरक्षण प्रदान करने की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। विश्व के कई देश इस समय कोविड-19 की महामारी के संक्रमण से गुजर रहे हैं। कोरोना वायरस के इस संक्रमण में वृद्ध मुख्य रूप से पैंसठ वर्ष से अधिक आयुवर्ग के वृद्ध सर्वोच्च जोखिम में माने जा रहे हैं। ऐसे में वृद्धों की सुरक्षा को समुचित प्राथमिकता दिये जाने जैसे कारक पर भी विमर्श अब प्रासंगिक होगा।

ग्यारह जुलाई को ही क्यों मनाया जाता है – विश्व जनसंख्या दिवस?

समूचे विश्व में 'विश्व जनसंख्या दिवस' 11 जुलाई को मनाया जाता है। हमारे देश में और समूचे विश्व में लगातार बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए जनसंख्या के नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाने और जनसंख्या की अतिशय अभिवृद्धि के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालने के लिये यह आयोजन वैश्विक स्तर पर होता है। इस तिथि को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने की शुरुआत वर्ष 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की संचालक परिषद् द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुपालन में हुई थी। दरअसल 11 जुलाई 1987 तक वैश्विक जनसंख्या का आंकड़ा पाँच अरब के भी पार हो चुका था, जिसे देखते हुए वैश्विक हितों को ध्यान में रखते हुए इस दिवस को मनाने और जारी रखने का निर्णय लिया गया था। वास्तव में विश्व जनसंख्या दिवस को मनाना तभी सार्थक हो सकता है, जब हम बढ़ती जनसंख्या

राजा दुबे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

के प्रति जागरूक रवैया अपनाएं और इसके विभिन्न पहलुओं व हितों पर ध्यान देते हुए जनसंख्या विस्फोट में कमी लाने का प्रयास करें। जनसंख्या वृद्धि के विभिन्न कारणों पर विचार कर इनके लिए उपायों पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता फैलाने के लिए कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें सोशल मीडिया, विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों व सभाओं का संचालन, प्रतियोगिताओं का आयोजन, रोड शो, नुक्कड़ नाटक और अन्य कई तरीके शामिल हैं। लेकिन इन सभी का उद्देश्य एक ही है, जनसंख्या वृद्धि के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालना और इसके प्रति लोगों को जागरूक करना।

जनसंख्या से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण और दिलचस्प तथ्य

इस विश्व जनसंख्या दिवस पर आईये जनसंख्या से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण और दिलचस्प तथ्यों के बारे में जाने -

- चीन और भारत दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश हैं।
- आज के दौर में सबसे तेज गति से जनसंख्या अभिवृद्धि करने वाला देश नाइजीरिया है। जनसंख्या के मामले में नाइजीरिया भले ही अभी विश्व में छठवें स्थान पर हो, लेकिन 2050 से पहले यह अमेरिका को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान पर पहुँच सकता है।
- साल 2010 से 2015 के बीच दुनिया की छियालिस फीसदी आबादी 83 देशों में रह रही है, जहाँ प्रजनन स्तर 2.1 की सीमा से नीचे था।
- दुनिया भर में बुजुर्गों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

परिवार नियोजन का संकल्प दिलवाना हो जागरूकता का ध्येय

जनसंख्या वृद्धि के प्रति जागरूकता मानव समाज की नई पीढ़ियों को बेहतर जीवन देने का संदेश देती है। बच्चों को भविष्य में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और वातावरण जैसी आवश्यक सुविधाएँ मिलती रहें इसके लिए छोटे परिवार की महती आवश्यकता निरन्तर बढ़ती जा रही है। प्राकृतिक संसाधनों का समुचित दोहन कर मानव समाज को सर्वश्रेष्ठ बनाए रखने और हर इंसान के भीतर इन्सानियत को बरकरार रखने के लिए यह बहुत ज़रूरी हो गया है कि 'विश्व जनसंख्या दिवस' की महत्ता को समझा जाए। इस विशेष दिन को हर साल परिवार नियोजन का संकल्प लेने के दिन के रूप में याद किया जाने लगा है। हर राष्ट्र में इस दिन का विशेष महत्व है, क्योंकि आज दुनिया के हर विकासशील और विकसित दोनों तरह के देश जनसंख्या विस्फोट से चिंतित हैं। विकासशील देश अपनी आबादी और जनसंख्या के बीच तालमेल कायम करने को सचेष्ट हैं तो विकसित देश पलायन और रोज़गार की चाह में बाहर से आकर रहने वाले शरणार्थियों की वजह से परेशान हैं। विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य जनसंख्या से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर लोगों की जागरूकता बढ़ाना है और परिवार नियोजन के अलावा लिंग समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य और मानव अधिकारों के महत्व को लेकर भी जागरूकता बढ़ाना है।

जनसंख्या वृद्धि के कारणों की व्यापक पड़ताल भी जरूरी है

जब हम जनसंख्या पर नियंत्रण की बात करते हैं तब हमारी कोशिश जनसंख्या वृद्धि के कारणों की पड़ताल की भी होनी चाहिए और इस प्रयोजन से विश्व जनसंख्या दिवस सबसे उपयुक्त अवसर होता है। इस दिन जनसंख्या अभिवृद्धि के हरसम्भव कारणों की चर्चा होनी चाहिए। इन कारणों की विवेचना करें तो आज भी कई ऐसे पिछड़े इलाके व गांव हैं, जहां बाल विवाह की कुरीति प्रचलित है जिसके कारण अधिक बच्चे पैदा होते हैं। शिक्षा का अभाव जनसंख्या वृद्धि की एक बड़ी वजह है और रूढ़िवादी सोच और पुरुष-प्रधान समाज में लड़के की चाह में लोग कई बच्चे पैदा कर लेते हैं, यह भी एक प्रमुख कारण है। आज भी कई ऐसी जगह हैं, जहां बड़े-बुजुर्गों की ऐसी सोच होती है कि यदि उनकी पुश्तैनी धन-संपत्ति अधिक है, तो उसे आगे बढ़ाने और संभालने के लिए ज्यादा लड़के पैदा किए जाएं। कई मामलों में शादीशुदा जोड़ों पर बच्चे पैदा करने का दबाव तक बनाया जाता है। शिक्षित और मध्यमवर्गीय परिवार की यह सोच कि 'अधिक बच्चे विशेष तौर पर लड़के यानी उनके बुढ़ापे का सहारा होते हैं यह भी जनसंख्या अभिवृद्धि का एक कारण है। परिवार नियोजन के महत्व को समझाए बगैर ही युवाओं की शादी कर देना भी एक मुख्य कारण है। इस तरह की बातों पर आज भी घर-परिवारों में चर्चा करना गलत समझा जाता है। इस बारे में जागरूक किये बिना तथा इसके परिणामों के बारे में बताए बगैर ही सीधे बच्चों की शादी कर दी जाती है।

गरीबी भी जनसंख्या बढ़ने का मूल कारण है। हमारे देश में बहुत से बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। रोज़गार की समस्या भी यह साफतौर पर बताती है कि बच्चों और देश के विकास में ज्यादा जनसंख्या रुकावट बनती है।

काहिरा सम्मेलन के लक्ष्यों को पाना है

जनसंख्या के रुझानों को संभालने के साथ-साथ हमें जनसंख्या, विकास और व्यक्तिगत कल्याण के बीच के संबंधों का भी विश्लेषण करना होगा। छब्बीस वर्ष पूर्व जनसंख्या और विकास पर काहिरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्व नेताओं ने सबसे पहले जनसंख्या, विकास और प्रजनन अधिकारों सहित मानवाधिकारों के बीच के संबंधों को रेखांकित किया था, जिसमें इस बात को भी स्वीकार किया गया कि स्त्री-पुरुष समानता न सिर्फ सही दिशा में उठाया जाने वाला कदम है बल्कि टिकाऊ विकास और सभी के कल्याण के लिए भी सबसे भरोसेमंद मार्ग है। आईये इस बार भी विश्व जनसंख्या दिवस पर काहिरा सम्मेलन के अधूरे लक्ष्यों को पूरा करने का प्रयास करें।

(फोटो गूगल से साभार)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. - 462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 900 (PMGSY-III, Batch-I Year 2020-21)

No. 10119/22/D-12/MPRRDA/2020 Bhopal, Dated : 04.07.2020

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below;

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)	S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Agar	2	102802000.00	26.	Khargone	11	1231543000.00
2.	Alirajpur	6	378806000.00	27.	Mandla	6	784654000.00
3.	Anuppur	1	144440000.00	28.	Mandsaur	3	639446000.00
4.	Ashoknagar	6	641839000.00	29.	Morena	6	893894000.00
5.	Balaghat	15	956984000.00	30.	Narsinghpur	7	398820000.00
6.	Barwani	1	160604000.00	31.	Neemuch	3	268467000.00
7.	Betul	7	759406000.00	32.	Panna	5	428173000.00
8.	Bhind	7	569620000.00	33.	Raisen	8	335205000.00
9.	Burhanpur	3	169390000.00	34.	Rajgarh	4	683233000.00
10.	Chhatarpur	6	477022000.00	35.	Ratlam	2	447870000.00
11.	Chhindwara	8	875321000.00	36.	Rewa	6	462434000.00
12.	Damoh	14	1452764000.00	37.	Sagar	9	1396752000.00
13.	Datia	5	266710000.00	38.	Satna	10	636900000.00
14.	Dewas	9	759227000.00	39.	Sehore	3	183971000.00
15.	Dhar	12	814508000.00	40.	Seoni	9	1283746000.00
16.	Dindori	2	137139000.00	41.	Shahdol	5	417185000.00
17.	Guna	7	780588000.00	42.	Shajapur	7	638553000.00
18.	Gwalior	7	615418000.00	43.	Sheopur	2	315076000.00
19.	Harda	2	88342000.00	44.	Shivpuri	11	1122521000.00
20.	Hoshangabad	6	386979000.00	45.	Sidhi	8	494463000.00
21.	Indore	4	366311000.00	46.	Singrauli	1	74416000.00
22.	Jabalpur	12	750753000.00	47.	Tikamgarh	10	1009966000.00
23.	Jhabua	3	324756000.00	48.	Ujjain	9	753986000.00
24.	Katni	11	1049619000.00	49.	Umaria	2	138221000.00
25.	Khandwa	4	466673000.00	50.	Vidisha	7	873960000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities. The bidders are required to submit (a) original Demand Draft towards the cost of bid document and (b) original bid security in approved form and (c) original affidavit regarding correctness of information furnished with bid document as per provisions of Clause 4.4 B (a) (ii) of ITB with GM PIU concerned or MPRRDA Head Office, Paryavas Bhawan, BHOPAL, either by registered post or by hand, failing which the bid shall be declared non-responsive.
2. Bid document may be purchase online from **14.07.2020 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **05.08.2020 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
(T & e-G)

M.P. Madhyam/97839/2020

R-44100/2020

माखनलालचतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

बी-38, विकास भवन, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल - 462016

प्रवेश सूचना 2020-21

विश्वविद्यालय के भोपाल, रीवा तथा खंडवा परिसर में सत्र 2020-21 में संचालित होने वाले मीडिया, संचार, प्रबंधन तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग के निम्न स्नातकोत्तर, स्नातक तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं-

भोपाल परिसर

- **MA(J)** मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)
- **MA(DJ)** मास्टर ऑफ आर्ट्स (डिजिटलजर्नलिज्म)
- **MA(BJ)** मास्टर ऑफ आर्ट्स (ब्रॉडकास्टजर्नलिज्म)
- **MA(MC)** मास्टर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन)
- **MA(APR)** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन्स)
- **MSc(EM)** मास्टर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)
- **MSc(FP)** मास्टर ऑफ साइंस (फिल्म प्रोडक्शन)
- **MSc(NM)** मास्टर ऑफ साइंस (न्यू मीडिया)
- **MSc(MR)** मास्टर ऑफ साइंस (मीडिया रिसर्च)
- **MSc(ICS)** मास्टर ऑफ साइंस (सूचना और साइबरसिक्यूरिटीज)
- **MBA(MBM)** मास्टर ऑफ बिजनेसएडमिनिस्ट्रेशन (मीडिया बिज़नेसमैनेजमेंट)
- **MCA** मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स
- **MPhil(MS)** मास्टर ऑफ फिलॉसफी (मीडिया स्टडीज)
- **BSc(EM)** बैचलर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)
- **BA(JCW)** बैचलर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिवराइटिंग)
- **BA(MC)** बैचलर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन)
- **BBA(EC)** बैचलर ऑफ बिजनेसएडमिनिस्ट्रेशन (ई-कॉमर्स)
- **BSc(MM)** बैचलर ऑफ साइंस (मल्टीमीडिया)
- **BCA** बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स
- **BTech(PP)** बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग)
- **BTech(PP)** बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग) लेटरलएंट्री
- **BLIS** बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशनसाइंसेज

खंडवा एवं रीवा परिसर

- **MA(J)** मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म)
- **BA(MC)** बैचलर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन)
- **PGDCA** पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स
- **DCA** डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स

■ प्रवेश हेतु आवेदन केवल ऑनलाईन ही स्वीकार किए जाएँगे। ऑनलाईन आवेदन करने हेतु वेबसाइट : www.mcu.ac.in या https://mcrpv.mponline.gov.in/ पर जाएं। ■ ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि **31 जुलाई, 2020** है। ■ एम.फिल (मीडिया स्टडीज को छोड़कर शेष सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश अर्हताकारी परीक्षा के प्राप्तांको (या उसके पूर्व वर्षों के प्राप्तांको यदि अंतिम तिथि तक अर्हताकारी परीक्षा का परिणाम जारी नहीं होता है) की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। ■ कोविड-19 की परिस्थितियों, सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन तथा अन्य परिस्थितियों में विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया की तिथियों में परिवर्तन कर सकता है। इसकी सूचना वेबसाइट पर दी जाएगी। ■ विस्तृत जानकारी हेतु विश्वयविद्यालय की वेबसाइट : www.mcu.ac.in पर विजिट करें या कैम्पस में संपर्क करें 0755-2553523 (भोपाल), 9754870534 (खंडवा), 7693861752 (रीवा)।

M.P. Madhyam/97882/2020 R-44112/2020 कुलसचिव

M.P. RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan,Bhopal M.P.–462011
No.10401/22/D-12/MPRRDA/2020 Bhopal, Dated : 10.07.2020

NOTICE INVITING TENDER NO. 901 (PMGSY-III-Bridges) PMGSY-III (Batch-I) Year 2020-21

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **PMGSY-III (Batch-I) Year 2020-21**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Alirajpur	3	32878000.00
2.	Ashoknagar	3	38456000.00
3.	Balaghat	1	11472000.00
4.	Bhind	2	10211000.00
5.	Burhanpur	3	16547000.00
6.	Chhindwara	1	14179000.00
7.	Damoh	3	44380000.00
8.	Datia	1	4882000.00
9.	Dewas	3	43264000.00
10.	Dhar	6	81144000.00
11.	Guna	2	12598000.00
12.	Gwalior	3	15290000.00
13.	Harda	1	11316000.00
14.	Hoshangabad	3	37349000.00
15.	Indore	4	39985000.00
16.	Jahbua	1	29672000.00
17.	Katni	2	14709000.00
18.	Khandwa	5	28949000.00
19.	Khargone	8	89425000.00
20.	Mandla	1	23674000.00
21.	Mandsour	8	89831000.00
22.	Morena	3	36280000.00
23.	Panna	4	42386000.00
24.	Raisen	5	74420000.00
25.	Rajgarh	2	64570000.00
26.	Ratlam	4	92242000.00
27.	Rewa	2	41110000.00
28.	Satna	5	57832000.00
29.	Sehore	3	29107000.00
30.	Shahdol	1	13947000.00
31.	Shajapur	9	49224000.00
32.	Sheopur	2	55962000.00
33.	Shivpuri	2	22513000.00
34.	Tikamgarh	1	11933000.00
35.	Ujjain	2	73844000.00
36.	Vidisha	3	35368000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities. The bidders are required to submit (a) original Demand Draft towards the cost of bid document and (b) original bid security in approved form and (c) original affidavit regarding correctness of information furnished with bid document as per provisions of Clause 4.4 B (a) (ii) of ITB with GM PIU concerned or **MPRRDA Head Office, Paryavas Bhawan, BHOPAL,** either by registered post or by hand, failing which the bid shall be declared non-responsive.
2. Bid document may be purchase online from **21.07.2020 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **17.08.2020 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/97895/2020 **CHIEF GENERAL MANAGER (T& e- G)**

R-44113/2020

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan, Arera Hills, Bhopal (M.P.) - 462011

NOTICE INVITING BIDs FOR DPR PREPARATION
(E-PROCUREMENT NOTICE)

No./10394/22/D-12/DPR-Cons./WB /MPRRDA/20 Bhopal, Date : 10.07.2020

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR undertake construction of Rural Roads under World Bank financed MP Rural Connectivity Project as per details given below :

- **District – Betul, Bhopal, Harda, Hoshangabad, Sehore, Raisen, Rajgarh, Vidisha, Ashok Nagar, Datia, Guna, Bhind, Gwalior, Morena, Sheopur, Shivpuri, Alirajpur, Dhar, Indore, Khandwa, Balaghat, Chhindwara, Jabalpur, Seoni, Dindori, katni, Mandla, Narsinghpur, Rewa, Satna, Sidhi, Shahdol, Chhatarpur, Damoh, Panna, Sagar, Agar, Dewas, Mandsaur, Neemuch, Ratlam, Shajapur, Ujjain.**
  Total - Length - 1044.36

1. Last date of Submission of bid is **28.07.2020 upto 17:30 hrs.**
2. Other details may be seen in the RFP document for (preparation of detailed project report for construction/ up-gradation of roads/CDs World Bank financed MPRCP–Nov. 2016. updated upto July 2020) on our website **https://www.mptenders.gov.in**

CHIEF GENERAL MANAGER
(T & e-G)

M.P. Madhyam/97888/2020 R-44115/2020

OFFICE OF THE KRISHI UPAJ MANDI SAMITI

DAMOH, DISTT. DAMOH (M.P.)

No./Mandi/Nirman/20-21/353 Damoh, Dated : 09.07.2020

NOTICE INVITING TENDER

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) **for System Tender Number 97436, B.T. Renewal Coat at Vegetable market Mandi Damoh, IInd Call,** Hard copies of technical bid documents with EMD & Financial offer as per Detailed NIT to be received online 27.07.2020 upto 17:30 Hrs. and physically up to17:30 Hrs. on date 30.07.2020 through Speed post/Registered post only at the Office of Executive Engineer M.P. State Agricultural Marketing Board, technical division, Padmakar Nagar, Makronia, Sagar (M.P.).Bidders are required to offer their bids exclusive of applicable GST. the GST shall be paid by the department, to contractor separately.

The tender documents can be obtained online on the **http://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**

Note :- Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/ Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

M.P. Madhyam/97881/44111/2020 **SECRETARY**

M.P. RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. –462011

No.10389/22/D-12/NIT-Maint./2020 Bhopal, Dated : 10.07.2020

NOTICE INVITING TENDER No. 142/MTN/2020

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

1. Table No. 1 : Name of Work : REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	5	74531000.00
2.	Bhind	12	121969000.00
3.	Datia	2	22250000.00
4.	Gwalior	3	15527000.00
5.	Guna	4	6006000.00
6.	Hoshangabad	1	48060000.00
7.	Mandsour	1	9305000.00
8.	Morena	3	48244000.00
9.	Sheopur	4	111460000.00
10.	Shahdol	1	20925000.00
11.	Shivpuri	4	24112000.00
12.	Umaria	1	10296000.00

2. Table No. 2 : Name of Work : REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Anuppur	1	10822000.00
2.	Betul	4	71065000.00
3.	Bhind	2	28451000.00
4.	Chhatarpur	1	21847000.00
5.	Damoh	1	16951000.00
6.	Datia	1	12632000.00
7.	Dhar	2	30742000.00
8.	Guna	1	15794000.00
9.	Hoshangabad	1	6637000.00
10.	Mandsour	4	36277000.00
11.	Panna	1	7625000.00
12.	Rewa	4	31985000.00
13.	Sehore	2	53016000.00
14.	Shahdol	3	12450000.00
15.	Sheopur	1	19616000.00
16.	Sidhi	2	10824000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above Website from **17.07.2020 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/97886/44114/2020 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & E-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)

Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan

Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

SQC CONSULTANCY OF BRIDGES

(E-Procurement Notice)

No. 10344/22/D-12/SQC-Brg./Phase-15th/20 Bhopal, Dtd : 09.07.2020

Online Bids are invited through e-procurement portal **http://mptenders.gov.in** from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Bridge works being constructed on Rural Roads for the following packages.

- No. of Packages - 01
- No. of Bridges - 28

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) - Rs. 521730000.00

- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**
- Last date for submission of offers online is upto 17:30 hrs. on 28.07.2020

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Bridge works November 2016 on our Website **https://mptenders.gov.in**

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/97880/44110/2020 **(T & e-G)**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पदमदा रोड, संभाग क्रमांक-01 भोपाल

फोन नं. : 0755-4222322, ई-मेल : mpphc.bhopal@yahoo.com

Mobile No. : 9425601532

क्रमांक-म.प्र.पु.आ.एवं.अ.वि.नि/373/पयं/भोपाल-1/तशा/2020

भोपाल, दिनांक :-04.07.2020

प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग क्रमांक-01 भोपाल द्वारा राज्य स्तरीय महिला हेल्पलाइन 1090 कालसेंटर भोपाल में लगे उपकरणों की मरम्मत एवं शिफ्टिंग कार्य, ऑनलाइन TENDER ID NO. : 2020_MPPHC_96828_1 हेतु निविदा क्रमांक 06/2020-21 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 13.07.2020 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/97840/44106/2020 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)

मोबा. : 9425601523, 8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत जिला रीवा, सतना एवं सीधी के विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु निविदा क्रमांक 03/2020-21 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक **MPPHCL/ TENDER No. 97022, 97029, 97031, 97052 & 97060)** आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 20.07.2020 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/97851/44107/2020 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02

डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002

E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिहोरा, जिला जबलपुर में 2 एफ, 2 जी, 2 एच टाईप आवास भवनों का निर्माण कार्य। (ऑनलाइन निविदा क्र. 2020_MPPHC_97075) निविदा क्रमांक 04/2020-21 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 15.07.2020 तक** खरीदकर सायं 18:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/97862/44108/2020 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

(म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के अधीन)

खण्ड-2, पंचम तल, पर्यावास भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल

क्र. 10287 दिनांक 08.07.2020

विज्ञप्ति

प्राधिकरण मुख्यालय भोपाल एवं जिले की इकाईयों हेतु विज्ञप्ति क्र. 6310 दिनांक 04.06.2020 द्वारा विभिन्न पदों पर प्रतिनियुक्ति एवं सेवानिवृत्ति उपरांत संविदा आधार पर, चयन हेतु अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किए गए थे, जिसमें पूर्णतः भरे हुए आवेदन पत्र प्राप्त करने की **अंतिम तिथि दिनांक 25.06.2020** निर्धारित की गई थी। कोविड-19 एवं लॉकडाउन के कारण डाक एवं संचार व्यवस्थाएं सुचारू रूप से न चलने के कारण उक्त विज्ञप्ति के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की **अंतिम दिनांक 21.07.2020 सायं 5.30 बजे तक** निर्धारित की जाती है।

आवेदन पत्र प्रशासन शाखा के ई-मेल **gmamprrda@gmail.com** पर भी प्रेषित किए जा सकेंगे। प्राधिकरण के अन्य किसी शाखा के ई-मेल पर प्राप्त आवेदन मान्य नहीं किए जावेंगे। जिन अभ्यर्थियों ने इस विज्ञप्ति के संदर्भ में पूर्व में विभिन्न पदों हेतु आवेदन किया है उन्हें पृथक से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है, उनके पूर्व के आवेदन पत्र जो **दिनांक 21.07.2020 तक सायं 5.30 बजे तक** प्राप्त हो जायेंगे वे मान्य होंगे। नये अभ्यर्थी भी अंतिम तिथि तक आवेदन करने हेतु पात्र होंगे। इस संशोधित **अंतिम तिथि (21.07.2020, सायं 5.30 बजे तक)** के पश्चात किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। इस सम्बन्ध में विस्तृत विज्ञप्ति एवं आवेदन पत्र के प्रारूप आदि प्राधिकरण वेबसाइट **mprrda.com/default.html** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/97866/44105/2020 **मुख्य महाप्रबंधक (प्रशासन)**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-01 भोपाल

फोन नं. 0755-4222322 ई-मेल : mpphc.bhopal@yahoo.com

मोबाइल : 9425601532

क्रमांक म.प्र.पु.आ.एवं.अ.वि.नि/391/पयं/भोपाल-1/तशा/2020

भोपाल,दिनांक : 08.07.2020

प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग क्रमांक-01 भोपाल द्वारा जिला पुलिस लाइन भोपाल में कोरोना संक्रमण के कारण सोशल डिस्टेंसिंग हेतु 01 बैरिक निर्माण मय टॉयलेट हेतु निविदा क्रमांक 07/2020-21 ऑनलाइन **TENDER ID NO:-2020_MPPHC_97314_1** आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 20.07.2020 समय 5.00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किये जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/97873/44109/2020 **परियोजना यंत्री**

संयुक्त संचालक (वित्त)

क्रमांक 1703/06/2020/लेखा **दिनांक 08.07.2020**

निविदा सूचना

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग कार्यालय के उपयोग हेतु लगभग 6.50 लाख तक की कीमत की नवीन मॉडल (वर्ष-2020) की दो डीजल कार मय ए.सी. एवं वाहन चालक के मासिक किराया दर पर अधिकतम एक वर्ष हेतु उपलब्ध कराने के अनुबंध किये जाने हेतु पंजीकृत संस्थाओं से अंतिम दिनांक 06.07.2020 तक निविदा आमंत्रित की गई थी। निविदा प्राप्त करने का दिनांक 06.07.2020 से बढ़ाकर दिनांक 14.07.2020 किया गया है। अतः अब निविदा **दिनांक 14.07.2020 (अपरान्ह 5.00 बजे तक)** आमंत्रित की जाती है।

2. निविदा/संविदा की शर्तें व आवेदन फॉर्म (प्रपत्र) आयोग कार्यालय से किसी भी कार्यालयीन दिवस में रुपये 500/- (अक्षरी रुपये पांच सौ मात्र) का बैंक ड्राफ्ट जमा कर भंडार शाखा से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्राप्त निविदाएं **15.07.2020** को दोपहर 12.00 बजे आयोग कार्यालय में खोली जायेंगी।

नोट- अनुसूचित जाति एवं जनजाति संवर्ग के निविदाकर्ता को प्राथमिकता दी जायेगी।

जी-12588/44117/2020 **संयुक्त संचालक (वित्त)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-737/2020-21/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 07.07.2020**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 28.07.2020 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2020_WRD_97099	**टर्न की पद्धति पर :** इंदौर जिले की सांवेर तहसील के ग्राम वुड़ी बरलई में क्षिप्रा नदी पर घाट का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इंदौर	117.67
2.	2020_WRD_97100	बरलई तालाव का विशेष मरम्मत कार्य।	इंदौर	32.68
3.	2020_WRD_97101	**टर्न की पद्धति पर :** खलखला वैराज का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इंदौर	244.91
4.	2020_WRD_97102	**टर्न की पद्धति पर :** रतनखेड़ी वैराज का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इंदौर	246.01
5.	2020_WRD_97103	**टर्न की पद्धति पर :** हरियाखेड़ी वैराज का निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इंदौर	233.37

जी-12578/44119/2020 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

संचालनालय, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास, 1 शिवाजी नगर, भोपाल

क्रमांक: एफ 17/सं.नि./2020/1458 भोपाल, दिनांक 4 जुलाई, 2020

चिकित्सा अधिकारियों की संविदा नियुक्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31.07.2020

मध्यप्रदेश शासन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अंतर्गत संचालित गैस राहत चिकित्सा इकाईयों में चिकित्सा अधिकारियों (एम.बी.बी.एस.) के रिक्त पदों पर संविदा आधार पर नियुक्ति की जाने हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

आवेदन पत्र कार्यालय संचालक, कमला नेहरू चिकित्सालय, भवन (पंचम तल) गैस राहत, हमीदिया अस्पताल परिसर, भोपाल से विज्ञप्ति प्रकाशन की दिनांक से 31.07.2020 दिन शुक्रवार तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए रु. 500/- (रु. पांच सौ मात्र) तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए रु. 250/- (रु. दो सौ पचास मात्र) का बैंक ड्राफ्ट जो कि **संचालक, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास, भोपाल** के नाम से देय हो जमा कर प्राप्त कर किये जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र मय प्रमाण पत्रों की स्वयं सत्यापित प्रतियों के साथ समक्ष में या पंजीकृत डाक द्वारा **दिनांक 31.07.2020 दिन शुक्रवार सायं 5.00 बजे तक** कार्यालय संचालक, कमला नेहरू चिकित्सालय भवन (पंचम तल) गैस राहत, हमीदिया अस्पताल परिसर, भोपाल 462001 में जमा किए जा सकते हैं। डाक के माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र भी निर्धारित दिनांक एवं निर्धारित समय तक प्राप्त होना अनिवार्य है। किसी भी डाक विलम्ब के लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तिथि व समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। यह विज्ञापन विभागीय वेबसाइट **www.bgtrrd.mp.gov.in** पर भी देखा जा सकता है।

(1) रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है (जिनमें कमी या वृद्धि हो सकती है) :-

पदनाम	संविदा वेतन	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता	वर्गवार रिक्त पदों की संख्या				
			सामान्य (अनारक्षित)	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल रिक्त पद
चिकित्सा अधिकारी	रु. 50,070/- प्रतिमाह	भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त एम.बी.बी.एस. की उपाधि एवं मध्यप्रदेश राज्य चिकित्सा परिषद् में पंजीयन।	03	04	20	11	38
		कुल रिक्त पद	**03**	**04**	**20**	**11**	**38**

(2) आयु :- संविदा नियुक्ति के लिए उस वर्ष की जनवरी के प्रथम दिन को जिसमें नियुक्ति की जाना है न्यूनतम और अधिकतम आयु-सीमा 21 वर्ष और 65 वर्ष होगी।

(3) सेवानिवृत्त शासकीय सेवक की नियुक्ति - सेवानिवृत्त चिकित्सक यदि आयु तथा अन्य अर्हता रखते हैं तो वे भी संविदा नियुक्ति के लिए हकदार होंगे।

(4) निरर्हता - कोई भी अभ्यर्थी संविदात्मक नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा, यदि उसकी दो से अधिक संतानें हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ था।

(5) संविदा नियुक्ति की कालावधि एवं पदस्थापना - संविदा चिकित्सा अधिकारी की संविदा की कालावधि नियुक्ति दिनांक से अधिकतम दो वर्ष होगी।

(6) चयन हेतु मेरिट तैयार करने के मापदंड - (1) स्नातक उपाधि (प्राप्त अंकों का भारांश अनुपात में) 65 अंक, (2) स्नातकोत्तर के लिए 10 अंक, डिप्लोमा के लिए 05 अंक (प्रत्येक प्रयत्न हेतु ऋणात्मक 2 अंक डिग्री एवं 01 अंक डिप्लोमा), (3) एन.सी.सी. का 'सी' प्रमाण पत्र अथवा एन.एस.एस. का प्रमाण पत्र 05 अंक, (4) पुरुष खिलाड़ी/महिला खिलाड़ी जिसने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया हो 05 अंक, (5) किसी चिकित्सा संस्था में चिकित्सक के रूप में अनुभव (अधिकतम 05 अंकों के अध्ययाधीन रहते हुए प्रत्येक वर्ष के लिए एक अंक) 05 अंक एवं (6) साक्षात्कार 10 अंक।

(7) पात्र अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की सूचना उनके द्वारा आवेदन पत्र में दिए गए पत्र व्यवहार के पते पर दी जाएगी तथा साक्षात्कार पश्चात् उपरोक्त मापदण्ड अनुसार प्राप्तांकों की अंतरिम मेरिट सूची का प्रकाशन विभागीय वेबसाइट **bgtrrd.mp.gov.in** पर किया जाकर निर्धारित समय सीमा में दावा/आपत्तियां प्राप्त की जाकर दावा/आपत्तियों के निराकरण पश्चात अंतिम मेरिट सूची, चयनित सूची, व प्रतीक्षा सूची उक्त विभागीय वेबसाइट पर जारी की जाएगी। जिसकी जानकारी के लिए अभ्यर्थी नियमित रूप से उक्त वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

नियुक्ति की अन्य शर्तें निम्नानुसार रहेंगी :-

1. चयनित अभ्यर्थी, नियुक्ति आदेश प्राप्त होने के तत्काल पश्चात नियुक्ति प्राधिकारी के साथ 50 रुपए के नॉन ज्यूडीशियल स्टाम्प करार निष्पादित करेगा। करार के निष्पादन पर होने वाले व्यय, चयनित अभ्यर्थी द्वारा वहन किए जाएंगे। चयनित अभ्यर्थी उसकी पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से संविदा सेवा में माना जाएगा।
2. चयनित अभ्यर्थी के लिए यह अनिवार्य होगा कि वह नियुक्ति आदेश जारी होने के भीतर संविदा नियुक्ति के स्थान पर 15 दिवस में अपना कार्यभार ग्रहण करें। उक्त काल अवधि में कार्यभार न ग्रहण करने की दशा में संविदा नियुक्ति स्वतः रद्द हो जाएगी।
3. संविदा चिकित्सा अधिकारी का चरित्र सत्यापन, शासकीय सेवकों को लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जाएगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा संविदा नियुक्ति बिना कोई कारण तुरंत रद्द कर दी जाएगी।
4. संविदा चिकित्सा अधिकारी द्वारा संविदा राशि प्राप्त करने के पूर्व संविदा अधिकारी स्वयं अपने खर्चे पर जिला चिकित्सा बोर्ड द्वारा किया जाने वाला चिकित्सीय परीक्षण करवाएगा। इस चिकित्सीय परीक्षण में उपयुक्त पाए जाने पर ही संविदा नियुक्ति वैध होगी। सेवानिवृत्त शासकीय सेवक को भी यदि वे संविदा अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाएं, ऐसा चिकित्सीय परीक्षण करवाना आवश्यक होगा।
5. संविदा चिकित्सा अधिकारी पद हेतु साक्षात्कार से पूर्व अभ्यर्थी के मूल दस्तावेजों का सत्यापन आवेदन में संलग्न दस्तावेजों के साथ किया जाएगा। सत्यापन के समय यदि कोई भी दस्तावेज पूर्ण/सही नहीं पाया जाता है तो उसका साक्षात्कार नहीं लिया जाएगा।
6. नियुक्ति पश्चात् किसी भी समय यदि कोई भी अभिलेख असत्य या छिपाए हुए पाए जाते हैं तो संबंधित की संविदा नियुक्ति तत्काल समाप्त की जाएगी व संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा सकेगी।
7. संविदा चिकित्सा अधिकारी शासकीय सेवा में नियमितिकरण के लिए हकदार नहीं होंगे और न ही भविष्य में इस नियुक्ति के आधार पर किसी प्रकार के नियमितिकरण का दावा कर सकेंगे।
8. संविदा नियुक्ति, किसी भी एक पक्ष द्वारा और किसी भी समय पर एक माह की सूचना या एक माह की संविदा राशि का भुगतान करके संविदा नियुक्ति समाप्त की जा सकती है।
9. संविदा चिकित्सा अधिकारी बिना किसी विशिष्ट कारण के बिना किसी सूचना के अपने कर्तव्य से एक माह से अधिक के लिए अनुपस्थित रहता है तो उसकी संविदा नियुक्ति ऐसी अनुपस्थिति की तारीख से स्वतः समाप्त हुई मानी जाएगी।
10. संविदा चिकित्सा अधिकारी एक कैलेन्डर वर्ष में अधिकतम 15 दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। वह एक समय में अधिकतम 3 दिनों के आकस्मिक अवकाश का उपभोग कर सकेगा/सकेगी। महिला संविदा कर्मचारी, जिसकी दो से कम जीवित संतान हो अधिकतम 180 दिनों की कालावधि के लिए प्रसूति अवकाश की हकदार होगी। उपरोक्त अवकाश स्वीकृत करने की शक्तियां संबंधित इकाई प्रमुख में निहित होंगी।
11. संविदा चिकित्सा अधिकारी उसकी संविदात्मक कालावधि के लिए किन्हीं पेंशन संबंधी प्रसुविधाओं का हकदार नहीं होगा। उसे ऐसी कालावधि के लिए कोई बोनस आदि भी देय नहीं होगा।
12. अन्य सेवा संबंधी शर्तें ऐसी होंगी, जैसी नियुक्ति आदेश में विर्निदिष्ट की जाएं।
13. इसके अतिरिक्त संचालनालय, गैस राहत एवं पुनर्वास द्वारा आवश्यक सेवा शर्तों का समावेश नियुक्ति के समय किया जा सकता है।
14. संविदा चिकित्सा अधिकारी को चिकित्सालय की आवश्यकता अनुसार एवं निर्धारित टाइम टेबिल अनुसार ड्यूटी चिकित्सालय में देनी होगी। ड्यूटी प्रातः 8 से 2 बजे तक दोपहर 2 से 8 बजे अथवा रात्रि 8 से अगले दिन प्रातः 8 बजे तक की होगी। अवकाश दिवस में ड्यूटी एवं रात्रिकालीन ड्यूटी का आफ संचालनालय, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के नियमानुसार दिया जावेगा।
15. संविदा चिकित्सा अधिकारी भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग द्वारा राजपत्र में प्रकाशित संविदा नियम-2003 में निहित व समय-समय पर शासन द्वारा संशोधित किए गए अन्य प्रावधानों के भी अधीन होगा।
16. यह नियुक्ति विशिष्ट चिकित्सा इकाई के लिए होगी व स्थानांतरण की पात्रता नहीं होगी।

संचालक

जी-12540/44102/2020 भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास, भोपाल

कार्यालय आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास, मध्यप्रदेश 35-राजीव गांधी भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल

ई-मेल : cscd.bhopal@mp.gov.in/jd.scdhobpl@mp.gov.in

म.प्र. शासन के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 15 अगस्त 2003 द्वारा म.प्र. शासन, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु योजना स्वीकृत की गई है। विदेश में उच्च शिक्षा हेतु अध्ययन के लिए शासनादेश क्र. 104/2013/25-5 दिनांक 11.2.2014 द्वारा योजनांतर्गत 50 अभ्यर्थियों के चयन एवं विभाग के आदेश क्रमांक 23-18/2014/25-5 दिनांक 17.12.2014 द्वारा निर्धारित विषयों की स्वीकृति दी गई है। तथा शासन आदेश क्रमांक एफ 23:01/2018/25-5 भोपाल दिनांक 04 मई 2018 द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को विदेश में स्थित संस्थान/यूनिवर्सिटी जिसकी Times/QS World Ranking 500 अथवा उससे कम हो में ही प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। अतः उक्त संशोधनों को समाहित करते हुए वर्ष 2020-21 में निम्न उपाधियों हेतु छात्रवृत्तियां देने के लिए "प्रथम आओ प्रथम पाओ" के आधार पर आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

(1) उपाधि एवं पात्रता की शर्तें :-

	उपाधि	पात्रता हेतु अर्हता
अ.	शोध उपाधि	आवेदक संबंधित स्नातकोत्तर परीक्षा प्रथम श्रेणी अथवा 60 प्रतिशत अंक के साथ या उसके समतुल्य ग्रेड में उत्तीर्ण तथा संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष का अध्यापन/शोध/व्यावसायिक अनुभव/एम.फिल. उपाधि प्राप्त हो।
ब.	स्नातकोत्तर	आवेदक स्नातक उपाधि प्रथम श्रेणी अथवा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ या उसके समतुल्य ग्रेड में उत्तीर्ण हो।

(2) छात्रवृत्ति केवल स्नातकोत्तर तथा उच्च स्तर की उपाधियों के लिये निम्न विषयों/पाठ्यक्रमों के लिये प्रदान की जावेगी :-
1. इंजीनियरिंग
2. प्योर साइंसेस एवं एप्लाईड साइंसेस
3. एग्रीकल्चर साइंसेस
4. मेडिकल
5. मैनेजमेंट
6. इंटरनेशनल कामर्स एवं एकाउंटिंग फायनांस
7. फारेस्ट्री एवं नेचुरल साइंसेस
8. विधि (लॉ)

चयनित अभ्यर्थियों को विदेश में स्थित संस्थान/यूनिवर्सिटी जिसकी Times/QS World Ranking 500 अथवा उससे कम हो में ही प्रवेश लेना अनिवार्य होगा।

(3) **आयु** :- आवेदक की आयु आवेदन दिये जाने वाले वर्ष की 1 जनवरी 2020 को 35 वर्ष से कम हो। विशेष प्रकरणों में समिति द्वारा आयु 10 वर्ष तक शिथिल की जा सकेगी।

(4) **आय सीमा** :- आवेदक की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय (माता-पिता तथा अभ्यर्थी स्वयं की पत्नी/पति सहित) राशि रुपये 6.00 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिये। अभ्यर्थियों के चयन में न्यूनतम आय वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जावेगी। इस संबंध में नियोक्ता का प्रमाण पत्र/तहसीलदार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र एवं अद्यतन आयकर निर्धारण की प्रतिलिपि आवेदन के साथ संलग्न करें।

(5) उन्हीं माता-पिता अथवा अभिभावक के एक से अधिक बच्चों की छात्रवृत्ति की पात्रता नहीं होगी। एक अभ्यर्थी को छात्रवृत्ति की पात्रता एक ही बार होगी।

(6) आवेदन पत्र के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र एवं मूल निवासी का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

(7) **छात्रवृत्ति की अवधि :-**

1.	पी.एच.डी.	2 वर्ष
2.	स्नातकोत्तर उपाधि	2 वर्ष

(8) इसके अतिरिक्त शासकीय गजट में प्रसारित विदेश में उच्च शिक्षा हेतु नियम दिनांक 15.8.03 एवं समय-समय पर किये गये संशोधन की सभी शर्तें अभ्यर्थी को पूर्ण करनी होंगी।

(9) शासकीय अथवा शासन के उपक्रमों में सेवारत अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे परंतु उन्हें आवेदन करने के उपरांत एक माह के अंदर नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

(10) जिन विषयों पर जिस विदेशी संस्थान में अध्ययन/शोध करना है उसके संबंध में आवेदन पत्र में एवं पात्र पाये जाने पर साक्षात्कार के समय स्पष्ट जानकारी उपलब्ध करावें।

(11) जिन अभ्यर्थियों का चयन योजनान्तर्गत हो चुका है वे आवेदन न करें।

(12) विद्यार्थी विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना का आवेदन वेबसाइट **https://www.tribal.mp.gov.in/MPTAAS** पर किया जा सकता है।

आयुक्त

जी-12547/44104/2020 अनुसूचित जाति विकास, मध्यप्रदेश

Madhya Pradesh Public Service Commission

Residency Area, Indore (M.P.) 452001

Vigyapti No. 1730/29/P-10/2019 Indore, Dated - 9 July, 2020

E-TENDER NOTICE

RFP for Answer Book Scanning & On-Screen Marking System

Madhya Pradesh public Service Commission Invites Request for Proposals from qualified and experienced companies for "Answer Book Scanning & On-Sereen Marking System."

Important Dates -

Bid Calling Date	-	09.07.2020
Pre Bid Meeting Date	-	20.07.2020
Bid Due Date	-	04.08.2020

All hereby informed that to get the more details, they should log on to **www.mppsc.nic.in & www.mptenders.gov.**

G-12589/44116/2020 CONTROLLER OF EXAMINATIONS (I/C)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड शहडोल, पांडवनगर शहडोल (म.प्र.)

Website : www.mpphe.gov.in, E-mail : eephedshd@mp.nic.in, Phone : 07652-240307, Fax : 07652-240307

निविदा विज्ञप्ति सूचना

निम्नलिखित कार्यों की निविदा ई-टेंडरिंग पद्धति से **Website https://mptenders.gov.in** निविदा प्रारूप एपेन्डिक्स 2.1 पर आमंत्रित की जाती है। जिसमें ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय की **अंतिम तिथि 14.07.2020 सायं 5.30 बजे** तक नियत है। निविदाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा क्र:	ऑनलाइन निविदा पद्धति क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु रहित)	निविदा आमंत्रण संख्या
19.	2020_PHED_96131_1	ग्राम चरखारी विकासखण्ड ब्यौहारी में योजना के शेष बचे कार्य आर.सी.सी. टंकी निर्माण, पाइप प्रदाय एवं लाइन बिछाने, विद्युत लाइन निर्माण, नल कनेक्शन आदि कार्य एवं योजना का 2 वर्षों तक सफल संचालन एवं संधारण कार्य।	89.08	89080/-	10000/-	03 माह	प्रथम
20.	2020_PHED_96132_1	ग्राम बोचरो विकासखण्ड ब्यौहारी में योजना के शेष बचे कार्य आर.सी.सी. टंकी निर्माण, पाइप प्रदाय एवं लाइन बिछाने, विद्युत लाइन निर्माण, नल कनेक्शन आदि कार्य एवं योजना का 2 वर्षों तक सफल संचालन एवं संधारण कार्य।	36.24	72480/-	5000/-	02 माह	प्रथम
21.	2020_PHED_96133_1	ग्राम लोढ़ी विकासखण्ड गोहपारू में योजना के शेष बचे कार्य आर.सी.सी. टंकी निर्माण, पाइप प्रदाय एवं लाइन बिछाने, विद्युत लाइन निर्माण, नल कनेक्शन आदि कार्य एवं योजना का 2 वर्षों तक सफल संचालन एवं संधारण कार्य।	23.56	47120/-	2000/-	02 माह	प्रथम
22.	2020_PHED_96134_1	निर्माणाधीन उपखण्डीय प्रयोगशाला ब्यौहारी के शेष बचे कार्यों का निर्माण कार्य।	2.72	5440/-	2000/-	02 माह	तृतीय
23.	2020_PHED_96135_1	सहायक यंत्री उपखण्ड कार्यालय शहडोल में निरीक्षण वाहन मासिक दर पर लगाने हेतु।	4.56	9120/-	2000/-	24 माह	तृतीय
24.	2020_PHED_96136_1	सहायक यंत्री उपखण्ड कार्यालय बुढार में निरीक्षण वाहन मासिक दर पर लगाने हेतु।	4.56	9120/-	2000/-	24 माह	तृतीय
25.	2020_PHED_96138_1	सहायक यंत्री उपखण्ड कार्यालय ब्यौहारी में निरीक्षण वाहन मासिक दर पर लगाने हेतु।	4.56	9120/-	2000/-	24 माह	तृतीय

1. यह संक्षिप्त निविदा है विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी **website http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।
2. सभी शर्तें विस्तृत निविदा की लागू होंगी।

कार्यपालन यंत्री
जी-12480/44099/2020 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, शहडोल (म.प्र.)

मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग, संभाग आगर-मालवा
संक्षेप निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

क्रमांक 06/2020-21/नि. लिपिक **दिनांक : 30.06.2020**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

क्र.	ऑनलाइन टेंडर क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य की निर्धारित अवधि	भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का दिनांक, समय एवं पता
1.	2020_PWDRB_96215_1	लोक निर्माण विभाग, संभाग आगर-मालवा के अंतर्गत बड़ागांव से भिडोन मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 5.00 कि.मी.	343.37	3,43,370/-	08 माह वर्षाकाल रहित	कार्यालय, मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दशहरा मैदान, उज्जैन दिनांक 17.07.2020, शाम 5.30 बजे तक।

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से **दिनांक 15.07.2020 समय 17.30 तक** क्रय किया जाएगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। यदि निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन किया जाता है, तो वह प्रकाशित नहीं किया जावेगा। संशोधन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 17.07.2020 समय 5.30 बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित कार्यालय में प्राप्त की जावेगी एवं कोरोना महामारी के संबंध में मा. कलेक्टर जिला आगर-मालवा का अनुमति-पत्र क्रमांक/रीडर/2020/351 आगर-मालवा दिनांक 24.04.2020 में दिये गये निर्देशों का पालन करना आवश्यक होगा। उक्त पत्र की विस्तृत जानकारी ऑनलाइन निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
जी-12475/44097/2020 लो.नि.वि. संभाग आगर-मालवा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

पता :- खिलचीपुर रोड पुराने पेट्रोल पम्प के पास राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
दूरभाष क्रमांक 07372-255070, ईमेल आई.डी. eephedraj@nic.in
निविदा सूचना क्रमांक 13, 14, 15, 16, 17 व 18/2020-21/एस.ए.सी./का.यं./लो.स्वा.यां.वि./राजगढ़, दिनांक 06.07.2020

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र क्रय व विड प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 25.07.2020 सायं 5.30 तक** निर्धारित है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. राजगढ़ जिले के विकासखण्ड राजगढ़ के समस्त हैण्डपंपों का संधारण कार्य मय मजदूर, वाहन सहित कार्य।

ऑनलाइन निविदा सिस्टम क्रमांक	विभागीय निविदा क्रमांक	अनुमानित लागत (PAC) रु. लाख में	अमानत राशि (EMD) रुपये में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये में	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
2020_PHED_97025	13/20-21	16.97	33940/-	2000/-	केन्द्रीकृत प्रणाली में सी श्रेणी व उच्च श्रेणी में पंजीकृत	1 वर्ष (365 दिवस)
2. राजगढ़ जिले के विकासखण्ड ब्यावरा के समस्त हैण्डपंपों का संधारण कार्य मय मजदूर, वाहन सहित कार्य।						
2020_PHED_97066	14/20-21	12.52	25040/-	2000/-	केन्द्रीकृत प्रणाली में सी श्रेणी व उच्च श्रेणी में पंजीकृत	1 वर्ष (365 दिवस)
3. राजगढ़ जिले के विकासखण्ड खिलचीपुर के समस्त हैण्डपंपों का संधारण कार्य मय मजदूर, वाहन सहित कार्य।						
2020_PHED_97074	15/20-21	17.53	35060/-	2000/-	केन्द्रीकृत प्रणाली में सी श्रेणी व उच्च श्रेणी में पंजीकृत	1 वर्ष (365 दिवस)
4. राजगढ़ जिले के विकासखण्ड जीरापुर के समस्त हैण्डपंपों का संधारण कार्य मय मजदूर, वाहन सहित कार्य।						
2020_PHED_97096	16/20-21	14.40	28800/-	2000/-	केन्द्रीकृत प्रणाली में सी श्रेणी व उच्च श्रेणी में पंजीकृत	1 वर्ष (365 दिवस)
5. राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के समस्त हैण्डपंपों का संधारण कार्य मय मजदूर वाहन सहित कार्य।						
2020_PHED_97104	17/20-21	16.35	32700/-	2000/-	केन्द्रीकृत प्रणाली में सी श्रेणी व उच्च श्रेणी में पंजीकृत	1 वर्ष (365 दिवस)
6. राजगढ़ जिले के विकासखण्ड सारंगपुर के समस्त हैण्डपंपों का संधारण कार्य मय मजदूर, वाहन सहित कार्य।						
2020_PHED_97109	18/20-21	11.45	22900/-	2000/-	केन्द्रीकृत प्रणाली में सी श्रेणी व उच्च श्रेणी में पंजीकृत	1 वर्ष (365 दिवस)

कार्यपालन यंत्री
जी-12585/44118/2020 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
निर्माण भवन, प्लाट नं. 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं. 08/2020/निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/ भोपाल, दिनांक : 30.06.2020

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2020_PWPIU_95627_1	वार्यां जिला सीहोर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (01 जी एवं 01 एच टाईप) क्वार्टर का निर्माण कार्य।	सीहोर	113/-	112830/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
2.	2020_PWPIU_93229_1	शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन कन्या शमशावाद ब्लॉक नटेरन जिला विदिशा में भवन का निर्माण कार्य।	विदिशा	62.02	62020/-	10000/-	06 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 30.06.2020 समय 10.30 से दिनांक 15.07.2020 समय 17.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक (मुख्य अभियंता)
जी-12478/44098/2020 लो.नि.वि., पी.आई.यू., भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग रीवा

क्रमांक/ /कार्य/निविदा1/2020-21 रीवा, दिनांक : .....
निविदा क्र. D-14/2020-21 रीवा, दिनांक : .....

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। आमंत्रित निविदा का संक्षिप्त विवरण :-

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनु. राशि	अमानती राशि	भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने का कार्यालय
1.	2020_PWDRB_96784_1	उपखंड उमरिया, जिला-उमरिया के मानपुर सेक्सन के अंतर्गत आवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विद्युतीकरण के ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू./डिपॉजिट के कार्यों का जोनल निविदा।	प्रथम आमंत्रण	31 मार्च 2021 तक	800000/-	16000/-	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (वि./यां) रीवा संभाग रीवा, दिनांक 17.07.2020 तक समय 5:00 बजे तक।
2.	2020_PWDRB_96784_5	उपखंड उमरिया, जिला-उमरिया के मुख्यालय सेक्सन के सर्किट हाउस, रेस्ट हाउस के अंतर्गत गैर-आवासीय भवनों में विद्युतीकरण के ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू./डिपॉजिट के कार्यों का जोनल निविदा।	प्रथम आमंत्रण	31 मार्च 2021 तक	800000/-	16000/-	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (वि./यां) रीवा संभाग रीवा, दिनांक 17.07.2020 तक समय 5:00 बजे तक।
3.	2020_PWDRB_96784_3	उपखंड उमरिया, जिला-उमरिया के पाली सेक्सन के अंतर्गत आवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विद्युतीकरण के ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू./डिपॉजिट के कार्यों का जोनल निविदा।	प्रथम आमंत्रण	31 मार्च 2021 तक	800000/-	16000/-	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (वि./यां) रीवा संभाग रीवा, दिनांक 17.07.2020 तक समय 5:00 बजे तक।
4.	2020_PWDRB_96784_4	उपखंड उमरिया, जिला-उमरिया के मुख्यालय सेक्सन के अंतर्गत आवासीय भवनों में विद्युतीकरण के ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू./डिपॉजिट के कार्यों का जोनल निविदा।	प्रथम आमंत्रण	31 मार्च 2021 तक	800000/-	16000/-	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (वि./यां) रीवा संभाग रीवा, दिनांक 17.07.2020 तक समय 5:00 बजे तक।

निविदा फार्म Online भुगतान कर **16.07.2020 को शाम 5:30 तक** क्रय किये जा सकते हैं। भौतिक दस्तावेज जमा करने की **अंतिम तिथि 17.07.2020 को शाम 5:30 बजे तक** होगी। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेवसाइट पर देखी जा सकती है। जिसे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार का संशोधन समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। केवल वेवसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

निविदा दिनांक - 20.07.2020 को दोपहर 3 बजे निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

नोट :- प्रत्येक टेण्डर अलग-अलग लिफाफे में अलग-अलग स्पीड पोस्ट से प्रेषित करें अन्यथा मान्य नहीं होगा।

कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (वि./यां.)
संभाग रीवा (म.प्र.)

जी-12519/44101/2020

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नया वि./यां संभाग, राजधानी परियोजना प्रशासन, भोपाल
ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, फोन - 0755-2463613

निविदा क्र. 21/ब.ले.लि./2020-21 भोपाल दिनांक 25.06.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश निर्माता एवं अधिकृत विक्रेताओं से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबंद निविदाएं प्रपत्र "अ" (एस.ओ.आर. प्रतिशत आधारित) में आमंत्रित की जाती हैं। प्रपत्र में दर्शाये गये कार्यालय में निविदाएं पंजीकृत डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से प्राप्त की जावेगी। विभाग पोस्टल विलंब के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

क्र.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र की राशि (रु.)	(1) ठेके की राशि अनु. (रु.) (2) अमानत राशि (रु.)	कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं दिनांक	(1) निविदा प्राप्ति का दिनांक (2) संभागीय कार्यालय (3) अतिरिक्त कार्यालय का नाम एवं दिनांक जहां निविदायें प्राप्त की जा सकती हैं।	(1) निविदा खोलने का दिनांक (2) कार्यालय	(1) कार्य पूर्ण करने की अवधि (2) ठेकेदार की श्रेणी आमंत्रण क्रमांक
1.	राज्य योजना आयोग, एन.के.एन., एन.आई.सी., विंध्याचल भवन, मुख्य निर्वाचन आयोग एवं मंत्रालय भवन में कॉपर केविल, स्टेण्ड, कम्प्रेशर एवं पी.सी.वी. वदलने का कार्य किया जाना अति आवश्यक है। निविदा क्र. 21/2020-21	2000/-	(1) 868150/- (2) 17363/-	13.07.2020 को सायं 5.00 बजे तक	**(1) 14.07.2020 को सायं 3.00 बजे तक** (2) कार्यालय कार्यपालन यंत्री, वि./यां संभाग राज. परि. प्रशासन भोपाल	(1) 14.07.2020 को सायं 5.00 बजे, कार्या. का.पा. यंत्री वि./यां. संभाग राज. परि. प्रशासन भोपाल	(1) 03 माह (2) केन्द्रीयकृत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत निविदाकार "व" श्रेणी विद्युत लाइसेंस धारक। (3) प्रथम आमंत्रण।

(1) कोरे निविदा प्रपत्र निर्धारित राशि का भुगतान कर कार्यपालन यंत्री, राजधानी परियोजना प्रशासन नया वि./यां. भोपाल से कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकेंगे। उक्त राशि वापसी योग्य नहीं है।
(2) निविदा की वैधता खोले जाने की दिनांक से 120 दिन तक की होगी।
(3) यदि निविदा प्राप्त होने/खोलने का दिवस शासकीय अवकाश होता है तो अगले कार्य दिवस में कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।
(4) निविदा प्रपत्र क्रय करने के लिये निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है, यदि निर्धारित दस्तावेज ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो निविदा प्रपत्र उन्हें नहीं दिया जावेगा।
(i) उचित श्रेणी में पंजीकृत प्रमाण-पत्र की प्रति। फर्म होने की दशा में साझेदारी की डीड एवं पॉवर ऑफ एटार्नी की प्रति।
(ii) वर्तमान आयकर चुकता प्रमाण-पत्र। वाणिज्यिक अधिनियम की कंडिका 36 के अनुसार पंजीयन एवं चुकता प्रमाण-पत्र।
(iii) नो रिलेशनशिप प्रमाण-पत्र।
(iv) वैध रेवेन्यू सालवेन्सी।

कार्यपालन यंत्री, नया वि/यां संभाग, राजधानी परियोजना प्रशासन,
ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल मोवा. क्र. - 9425146687

जी-12541/44103/2020

Office of The Executive Engineer, PWD Division, Ashoknagar (M.P.)

TENDER NOTICE

NIT No-03/2020-21/EE **Ashoknagar, Date 30.06.2020**

Online Tender for mentioned below are being invited. The Tender have been uploaded on the e-Procurement system of Public Works Department on the Portal **www.mptenders.gov.in** Tender details are as below :-

S. No.	Tender No.	Nature of Work	Name of Work	Call No.	Cost of Project (PAC) (In lack)	भौतिक रूप से दस्तावेज प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1.	2020_PWDRB_96260_1	Plan Work	Construction of (1) Karila Road To Pipalkheda Via Jamuniya Road Length-6.00 km (2) Barkheda Dang To Tinsi Road Length-1.40 km, (3) Barra To Mudra Keshopur Road Length-3.50 km, (4) Varvah to Hinnoda Road Length 2.50 km under PWD Sub Division Mungaoli.	1st Call	829.84	CE:PWD (North Zone) Thatipur, Gwalior
2.	2020_PWDRB_96261_1	Plan Work	Construction of (1) Dongra Semra To Donga Gond Chakk Road Length-1.00 km (2) Garroli to Garroli Chakk Sikh Colony Road Length-1.50 km, (3) Gora To Masidpur Road Length 2.50 km, (4) Lidhora To Gata Road Length - 3.00 km, (5) Madna Khiriya To Auranga Berkhedi Road Length-3.30 km, (6) Parvai to Kushwah Chakk via Hinnoda Road Length-3.00 km, (7) Rajpur Bhadon (Khajuriya to Khajuriya Khurd Road) to Shyamatora Road Length- 1.20 km, (8) Visidha Road To Sawan Road Length-1.40 km, under PWD Sub Division Ashoknagar	1st Call	935.37	CE:PWD (North Zone) Thatipur, Gwalior

The document can only be purchased online from the above website after making online payment. The last date & time for purchase of Document and online submission of bid is Dated 22.07.2020 up to (17.30) Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. Amendments to NIT if any. would be published on website only, and not in newspaper.
The Original FDR & Other documents will be received on Dated 24.07.2020 up to (17.30) in the Office mentioned above necessarily.

Executive Engineer
PWD Division Ashoknagar (MP)

G-12571/44120/2020

जीवन में ऐसी चीजों का चुनाव करें जो खुश रखें और लक्ष्य के नजदीक ले जाने में मददगार साबित हों – विल स्मिथ

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

भूगोल और अर्थव्यवस्था

1. दादर व नागर हवेली में किस केंद्र शासित प्रदेश का विलय कर दिया गया है?
(A) दमन व द्वीप
(B) लक्षद्वीप
(C) अंडमान व निकोबार
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) दमन व द्वीप

2. जनगणना 2011 के अनुसार न्यूनतम महिला साक्षरता किस राज्य की है?
(A) बिहार
(B) उत्तरप्रदेश
(C) राजस्थान
(D) जम्मू कश्मीर
उत्तर (A) बिहार

3. सव्यमंगलम बाघ रिज़र्व किस राज्य में स्थित है?
(A) आंध्रप्रदेश
(B) कर्नाटक
(C) केरल
(D) तमिलनाडु
उत्तर (D) तमिलनाडु

4. वर्तमान में देश में कितने केंद्र शासित प्रदेश हैं?
(A) 8 (B) 9
(C) 7 (D) 6
उत्तर (A) 8

5. भारत में वायु परिवहन की शुरुआत कब हुई?
(A) 1912 (B) 1911
(C) 1913 (D) 1914
उत्तर (B) 1911

6. दाबोलिम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहां है?
(A) गोवा (B) बेंगलुरु
(C) जयपुर (D) वाराणसी
उत्तर (A) गोवा

7. कैस्पियन सागर किन देशों की सीमा को छूता है?
(A) रूस
(B) कजाकिस्तान
(C) अज़रबैजान
(D) इनमें से सभी
उत्तर (D) इनमें से सभी

8. भारचुक्की जलप्रपात भारत के निम्नलिखित में से किस राज्य में है?
(A) कर्नाटक (B) आंध्रप्रदेश
(C) तेलंगाना (D) तमिलनाडु
उत्तर (A) कर्नाटक
व्याख्या - भारचुक्की जलप्रपात बैंगलुरु से लगभग 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

9. अरावली व विंध्य श्रृंखलाओं के मध्य निम्नलिखित में से क्या स्थित है?
(A) छोटा नागपुर का पठार
(B) मालवा का पठार
(C) दक्कन का पठार
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर (B) मालवा का पठार

10. जोजिला दर्रा कहाँ स्थित है?
(A) सिक्किम
(B) उत्तराखंड
(C) जम्मू व कश्मीर
(D) अरुणाचल प्रदेश
उत्तर (C) जम्मू व कश्मीर

11. आवश्यक वस्तु अधिनियम कब लागू किया गया?
(A) 1955 (B) 1956
(C) 1855 (D) 1954
उत्तर (A) 1955

12. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल जेनेटिक्स कहां स्थित है?
(A) पटियाला (B) करनाल
(C) लखनऊ (D) जोधपुर
उत्तर (B) करनाल

13. वॉम्बे प्लान किस वर्ष लाया गया था?
(A) 1945 (B) 1934
(C) 1944 (D) 1940
उत्तर (C) 1944

14. कावेरी गिल अध्ययन भारत सरकार के किस कार्यक्रम से संबंधित है?
(A) राष्ट्रीय सौर मिशन
(B) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
(C) भारत निर्माण
(D) राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन
उत्तर (B) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

15. 2017 का अर्थशास्त्र का नोबल पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?
(A) रिचर्ड एच. थेलर
(B) रघुराम राजन
(C) ओसल मिचेल
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) रिचर्ड एच. थेलर

16. झरिया व रानीगंज कोयला क्षेत्र निम्नलिखित में से किन राज्यों में स्थित हैं?
(A) उड़ीसा व पश्चिम बंगाल
(B) झारखंड व पश्चिम बंगाल
(C) उड़ीसा व छत्तीसगढ़
(D) उड़ीसा व झारखंड
उत्तर (B) झारखंड व पश्चिम बंगाल

17. निम्नलिखित में से कौन से राज्य क्षेत्रफल व जनसंख्या के अनुसार सबसे छोटे हैं?
(A) गोवा व सिक्किम
(B) गोवा व मिजोरम
(C) गोवा व अरुणाचल प्रदेश
(D) सिक्किम व मिजोरम
उत्तर (A) गोवा व सिक्किम

18. काशी लालिमा किसकी प्रजाति है?
(A) भिंडी
(B) आलू
(C) चावल
(D) गेहूं
उत्तर (A) भिंडी

19. उरी बांध जो कि जम्मू व कश्मीर में है किस नदी पर बनाया गया है?
(A) ब्यास नदी
(B) झेलम नदी
(C) रावी नदी
(D) चेनाब नदी
उत्तर (B) झेलम नदी

20. अमीनी द्वीप निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध है?
(A) कोरल एटोल/रीफ्स
(B) एस्टीरीज
(C) एबिसन फैंस
(D) सीमनोट्स
उत्तर (A) कोरल एटोल/रीफ्स
व्याख्या - यह लक्षद्वीप का सबसे उत्तरी द्वीप है।

21. काशंग जलविद्युत परियोजना किस राज्य में स्थित है?
(A) मणिपुर
(B) हिमाचल प्रदेश
(C) नागालेण्ड
(D) मिजोरम
उत्तर (B) हिमाचल प्रदेश

22. वैश्विक मानव पूंजी सूचकांक किसके द्वारा जारी किया जाता है?
(A) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(B) विश्व आर्थिक मंच
(C) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
(D) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर (B) विश्व आर्थिक मंच

23. निम्नलिखित में से किसे भारत के भौगोलिक केंद्र पर स्थित होने के कारण "शून्य मील केंद्र" भी कहा जाता है?
(A) भोपाल (B) जबलपुर
(C) नागपुर (D) भंडारा
उत्तर (C) नागपुर

24. निम्नलिखित में से कौन सा राज्य पश्चिमी तट के अंतर्गत नहीं आता?
(A) गुजरात
(B) तमिलनाडु
(C) आंध्रप्रदेश
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (C) आंध्रप्रदेश

25. पेडोजेनेसिस प्रक्रिया से क्या बनता है?
(A) महासागर (B) गैसें
(C) मिट्टी (D) पर्वत
उत्तर (C) मिट्टी

26. निम्नलिखित में से पृथ्वी के आंतरिक अध्ययन का प्रत्यक्ष स्त्रोत कौन सा है?
(A) गुरुत्वाकर्षण
(B) चुंबकीय क्षेत्र
(C) उल्का
(D) ज्वालामुखी विस्फोट
उत्तर (D) ज्वालामुखी विस्फोट

27. निम्नलिखित में से पृथ्वी की त्रिज्या कितनी है?
(A) 6378 किमी
(B) 6371 किमी
(C) 5370 किमी
(D) 5371 किमी
उत्तर (A) 6378 किमी

28. पेंसिल पोर्टल का उद्देश्य निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(A) बच्चों की साक्षरता दर में वृद्धि
(B) प्रौढ़ शिक्षा
(C) बाल मजदूरी कम करना
(D) अनाथालय रख-रखाव
उत्तर (C) बाल मजदूरी कम करना

29. एशियाई विकास बैंक की स्थापना कब हुई?
(A) 1967 (B) 1975
(C) 1966 (D) 1968
उत्तर (C) 1966

30. टी.के. विश्वनाथन समिति निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(A) दोहरी किसान आय
(B) बैंकिंग विनियमन
(C) A तथा B दोनों
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (D) इनमें से कोई नहीं

31. मरूभूमि विकास कार्यक्रम कब प्रारंभ किया गया?
(A) 1977-78
(B) 1978-79
(C) 1966-67
(D) 1967-68
उत्तर (A) 1977-78

32. लकड़ावाला समिति किससे संबंधित है?
(A) निर्धनता की माप
(B) बेरोज़गारी की माप
(C) राष्ट्रीय आय
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) निर्धनता की माप

33. एच.डी.एफ.सी. बैंक का मुख्यालय कहां स्थित है?
(A) हैदराबाद
(B) नई दिल्ली
(C) अहमदाबाद
(D) मुम्बई
उत्तर (D) मुम्बई

34. निम्नलिखित में से कौन सा उपाय मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने का नहीं है?
(A) संतुलित बजट बनाना
(B) उत्पादन में वृद्धि
(C) प्रगतिशील करारोपण
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (D) इनमें से कोई नहीं

35. निम्नलिखित में से कौन सी झील केन्या, तंजानिया व युगांडा की सीमा निर्धारित करती है?
(A) लेक टुकर्टना
(B) लेक टंगानिका
(C) विक्टोरिया
(D) रेन्डियर झील
उत्तर (C) विक्टोरिया

36. अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी कौन सी है?
(A) माउंट किलिमंजारो
(B) माउंट केन्या
(C) माउंट एलगन
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) माउंट किलिमंजारो

37. 'नेबुलर परिकल्पना' निम्नलिखित में से किसकी उत्पत्ति से संबंधित है?
(A) सूर्य
(B) सौर प्रणाली
(C) पृथ्वी
(D) ब्रह्मांड
उत्तर (A) सूर्य

38. टाइटन निम्नलिखित में से किस ग्रह का उपग्रह है?
(A) यूरेनस (B) शनि
(C) बृहस्पति (D) पृथ्वी
उत्तर (B) शनि

39. जीवाश्म ईंधन किस प्रकार की चट्टानों में पाया जाता है?
(A) आग्नेय
(B) कायांतरित
(C) अवसादी
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (C) अवसादी

40. समताप मंडल व क्षोभ मंडल को अलग करने वाली परत/सीमा को क्या कहा जाता है?
(A) ट्रोपोपॉज
(B) लोनोस्फीयर
(C) मेसोपॉज
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) ट्रोपोपॉज

41. निम्नलिखित में से किस हवा के कारण मध्य यूरोप में गर्म जलवायु होती है?
(A) फॉन
(B) चिनूकि
(C) जोंडा
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) फॉन

42. भारत का दक्षिणतम विंदु कहां स्थित है?
(A) लिटिल अंडमान
(B) ग्रेट निकोबार
(C) मध्य अंडमान
(D) दक्षिणी अंडमान
उत्तर (B) ग्रेट निकोबार

43. बांग्लादेश की सीमा निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य को स्पर्श नहीं करती है?
(A) मणिपुर
(B) मेघालय
(C) मिजोरम
(D) त्रिपुरा
उत्तर (A) मणिपुर

44. दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ते हुये उच्चावच आकृतियों का सही क्रम क्या है?
(A) जास्कर, धौलाधर, लद्दाख, काराकोरम
(B) धौलाधर, जास्कर, लद्दाख, काराकोरम
(C) लद्दाख, धौलाधार, जास्कर, काराकोरम
(D) काराकोरम, लद्दाख, जास्कर, धौलाधर
उत्तर (B) धौलाधर, जास्कर, लद्दाख, काराकोरम

45. ग्रेट हिमालय की ऊंचाई कितनी है?
(A) 8850 मी.
(B) 8851 मी.
(C) 8848 मी.
(D) 8849 मी.
उत्तर (C) 8848 मी.

46. केरल का कुट्टानाउ (या कुट्टानाडु) किसके लिए प्रसिद्ध है?
(A) धान (B) गेहूं
(C) ज्वार (D) चना
उत्तर (A) धान

47. नीलगिरी पर्वतमाला निम्नलिखित में से किन राज्यों में स्थित है?
(A) केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु
(B) कर्नाटक, तमिलनाडु व आंध्रप्रदेश
(C) केरल, कर्नाटक व आंध्रप्रदेश
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु

48. निम्नलिखित में से असत्य को पहचानिये?
(A) मर्खा घाटी - जम्मू व कश्मीर
(B) जुरू घाटी - नागालैंड
(C) सांगला घाटी - उत्तराखंड
(D) यूथांग घाटी - सिक्किम
उत्तर (C) सांगला घाटी - उत्तराखंड

49. महादेव पहाड़ियां निम्नलिखित में से किसका भाग हैं?
(A) विंध्याचल पर्वतमाला का
(B) अरावली पर्वत श्रेणी का
(C) सतपुड़ा पर्वत श्रेणी का
(D) पूर्वी घाट का
उत्तर (C) सतपुड़ा पर्वत श्रेणी का

- पूर्वी जैन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी विषयों पर लेखन करती हैं।)

कोरोना रोकथाम के लिये 27.51 करोड़ रुपये की आयुर्वेदिक दवा प्रदाय

भोपाल, प्रदेशवासियों को कोरोना से बचाने के लिये राज्य लघु वनोपज संघ ने आयुष विभाग को 27 करोड़ 51 लाख 57 हजार रुपये मूल्य की आयुर्वेदिक औषधियों का प्रदाय किया है। आयुष विभाग द्वारा दिये गये कार्य आदेश पर लघु वनोपज संघ ने युद्ध स्तर पर औषधियों का उत्पादन किया, उसी गति के साथ आयुष विभाग ने जनसामान्य में कोरोना रक्षक औषधियों का निःशुल्क वितरण भी किया।

कोरोना प्रतिरोधात्मक औषधियों में त्रिकटू चूर्ण, अणु तेल, आरोग्य कसायम और संशमणि वटी शामिल है। इन औषधियों से खांसी, बुखार, गला-नाक के संक्रमण ठीक होने के साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। भोपाल के बरखेड़ा पठानी स्थित लघु वनोपज प्रसंस्करण केंद्र द्वारा प्रारंभिक लॉकडाउन अवधि में उच्च गुणवत्तायुक्त कच्चे माल की आपूर्ति को निरंतर जारी रखने के साथ समय-सीमा में उच्च गुणवत्तायुक्त आयुर्वेदिक औषधियों का उत्पादन कर कोरोना संकट काल में अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

राज्य लघु वनोपज प्रसंस्करण अनुसंधान केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य असंगठित वनांचलों के लघु वनोपज संग्रहणकर्ताओं को लघु वनोपज का बाजार उपलब्ध करवाना और उत्कृष्ट गुणवत्तायुक्त आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण रहा है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

तर्कशक्ति

प्र. (1-5) निम्नलिखित पहेली को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
आठ व्यक्ति **P, Q, T, S, Y, U, V** और **W** एक वृत्ताकार मेज के चारों ओर बैठे हैं। उनमें से कुछ केंद्र की ओर तथा कुछ केंद्र के बाहर की ओर मुख किए हुए हैं।
R, U के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है। **R** और **S** के बीच एक व्यक्ति बैठा है। **T, V** के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है। **T, S** और **U** का निकटतम पड़ोसी नहीं है। **V, P** के बाएं से दूसरे स्थान पर है, जो **Q** के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है। जो **Q** के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है। **Q** और **P, S** के निकटतम पड़ोसी नहीं हैं। **W** और **S** एक-दूसरे के ठीक दाएं बैठे हैं। **R, P** की समान दिशा की ओर मुख किया है। **T** केन्द्र की ओर मुख किया है।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (1) निम्न में से कौन **V** के दाएं दूसरे स्थान पर बैठा है?
(a) P
(b) W
(c) T
(d) S

प्र. (2) कौन **T** के विपरीत स्थान पर बैठा है?
(a) P
(b) U
(c) W
(d) R

प्र. (3) **Q** के ठीक दाएं कौन बैठा है?
(a) U
(b) T
(c) P
(d) W

प्र. (4) भिन्न पद ज्ञात कीजिए?
(a) Q
(b) U
(c) P
(d) T

प्र. (5) **P** के दाईं ओर से गिने जाने पर, **P** और **S** के मध्य कितने व्यक्ति बैठे हैं?
(a) 2
(b) 3
(c) 1
(d) 4

उत्तर - **(1-5)**
(1) → (b) W
(2) → (d) R
(3) → (a) U
(4) → (c) P
(5) → (d) 4

व्याख्या - **(1-5)** प्रश्नानुसार,

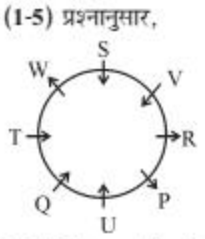

प्र. (6-10) नौ डिब्बे एक स्टैक में एक के ऊपर एक करके रखे गए हैं। **P** और **F** के मध्य दो डिब्बे रखे हैं। डिब्बा **H, F** के ठीक ऊपर है। **H** और **P** के बीच जितने डिब्बे रखे हैं उतने ही **P** और **Q** के बीच रखे हैं। **M, C** के ऊपर और **D** के नीचे रखा हैं। **M, P** के ऊपर रखा है। **M** और **O** के बीच तीन डिब्बे रखे हैं। **P** नीचे से चौथे स्थान पर रखा है। **O, J** के ठीक ऊपर रखा है।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (6) **D** और **H** के बीच कितने डिब्बे रखे हैं?
(a) 1
(b) 3
(c) 2
(d) 4

प्र. (7) **M** के ठीक नीचे कौन सा डिब्बा रखा है?
(a) Q
(b) P
(c) D
(d) H

प्र. (8) **H** के ठीक ऊपर कौन सा डिब्बा रखा है?
(a) D
(b) M
(c) C
(d) P

प्र. (9) **D** के ऊपर कितने डिब्बे हैं?
(a) 1
(b) 2
(c) 5
(d) 3

प्र. (10) भिन्न पद ज्ञात कीजिए?
(a) J-D
(b) F-C
(c) P-Q
(d) H-P

उत्तर - **(6-10)**
(6) d → 4
(7) b → P
(8) c → C
(9) b → 2
(10) a → J-D

व्याख्या - **(6-10)** प्रश्नानुसार,
9 → O
8 → J
7 → D
6 → Q
5 → M
4 → P
3 → C
2 → H
1 → F

प्र. (11-15) सात व्यक्ति सप्ताह के सात विभिन्न दिनों पर डांस क्लास में भाग लेते हैं। सप्ताह सोमवार से शुरू होता है। इन सभी को अलग-अलग डांस पसंद हैं - कथक, सालसा, फोक, भरतनाट्यम, कथकली, कुचिपुड़ी और हिप-हॉप। **P** कथकली पसंद करता है और बुधवार को क्लास में भाग लेता है। **P** और **J** के मध्य एक व्यक्ति क्लास में भाग लेता है। सालसा डांस पसंद करने वाला व्यक्ति शुक्रवार को क्लास में भाग लेता है। सालसा पसंद करने वाले व्यक्ति और कथक पसंद करने वाले व्यक्ति के मध्य दो व्यक्ति क्लास में भाग लेते हैं। **J** और **F** के बीच तीन से अधिक व्यक्ति क्लास में भाग लेते हैं। **G** रविवार को क्लास में भाग लेता है। कुचिपुड़ी डांस पसंद करने वाला व्यक्ति फोक डांस पसंद करने वाल व्यक्ति से पहले और हिप-हॉप डांस पसंद करने वाले के बाद क्लास में भाग लेता है। **J** हिप-हॉप पसंद नहीं करता है। **M, E** से पहले क्लास में भाग लेता है। **L** हिप-हॉप डांस पसंद करता है।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (11) इनमें से कौन सालसा डांस पसंद करता है?
(a) P
(b) M
(c) E
(d) L

प्र. (12) इनमें से कौन कुचिपुड़ी डांस पसंद करता है?
(a) E
(b) F
(c) L
(d) G

प्र. (13) फोक डांस पसंद करने वाले व्यक्ति और **P** के मध्य कितने व्यक्ति क्लास में भाग लेते हैं?
(a) 3
(b) 2
(c) 4
(d) 1

प्र. (14) रविवार को कौन क्लास में भाग लेता है?
(a) J
(b) G
(c) L
(d) M

प्र. (15) **L** के पहले कितने लोग क्लास में भाग लेते हैं?
(a) 3
(b) 4
(c) 5
(d) 2

उत्तर - **(11-15)**
(11) → (c) E
(12) → (b) F
(13) → (a) 3
(14) → (b) G
(15) → (a) 3

व्याख्या - **(11-15)** प्रश्नानुसार,
सोमवार → J → Bharatnatyam
मंगलवार → M → Kathak
बुधवार → P → Kathakali
गुरूवार → L → Hip Hop
शुक्रवार → E → Salsa
शनिवार → F → Kuchipudi
रविवार → G → Folk

प्र. (16-20) दी गई जानकारी के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
"where house plan army" को "nl am hr ou" के रूप में लिखा जाता है।
"ball house birth data" को **"tm rb lb hr"** के रूप में लिखा जाता है।
"army plan register already" को **"ed nl am tr"** के रूप में लिखा जाता है।
"fade plan data ball" को **"tm lb nl dm"** के रूप में लिखा जाता है।
प्रश्न -

प्र. (16) **"Fade"** को कैसे लिखा जाएगा?
(a) dm
(b) nl
(c) lb
(d) tm

प्र. (17) **"Register"** का कूट क्या होगा?
(a) ed
(b) tr
(c) ed/tr
(d) dm

प्र. (18) **"Plan"** का कूट क्या होगा?
(a) hr
(b) dm
(c) ou
(d) nl

प्र. (19) **"Birth"** का कूट क्या होगा?
(a) ou
(b) rb
(c) dm
(d) tr

प्र. (20) **"Where"** का कूट क्या होगा?
(a) dm
(b) nl
(c) ou
(d) rb

उत्तर - **(16-20)**
(16) → (a) dm
(17) → (c) ed/tr
(18) → (d) nl
(19) → (b) rb
(20) → (c) ou

व्याख्या - **(16-20)** प्रश्नानुसार,

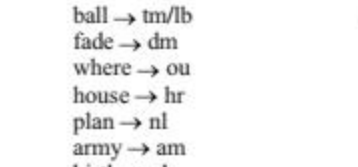

अतः Data → tm/lb
ball → tm/lb
fade → dm
where → ou
house → hr
plan → nl
army → am
birth → rb

प्र. (21-23) सात व्यक्ति **P, Q, R, S, T, U, V** एक परीक्षा में विभिन्न अंक प्राप्त करते हैं। **P, R** से अधिक अंक प्राप्त करता है। **T, V** से अधिक तथा **U** से कम अंक प्राप्त करता है। **P** सबसे अधिक अंक प्राप्त नहीं करता है। **S, T** से कम तथा केवल एक व्यक्ति से अधिक अंक प्राप्त करता है। **R, U** से अधिक अंक प्राप्त करता है।
प्रश्न -

प्र. (21) सबसे अधिक अंक कौन प्राप्त करता है?
(a) U
(b) R
(c) Q
(d) T

प्र. (22) कितने व्यक्ति **V** से कम अंक प्राप्त करते हैं?
(a) 1
(b) 0
(c) 3
(d) 5

प्र. (23) कौन सा व्यक्ति तीसरा सबसे अधिक अंक प्राप्त करता है?
(a) V
(b) P
(c) T
(d) R

उत्तर - **(21-23)**
(21) → (c) Q
(22) → (b) 0
(23) → (d) R

व्याख्या - **(21-23)** प्रश्नानुसार,
Q > P > R > U > T > S > V

प्र. (24) 64 विद्यार्थियों की कक्षा में कबीर की रैंक शीर्ष से 24वीं है, तो नीचे से उसकी क्या रैंक होगी?
(a) 40
(b) 32
(c) 41
(d) 29

उत्तर - (c) 41

व्याख्या - कुल = (शीर्ष + नीचे से) - 1
64 = (24 + नीचे से) - 1
64 + 1 = 24 + नीचे से
65 - 24 = नीचे से
41 = नीचे से रैंक

प्र. (25) कथन - कुछ कार, बस हैं।
सभी बस, ट्रक हैं।
कुछ ट्रक, ट्रेन हैं।
निष्कर्ष - (i) कुछ कार, ट्रेन हैं।
(ii) कुछ बस, ट्रक हैं।

उत्तर - केवल (ii) निष्कर्ष सही है।

व्याख्या - कथनानुसार,

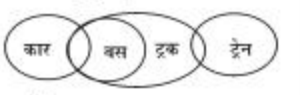

(i) x
(ii) ✓

- ऋचा दुबे
(लेखिका, बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लिखती हैं)

मध्यप्रदेश में वर्षाकाल में भी श्रमिकों को मिलेगा रोज़गार

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बारिश के मौसम में भी श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोज़गार उपलब्ध करवाने के लिये कार्यों का चिन्हांकन किया गया है, जिससे श्रमिकों को रोज़गार मिलता रहे। सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि बरसात के मौसम में ग्राम पंचायतों के माध्यम से वृक्षारोपण एवं जल-संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुरूप श्रमिकों को रोज़गार देने के लिये मनरेगा योजना की कार्य-योजना में संशोधन कर चालू वित्तीय वर्ष के लेबर बजट को भी बढ़ाया गया है।

राज्य शासन द्वारा वापस लौटे प्रवासी श्रमिकों और पूर्व से कार्यरत श्रमिकों को वर्षाकाल में नियमित रोज़गार उपलब्ध कराने के लिये मनरेगा की कार्य-योजना में संशोधन कर चालू वित्तीय वर्ष में पूर्व निर्धारित लेबर बजट 20 करोड़ 50 लाख मानव दिवस को बढ़ाकर 34 करोड़ मानव दिवस किया गया है। कुल बजट वृद्धि में अतिरिक्त रूप से साढ़े 13 करोड़ मानव दिवस रोज़गार सृजित हो सकेंगे।

सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे सामुदायिक कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिये हैं, जिनमें अधिक से अधिक श्रमिकों को रोज़गार प्राप्त हो सके। मानसून अवधि में सामुदायिक भूमि पर वृक्षारोपण, निजी भूमि पर फलोद्यान, मंदिर कुंज, हैबिटेट रेस्टोरेशन जैसे कार्य कराने तथा जल-संरक्षण और संवर्धन के कार्यों के तहत कंटूर ट्रेंच, बोल्डर चेकडैम, गोबियन संरचना जैसे कार्य प्रारंभ कर अधिक से अधिक श्रमिकों को रोज़गार देने के निर्देश दिये गये हैं।

मनरेगा की कार्य-योजना में किये गये संशोधन के तहत स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को गति देने के लिये कैटल शेड, गोट सेट, पोल्ट्री सेट जैसी संरचना स्थानीय आवश्यकता के अनुसार बनाने के निर्देश दिये गये हैं। पशुपालन योजना को बढ़ावा देने के लिये गांव में चारागाह विकास के कार्य, स्थानीय परिस्थितियों और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक संरचना के कार्यों के तहत ग्राम पंचायत भवन, आंगनवाड़ी भवन, शासकीय भवनों के लिये अप्रोच रोड, शालाओं की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण, वर्मी कम्पोस्ट पिट, गौ-शालाओं का निर्माण जैसे कार्य बरसात के मौसम में मनरेगा के अंतर्गत अब कराये जा सकेंगे।

मध्यप्रदेश के बासमती चावल को दिया जाए जी.आई. टैग - मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात कर मध्यप्रदेश के बासमती चावल को जी.आई. टैग दिलवाने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश में बासमती चावल का उत्पादन 13 जिलों में किया जाता है और इससे प्रदेश के लगभग 80 हजार किसान जुड़े हुए हैं। किसानों के हित और चावल की गुणवत्ता को देखते हुए मध्यप्रदेश के बासमती चावल को जी.आई. टैग देना उचित होगा।

श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश का चावल यहां के किसानों द्वारा विदेशों में भी निर्यात किया जाता है, जिससे लगभग तीन हजार करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा प्रतिवर्ष आती है। मध्यप्रदेश के 13 जिलों में मुरैना, भिंड, ग्वालियर, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, विदिशा, रायसेन, सीहोर, होशंगाबाद, जबलपुर और नरसिंहपुर में उत्पादित होने वाले चावल को बासमती टैग न दिये जाने से किसानों को जो लाभ मिलना चाहिए वह अभी नहीं मिल पा रहा है। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के आग्रह पर केंद्र सरकार द्वारा हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

चम्बल प्रोग्रेस-वे

औद्योगिक सेक्टर के रूप में विकसित होंगे बीहड़ और पिछड़े क्षेत्र - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चम्बल प्रोग्रेस-वे के संबंध में केंद्रीय मंत्रियों से चर्चा करते हुये।

भोपाल, चंबल एक्सप्रेस-वे के बनने से प्रदेश के बीहड़ एवं पिछड़े क्षेत्र को औद्योगिक सेक्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को 'चम्बल एक्सप्रेस-वे' नहीं 'चम्बल प्रोग्रेस-वे' के रूप में देखा जाये। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय पंचायती राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ चर्चा के दौरान कहीं।

श्री चौहान ने कहा कि यह सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसमें भारतमाला के अंतर्गत मात्र 50 प्रतिशत भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने का प्रावधान है। मध्यप्रदेश सरकार इस ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 421 करोड़ रुपये की 100 प्रतिशत भूमि निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा प्रदेश सरकार आर्थिक सहयोग के रूप में मिट्टी एवं मुरम की रायल्टी के रूप में 330 करोड़ रुपये प्रदान करेगा और वन भूमि की अनुमतियों पर होने वाले व्यय के रूप में 30 करोड़ रुपये का व्यय भी स्वयं वहन करेगा। इस प्रकार राज्य शासन 781 करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान करेगा।

औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित होगा चम्बल

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'एक्सप्रेस वे' प्रदेश में 309 किलोमीटर लंबा होगा। यह श्योपुर, मुरैना एवं भिण्ड से होते हुए राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश की सीमाओं को जोड़ेगा। यह मार्ग भिण्ड में गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल (आगरा-कानपुर) मार्ग, मुरैना में नार्थ-साउथ कॉरिडोर एवं राजस्थान में दिल्ली-मुम्बई कॉरिडोर से जोड़ा जायेगा।

केंद्रीय पंचायती राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की शुरुआत मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 में भी की थी। एक्सप्रेस-वे के बनने से इस पिछड़े क्षेत्र के विकास में बहुत मदद मिलेगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चम्बल एक्सप्रेस-वे को भिण्ड-कोटा रेलवे लाइन के साथ-साथ बनाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि चम्बल एक्सप्रेस-वे के लिए हमारे पास 52 प्रतिशत सरकारी जमीन उपलब्ध है। इस प्रोजेक्ट के लिए शेष 48 प्रतिशत भूमि अदला-बदली मॉडल के तहत उपलब्ध करायी जायेगी। एलाइनमेंट होते ही यह जमीन निर्माण कार्य के लिए सौंप दी जायेगी।

चम्बल की तस्वीर बदलेगा चम्बल एक्सप्रेस-वे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का सपना चम्बल एक्सप्रेस-वे से चंबल क्षेत्र की तस्वीर बदलने का है। मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान कहा कि वे चाहते हैं कि यह प्रोग्रेस-वे पूरे चम्बल के लिए अवसर में बदले। दिल्ली जैसे महानगरों से उद्योगपति चंबल का रुख करें, इसलिए प्रयास होगा कि कम से कम समय में मुरैना पहुंचा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगपति यहां आएं और उद्योग लगाएं। उन्होंने कहा कि हम उद्योगों के लिए विशेष पैकेज देंगे। स्पेशल इकॉनामिक जोन बनाने के लिए भारत सरकार से पहल करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक ऐसा कॉरिडोर बनाएंगे, जिसमें रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण, भारी उद्योग, वेयर हाउसिंग, लॉजिस्टिक एवं ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लिए अधोसंरचना का विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सचमुच में यह प्रोगेस-वे चंबल संभाग के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

रोज़गार सेतु पोर्टल

सोलह हजार से अधिक प्रवासी श्रमिकों को मिला रोज़गार

भोपाल, प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित वापसी के साथ उन्हें रोज़गार उपलब्ध करवाने के लिये राज्य सरकार द्वारा रोज़गार के अनेक माध्यम विकसित किये गये। इन माध्यमों में मनरेगा के साथ-साथ रोज़गार सेतु पोर्टल प्रारंभ किया गया। श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर रोज़गार उपलब्ध कराने के लिये नियोक्ताओं को भी पोर्टल से जोड़ा गया। इस पोर्टल से अब तक 16 हजार 41 प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल के अनुरूप रोज़गार उपलब्ध कराया गया है।

रोज़गार पोर्टल पर प्रवासी श्रमिकों के साथ ही नियोक्ता संस्थाओं ने भी पंजीयन करवाया है। पोर्टल पर पंजीकृत नियोक्ताओं की संख्या 25 हजार 247 हो चुकी है, जिनके द्वारा 29 हजार 170 रिक्तियां प्रवासी श्रमिकों के लिये खोली गई हैं। रोज़गार सेतु पोर्टल के अलावा मनरेगा में 3 लाख 54 हजार 268 प्रवासी श्रमिकों को रोज़गार से जोड़ा गया है।

राज्य सरकार द्वारा गरीब प्रवासी मजदूरों को संबल पोर्टल में दर्ज कर उन्हें विभिन्न प्रकार की आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। संबल पोर्टल पर 3 लाख 24 हजार 715 श्रमिक पंजीकृत हैं। इसके साथ ही आत्मनिर्भर भारत एवं राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा कानून में 13 लाख 10 हजार 186 व्यक्तियों को खाद्यान्न सामग्री वितरित की गई। प्रवासी श्रमिकों के बच्चों को शाला में प्रवेश करवाने का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर किया गया। ऐसे 75 हजार 385 बच्चों को विभिन्न शासकीय शालाओं में प्रवेश की प्रक्रिया की गई।

नगरीय निकायों को सम्पत्ति कर का निर्धारण करने के निर्देश

भोपाल, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा सभी नगरीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2020-21 की वार्षिक कार्ययोजना अनुसार सम्पत्ति कर का निर्धारण करने के निर्देश दिये गए हैं। संचालनालय द्वारा सभी नगरीय निकायों को वार्षिक कार्ययोजना भेजी गयी है। निकायों से 15 जुलाई तक मकानों की गणना तथा सम्पत्ति का मूल्यांकन किया जाना है। आगामी 30 सितंवर तक सम्पत्ति कर का स्वनिर्धारण फार्म भरा जायेगा तथा निकाय के अधिकृत अधिकारी द्वारा इसकी जांच की जायेगी।

केंद्रीय पूल में शामिल होगा मध्यप्रदेश का 6.45 लाख मीट्रिक टन उपार्जित गेहूं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री रामविलास पासवान से चर्चा करते हुये।

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री रामविलास पासवान से मुलाकात कर गेहूं उपार्जन, वोनस और प्रवासी मजदूरों के राशन से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। श्री चौहान ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश में 73.70 लाख मीट्रिक टन किसानों द्वारा गेहूं उपार्जित किया गया था जिसमें से केंद्र सरकार ने 67.25 लाख मीट्रिक टन को ही केंद्रीय पूल में मान्य किया था।

मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि शेष 6.45 लाख मीट्रिक टन गेहूं को भी केंद्रीय पूल में शीघ्र शामिल किया जाये, जिससे किसानों को इसका भुगतान किया जा सके।

श्री चौहान ने प्रदेश में प्रवासी मजदूरों को दिये जाने वाले राशन के संबंध में बताया कि प्रदेश में लगभग 13 लाख प्रवासी मजदूर लौटे हैं, जिनमें से लगभग 1 लाख 90 हजार मजदूरों के पास राशनकार्ड फिलहाल उपलब्ध नहीं होने से उन्हें राशन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

केंद्रीय खाद्य मंत्री श्री रामविलास पासवान ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को आश्वासन दिया कि पिछले वर्ष का शेष उपार्जित गेहूं 6.45 लाख मीट्रिक टन को शीघ्र ही केंद्रीय पूल में शामिल किया जायेगा। जिससे किसानों को इसका भुगतान शीघ्र किया जा सके।

साथ ही केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत सभी प्रवासी मजदूरों को माह नवम्बर 2020 तक राशन उपलब्ध करवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन राशन कार्ड सिद्धांत के तहत सभी प्रवासी मजदूरों को जो जहां भी है उसको वहां राशन मिलेगा।

श्री चौहान ने केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री रामविलास पासवान का आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 91 परीक्षार्थी सहायक प्राध्यापक नियुक्त

भोपाल, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक-2017 परीक्षा में मेरिट में चयनित 91 महिला परीक्षार्थियों को उच्च शिक्षा विभाग ने सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया है। इस संबंध में विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिये गये हैं।

सहायक प्राध्यापक के पद पर रसायन शास्त्र विषय में 9 चयनित महिलाओं की नियुक्ति की गई है। वनस्पति शास्त्र में 6, राजनीति शास्त्र में 3, प्राणी शास्त्र में 3, गणित में 3, अर्थशास्त्र में 8, विधि में 3, समाज शास्त्र में 6, मनोविज्ञान, संस्कृत, उर्दू, तथा ऑर्गेनिक रसायन में एक-एक, भूगोल में 10, इंग्लिश में 7, इतिहास में 6, भौतिक शास्त्र में 9, वाणिज्य में 4 तथा हिन्दी विषय में 8 परीक्षार्थियों को सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया है।

ऑनलाइन होगी आंगनवाड़ी केंद्रों की मॉनीटरिंग

भोपाल, आंगनवाड़ी केंद्रों को नियमित रूप से खोलने के लिए नए एप कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (CAS) का उपयोग किया जा रहा है। एप के माध्यम से मॉनीटरिंग की नई व्यवस्था में अब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की केंद्र में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जा सकेगी। यदि कार्यकर्ता आंगनवाड़ी केंद्रों में नहीं पहुंचती है तो उनकी उस दिन की उपस्थिति मान्य नहीं होगी।

महिला-बाल विकास विभाग द्वारा तैयार करवाये गये इस नए एप में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने केंद्र पहुंचकर पहले अपनी फोटो खींचेंगी, तब ही एप खुल पाएगा। एप खुलने पर लॉगिन करने पर ही उनकी उपस्थिति मानी जाएगी।

सभी आंगनवाड़ी केंद्रों की जियो टेगिंग

प्रदेश के सभी 97 हजार 135 आंगनवाड़ी और मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों की जियो टेगिंग का काम पूर्ण कर लिया गया है।

वर्तमान में प्रदेश के 16 जिलों में कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर लागू किये जा चुके हैं। इन जिलों में 27 हजार 817 स्मार्ट फोन, सिम, एस.डी. कार्ड, इंटरनेट डाटा प्लान उपलब्ध करवाया जा चुका है। शेष 36 जिलों की 69 हजार 318 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों को इस सॉफ्टवेयर के उपयोग का चरणवद्ध रूप से जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संचालनालय स्तर पर मिलेगी ऑनलाइन जानकारी

इस नई व्यवस्था के लागू होने से प्रदेश में किस दिन कितने आंगनवाड़ी केंद्र खोले गए और कितने बंद रहे, यह जिलेवार जानकारी संचालनालय स्तर पर एप के माध्यम से उपलब्ध रहेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

जब सरकार है तो साहूकार के पास जाने की क्या जरूरत है - मुख्यमंत्री

ग्रामीण पथ विक्रेताओं को दिया जाएगा बिना ब्याज 10 हजार रु. का ऋण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीण पथ विक्रेताओं से बातचीत करते हुये।

भोपाल, जब सरकार है तो जनता को काम-धंधे के लिए ऋण के लिये साहूकारों के पास जाने की क्या आवश्यकता है। सरकार अब शहरी स्ट्रीट वेंडर्स की तरह ही ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर्स को भी उनके कार्य एवं व्यवसाय के लिए 10 हजार रुपये की कार्यशील पूंजी बैंकों से बिना ब्याज के उपलब्ध कराएगी। ब्याज की राशि राज्य सरकार भरेगी। इसके लिए हितग्राहियों द्वारा बैंक को किसी प्रकार की प्रतिभूति अथवा धरोहर राशि नहीं देनी होगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में 'मुख्यमंत्री स्ट्रीट वेंडर ऋण योजना' तथा 'ग्रामीण कामगार सेतु पोर्टल' का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारंभ करते हुए कहीं।

जाति का कोई बंधन नहीं

योजना शुभारंभ के पश्चात ग्रामीण पथ विक्रेताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में जाति और शैक्षणिक योग्यता आदि का कोई बंधन नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों के 18 से 55 वर्ष के पथ विक्रेता इस योजना का लाभ ले सकेंगे। केश शिल्पी, हाथ ठेला चालक, साइकिल रिक्शा चालक, कुम्हार, साइकिल एवं मोटरसाइकिल मैकेनिक, बढ़ई, ग्रामीण शिल्पी, बुनकर, धोबी, टेलर, कर्मकार मंडल से संबंधित कामगार इस योजना का लाभ ले सकेंगे।

30 दिन के अंदर बैंक करेगा ऋण स्वीकृत

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि आवेदन करने के 30 दिन के अंदर बैंक द्वारा ऋण प्रकरण स्वीकृत किया जाएगा। प्रकरणों का निराकरण 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर होगा। योजना पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा चलाई जाएगी तथा जिले में इस योजना का नोडल अधिकारी कलेक्टर होगा।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा दी गई है। आवेदक कामगार सेतु पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा कियोस्क के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकेगा। ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में भी आवेदन करने की सुविधा होगी।

कोई शुल्क प्रतिभूति अथवा धरोहर राशि जमा नहीं करानी होगी

श्री चौहान ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को किसी भी प्रकार का शुल्क, प्रतिभूति अथवा धरोहर राशि जमा नहीं करानी होगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आवेदकों से किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार का कोई शुल्क न वसूला जाए।

मुख्यमंत्री ने स्ट्रीट वेंडर्स से की बात

मुख्यमंत्री ने महतगवां जिला छतरपुर के स्ट्रीट वेंडर सुनील अहिरवार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत की। सुनील ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे लुधियाना में समोसे का ठेला लगाते थे, परंतु लॉकडाउन के कारण गांव वापस आ गए हैं तथा अब उनके पास ठेला लगाने के लिए राशि नहीं है। उन्हें स्ट्रीट वेंडर योजना में राशि मिलेगी तो वह दोबारा अपना ठेला लगाएंगे। मुख्यमंत्री ने उन्हें कार्य के लिए शुभकामना देते हुए कहा कि जब उनका ठेला चालू हो जाएगा तो वे स्वयं वहां समोसा खाने आएंगे।

मुख्यमंत्री ने कपड़े की फेरी लगाने वाली सीहोर जिले की पथ विक्रेता अनीता मेहरा, साग-भाजी का काम करने वाले झाबुआ के देवी सिंह, महाराष्ट्र से वापस लौटे बैतूल के श्री मनोज देशमुख तथा आगर मालवा तनोडिया की बिस्मिल्लाह आजीविका समूह की श्रीमती शहनाज बी से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत की।

चम्बल संभाग में शीघ्र ही खोला जायेगा सैनिक स्कूल

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से उनके निवास पर मुलाकात की। मार्च 2020 में मुख्यमंत्री बनने के उपरांत केंद्रीय रक्षा मंत्री से श्री चौहान की यह पहली सौजन्य भेंट है। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने चम्बल संभाग के भिण्ड-मुरैना जिले में सैनिक स्कूल खोलने की मांग केंद्रीय रक्षा मंत्री से की। श्री चौहान ने बताया कि यह मांग काफी समय से लम्बित है। सन् 2017 में रक्षा मंत्रालय के संस्थान डीआरडीओ के लिए 334 हेक्टेयर जमीन राज्य सरकार द्वारा दी गयी थी। तब तत्कालीन रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इसके एवज में चम्बल संभाग में सैनिक स्कूल खोले जाने की बात कही थी। श्री चौहान ने बताया कि सैनिक स्कूल के लिए राज्य सरकार ने जमीन भी चिन्हित कर ली है।

श्री चौहान ने बताया कि भिण्ड-मुरैना जिले के लगभग हर घर से एक नौजवान सेना में भर्ती होता है और देश की सीमाओं की रक्षा करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में सैनिक स्कूल खुलने से यहां के युवा न केवल जवान बनकर निकलेंगे बल्कि सेना में बड़े अधिकारी भी बनेंगे और देश की सीमाओं की रक्षा में अपना योगदान देंगे।

दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारित हुई 'हमारा घर-हमारा विद्यालय' की जानकारी

भोपाल, 'हमारा घर-हमारा विद्यालय' कार्यक्रम के माध्यम से शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को उनके घर में ही स्कूली वातावरण उपलब्ध कराकर अध्ययन की शुरुआत की गई है। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश दूरदर्शन के माध्यम से 9 जुलाई को रात्रि 8.30 बजे प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी एवं आयुक्त राज्य शिक्षा श्री लोकेश कुमार जाटव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

प्रमुख सचिव श्रीमती शमी ने 'हमारा घर-हमारा विद्यालय' योजना में राज्य शासन, शिक्षक, अभिभावक एवं जिले के अधिकारी के उत्तरदायित्वों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की टैग-लाइन 'अब पढ़ाई नहीं रुकेगी' के लक्ष्य को पूरा करने के क्रम में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने पालकों से आग्रह किया है कि बच्चों को घर पर भी अध्ययन का वातावरण उपलब्ध कराएं, उन्हें घर में ही एक उचित स्थान दें जहां वे बिना किसी व्यवधान के अपनी पढ़ाई कर सकें। 'हमारा घर-हमारा विद्यालय' योजना ऐसी ही एक भावनात्मक पारिवारिक पहल है जो बच्चों को परिवार के सहयोग से घर पर ही पढ़ाई को सुचारु रखने में सहयोगी होगी।

प्रमुख सचिव ने कार्यक्रम में बताया कि 'हमारा घर-हमारा विद्यालय' योजना प्रदेश के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई है। विद्यार्थी अब अपने घर पर ही विद्यालय के वातावरण में पढ़ाई कर सकेंगे। घर के स्कूल में प्रातः 10 बजे पालक द्वारा घण्टी/थाली बजाकर स्कूल प्रारम्भ किया जाएगा, इसी प्रकार दोपहर एक बजे घण्टी/थाली बजाकर अवकाश किया जाएगा। इससे बच्चों को घर में ही विद्यालय का आभास होगा। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा एक सुझावात्मक समय-सारिणी भी पालकों और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके अनुसार सोमवार से शुक्रवार प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक विषयानुरूप अध्ययन होगा तथा शनिवार को मस्ती की पाठशाला के तहत मनोरंजनात्मक गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। वहीं शाम को 2 घंटे विद्यार्थी अपने पारिवारिक बड़े-बुजुर्गों से कहानियां सुनकर उन पर नोट्स तैयार करेंगे और योग तथा अन्य खेलकूद की गतिविधियों का आयोजन अपने घर पर ही करेंगे। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इस संबंध में अनेक पारंपरिक गतिविधियों के सुझाव भी दिए गए हैं।

परियोजना क्रियान्वयन में अंतर्विभागीय समन्वय के लिये उच्च स्तरीय समिति गठित

भोपाल, राज्य शासन ने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण कार्यों में गति लाने, परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अंतर्विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने तथा परियोजनाओं में राज्य शासन की ओर से विभिन्न अनुमतियों तथा अनापत्तियों की अड़चनों को दूर करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति गठित की है।

समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम रहेंगे। वन विभाग, राजस्व विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव समिति के सदस्य होंगे।

अन्य सदस्यों में सचिव खनिज साधन विकास, क्षेत्रीय अधिकारी (मध्यप्रदेश भोपाल), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, क्षेत्रीय अधिकारी (मध्यप्रदेश भोपाल), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग समिति के सदस्य बनाये गये हैं।

मध्यप्रदेश में नर्मदा जल का पूरा उपयोग किया जायेगा

भोपाल, मध्यप्रदेश को आंवटित 18.25 एमएएफ नर्मदा जल के उपयोग के लिए नर्मदा विकास प्राधिकरण द्वारा योजनाओं पर काम किया जा रहा है। लगभग 32 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन परियोजनाओं के अतिरिक्त 19 हजार करोड़ रुपये लागत की 9 परियोजनाओं की भी प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इन सभी परियोजनाओं के पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश को आबंटित नर्मदा जल का अधिकतम उपयोग हो सकेगा।

निर्माणाधीन परियोजनाओं में इंदिरा सागर परियोजना नहर, ओंकारेश्वर परियोजना नहर, रानी अवंतीबाई लोधी सागर परियोजना बरगी व प्रवर्तन परियोजना तथा लोवर गोई परियोजना मुख्य है। इनके अलावा नर्मदा-मालवा गंभीर लिंक परियोजना, उज्जैन- देवास उज्जैनी पाइप लाईन तथा अपरवेदा आरवीसी के कार्य पूर्णताः की ओर हैं।

जल संसाधन विभाग के अंतर्गत निर्मित सिंचाई क्षमता को आगामी वर्षों में बढ़ाकर 50 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में 33 लाख 77 हजार हेक्टेयर है। सिंचाई क्षमता को 2024-25 तक 50 लाख 74 हजार हेक्टेयर किया जाना है। वर्ष 2020-21 में इसे 1.94 लाख हेक्टेयर, 21-22 में 1.86 लाख हेक्टेयर, 22-23 में 2.74 लाख हेक्टेयर, 23-24 में 5.76 लाख हेक्टेयर और 24-25 में 4.66 लाख हेक्टेयर बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंचाई क्षमता बढ़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पूर्व में मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए गए थे।

अपराधियों के विरुद्ध की जायेगी सख्त कार्यवाही - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा प्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुये कहा कि किसी भी स्थिति में अपराध सहन नहीं होंगे। श्री चौहान ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति और अपराध बढ़ने के लिए जिम्मेदार और दोषी अधिकारियों को हटाने की कार्यवाही की जायेगी। श्री चौहान ने कहा कि पुलिस बिना किसी दबाव के काम करे। इसके लिए विशेष अभियान भी चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना हुई तो टीआई, थानेदार ही नहीं वरिष्ठ अधिकारी भी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि किसी की चिंता न करें, कोई अपराधियों को संरक्षण न दे। जो देगा उसे मैं देख लूंगा। आगामी दिनों में आने वाले त्योहारों को ध्यान में रखते हुए भी सावधानी रखी जाए। कानून व्यवस्था प्रथम प्राथमिकता है।

श्री चौहान ने कहा कि यदि ऑनलाइन अपराध हो रहे हैं, तो उस पर भी ध्यान दिया जाए, दूसरे राज्यों से अपराध होते हैं तो वहाँ के अधिकारियों का सहयोग अपराध खत्म करने में लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश शांति का टापू है, यहां अपराध बर्दाश्त नहीं करूंगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों को क्रश करें, अपराधियों में पुलिस का खौफ़ रहे। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षकों से कहा कि बदमाशों की सूची बनाइये। ये समाज के दुश्मन हैं। इन पर सख्त कार्यवाही की जाये। श्री चौहान ने कहा कि मानसून का आगमन हो चुका है ऐसी स्थिति में कुछ जिलों में निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनती है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में आमजन को बाढ़ से बचाएं, इसके लिए जिला प्रशासन आवश्यक प्रबंध करे। श्री चौहान ने कहा कि बैंक कर्मचारियों के नाम पर कुछ लोग वित्तीय अपराध भी कर रहे, इन्हें रोकें और माफिया, चिट फंड वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्यवाही हो। श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक सोमवार को मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक होगी।

अपराधियों की संपत्ति जप्त करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी आवश्यक हो, अपराधियों की संपत्ति जप्त करने की कार्यवाही की जाए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

ऑनलाइन सत्यापन के बाद ही महाविद्यालय ई-प्रवेश पोर्टल से सम्बद्ध हो सकेंगे

भोपाल, शैक्षणिक सत्र 2020-21 की ऑनलाईन ई-प्रवेश प्रक्रिया के लिए सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों को प्रोफाइल अध्यतन और सत्यापन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक महाविद्यालय को ऑनलाइन ई-प्रवेश पोर्टल https://epravesh.mponline.gov.in के माध्यम से 20 जुलाई 2020 तक अद्यतन की कार्यवाही पूर्ण करना होगी। संबंधित विश्वविद्यालयों के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय का सत्यापन 25 अगस्त तक करना अनिवार्य होगा।

संबंधित विश्वविद्यालय ऑनलाइन सत्यापन के बाद ही शैक्षणिक सत्र 2020-21 की ई-प्रवेश प्रक्रिया के लिए महाविद्यालय ई-पोर्टल से संबद्ध हो सकेंगे। सत्र 2020-21 के लिए संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा संबद्धता प्रमाण-पत्र एवं इसी सत्र में उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा शासकीय महाविद्यालय के स्व-वित्तीय पाठ्यक्रम एवं अशासकीय महाविद्यालय के लिए जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा। सभी महाविद्यालयों को अपनी प्रोफाइल में विगत वर्ष की गई प्रविष्टियों तथा नवीन प्रविष्टि की जानकारी भी देनी होगी।

अगले तीन वर्ष में किसानों के लिए दो लाख सोलर पम्प स्थापित किये जाएंगे

भोपाल, प्रदेश में सोलर पम्प लगाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना के तहत किसानों के लिये अब-तक 14 हजार 250 सोलर पम्प स्थापित किये जा चुके हैं। अगले तीन वर्षों में 2 लाख सोलर पम्प लगाने का लक्ष्य है। सोलर पम्प से राज्य के किसानों को सिंचाई का भरपूर लाभ मिलेगा। सोलर पम्प लगाने से राज्य की बिजली कम्पनी पर भी भार कम होगा। सोलर पम्प का ये भी लाभ होगा कि ताप विद्युत पर निर्भरता कम होगी और यह पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना के अंतर्गत किसानों को विशेष अनुदान देकर सस्ती दरों पर सोलर पम्प उपलब्ध कराये जाएंगे। इस योजना का सरलीकरण किया जा रहा है। किसानों को सोलर पम्प लगवाने में इससे सुविधा होगी।

सोलर रूफ टॉप संयंत्र

प्रदेश में अब तक 30 मेगावॉट क्षमता के सोलर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं। इस वर्ष प्रदेश के 700 शासकीय भवनों पर 50 मेगावॉट क्षमता के सोलर रूफ टॉप लगाना प्रस्तावित हैं। सोलर रूफ टॉप संयंत्रों से उत्पादित बिजली की दरें एक रुपये 38 पैसे प्रति यूनिट प्राप्त हुई। सरकार का प्रयास है कि रूफ टॉप संयंत्र घर-घर लगाये जाएं, जिससे उपयोग के लिये बिजली सस्ती दरों पर मिले।

मध्यप्रदेश में किल कोरोना अभियान के अच्छे परिणाम - मुख्यमंत्री

कोरोना एक्टिव प्रकरणों के मामले में मध्यप्रदेश देश में 16वें स्थान पर

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में 'किल कोरोना' अभियान के अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। इसके अंतर्गत अभी तक प्रदेश में लगभग 4 करोड़ व्यक्तियों का यानि 58 प्रतिशत सर्वे पूर्ण कर लिया गया है। इनमें 47 हज़ार 690 व्यक्तियों के सैंपल लिए गए हैं, जिनमें 599 पॉजिटिव आए हैं। पॉजिटिविटी का प्रतिशत 1.26 है, जो स्पष्ट रूप से बताता है कि प्रदेश में कम्युनिटी स्प्रेड जैसी कोई स्थिति नहीं है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना महामारी की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के 17 ऐसे राज्य, जहां कोरोना संक्रमण अपेक्षाकृत अधिक है, इनमें एक्टिव प्रकरणों की संख्या में मध्यप्रदेश अब 16वें स्थान पर आ गया है, 17वें स्थान पर केरल है। मध्यप्रदेश में कोरोना के एक्टिव प्रकरणों की संख्या 8 जुलाई की स्थिति में 3420 है।

पैरामीटर्स अच्छे हैं, सावधानी रखें

जबलपुर जिले की समीक्षा में पाया गया कि वहां पैरामीटर्स अच्छे हैं। पॉजिटिविटी दर 2.99 प्रतिशत है, रिकवरी दर 77.5 प्रतिशत है तथा मृत्यु दर 2.89 प्रतिशत है। जिले में अभी एक्टिव प्रकरण 95 हैं तथा 375 व्यक्ति स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सावधानी रखें, जिससे आगे संक्रमण न फैले।

एक जून के बाद मृत्यु दर शून्य

मंदसौर जिले की समीक्षा में पाया गया कि वहां एक जून के पश्चात कोरोना मृत्यु दर शून्य है। जिले में अभी 44 एक्टिव मरीज हैं, 106 मरीज स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिला राजस्थान का सीमावर्ती होने से वहां से आवा-जाही में सावधानी बरती जाए। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस ने निर्देश दिए कि जिले में फर्स्ट कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग काफी कम (6.9 प्रतिशत) है। इसे बढ़ाया जाए।

बिना स्क्रीनिंग के कोई आएगा-जाएगा नहीं

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि अन्य राज्यों के सीमावर्ती जिलों से कोई भी व्यक्ति राज्य की सीमा में बिना स्क्रीनिंग के आए-जाए नहीं यह कलेक्टर सुनिश्चित करें।

आदिवासी क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ बनायी जायें सिंचाई परियोजनाएं

बुंदेलखंड, ग्वालियर और चंबल की परियोजना को जल्दी पूर्ण करें

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट भोपाल में विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों से चर्चा करते हुये।

भोपाल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने भोपाल स्थित वल्लभ भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि सिंचाई परियोजनाएं इस प्रकार बनाई जाएं, जिनसे संतुलित विकास के लिए आवश्यक जल-संसाधन उपलब्ध रहे। जिन क्षेत्रों में कृषकों को खेती के लिए पानी की सर्वाधिक आवश्यकता है उन क्षेत्रों के साथ विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में भी सिंचाई परियोजनाएं बनाई जाएं।

श्री सिलावट ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं से आदिवासियों के खेतों में पानी पहुंचाने का काम प्रमुखता से किया जाए। भविष्य की सिंचाई परियोजनाओं में आदिवासी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी पिछड़े और पानी की कमी वाले जिलों में सिंचाई परियोजना बनाकर जल्दी से कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में श्री सिलावट ने कहा कि वर्षा पूर्व विभाग के सभी डैम, गेट और केनाल की निरीक्षण रिपोर्ट की जांच के लिए कमेटी बनाई जाए। सभी अधिकारी 15 दिनों में परियोजनाओं का निरीक्षण करें और दौरा डायरी भी अद्यतन रखें। अब सभी समीक्षा बैठक संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा ने बताया कि आगामी वर्ष में प्रदेश में एक लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस वर्ष छोटी बड़ी कुल 100 परियोजनाओं को पूर्ण कर लिया जाएगा। अभी 58 हजार करोड़ की योजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें 28 हजार करोड़ रुपये की राशि के काम किये जा चुके हैं।

बुंदेलखंड क्षेत्र के टीकमगढ़ में निर्माणाधीन परियोजना से लगभग 75 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता निर्मित होगी। बैठक में सभी सिंचाई संभागों की परियोजना की समीक्षा हुई। प्रमुख सचिव ने बताया कि माइक्रो सिंचाई परियोजना सब जगह लागू की जा रही है। पाईप द्वारा खेती के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा, इससे खेती में पानी की 40 प्रतिशत तक बचत होगी।

सांवेर उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना को मंजूरी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में आयोजित बैठक में 2358.75 करोड़ रुपये की सांवेर उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने सिंचाई परियोजना की आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए परियोजना के कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिये। श्री चौहान ने बताया कि सांवेर उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना से इंदौर जिले के 182 ग्रामों की 65 हजार हेक्टेयर, खरगोन जिले के 80 ग्रामों की 13 हजार हेक्टेयर और उज्जैन जिले के 10 ग्रामों की 2 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी।

इसके लिये ओंकारेश्वर जलाशय से जल उद्वहन लाभान्वित होने वाले ग्रामों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दबाव युक्त पाइप्ड नहर प्रणाली बनाई जाएगी। परियोजना के लिए कुल 31 क्यूमेक जल उद्वहन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के क्रियान्वयन के लिये समिति गठित

भोपाल, प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाय) के प्रभावी क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण के लिये शासन द्वारा राज्य स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति (एसएलएएमसी) का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष प्रमुख सचिव मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग हैं। समिति में 6 अन्य सदस्यों को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त समिति अध्यक्ष द्वारा मत्स्य पालन से संबद्ध 2 सदस्यों को नामांकित करने का प्रावधान भी किया गया है।

साथ ही, अध्यक्ष आवश्यकता अनुसार अन्य राज्य स्तरीय शासकीय कर्मियों को समिति के सदस्य के रूप में नामांकित कर सकेंगे। संचालक मत्स्य उद्योग मध्यप्रदेश समिति के सदस्य सचिव नियुक्त किये गये हैं।

राज्य स्तरीय समिति जिलों से प्राप्त मत्स्य पालन की वार्षिक कार्य-योजना के आधार पर प्रदेश की कार्य-योजना बनाकर अनुमोदन उपरांत भारत सरकार को अनुशंसा सहित अग्रेषित करेगी। यह समिति राज्य स्तर पर प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण और अनुश्रवण करेगी। समिति योजना की गतिविधियों का राज्य स्तरीय अन्य योजनाओं और गतिविधियों के साथ कन्वर्जन्स कराने का कार्य भी करेगी। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के हितग्राहीमूलक उप-घटकों/गतिविधियों के सुगम क्रियान्वयन के लिये बैंकों/वित्तीय संस्थानों के साथ लिंक कराने का काम भी समिति द्वारा किया जायेगा। समिति के कार्यों को सुगम बनाने के लिये प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अंतर्गत गठित राज्य कार्यक्रम इकाई (एसपीयू) समस्त आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी।

समिति के सदस्य के रूप में प्रमुख सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, प्रमुख सचिव जल संसाधन विकास विभाग, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, प्रभारी अधिकारी, केंद्रीय मत्स्यकीय शिक्षण संस्थान केंद्र पवारखेड़ा और संयोजक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति हैं।

मानसून काल में भी मिलेगा मनरेगा से रोज़गार

भोपाल, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार योजना के माध्यम से मानसून काल में श्रमिकों को गांव में ही रोज़गार मुहैया हो सकेगा। इसके लिये साढ़े 13 करोड़ अतिरिक्त मानव दिवस रोज़गार सृजित किए जाएंगे। मानसून काल में मनरेगा के माध्यम से वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए पूर्व निर्धारित लेबर बजट में बढ़ोतरी कर सभी जिलों को अतिरिक्त लक्ष्य आवंटित किए गए हैं।

कोरोना संक्रमण काल में वापस लौटे प्रवासी, लौटकर आए श्रमिकों तथा पूर्व से कार्यरत श्रमिकों को वर्षा काल में नियमित रोज़गार उपलब्ध कराने के लिए मनरेगा की कार्य योजना में संशोधन किया गया है। प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2020-21 में पूर्व निर्धारित लेबर बजट 20.50 करोड़ मानव दिवस से बढ़ाकर 34 करोड़ मानव दिवस किया गया है।

सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ऐसे सामुदायिक कार्यों को प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए गए हैं जिनमें अधिक से अधिक श्रमिकों को रोज़गार प्राप्त हो सके। मानसून अवधि में वृक्षारोपण के तहत सामुदायिक भूमि पर वृक्षारोपण, निजी भूमि पर फलोद्यान, मंदिर कुंज, हैबिटेट रेस्टोरेशन जैसे कार्य कराने तथा जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों के तहत कंटूर ट्रेंच, वोल्डर चेकडेम, गोबियन संरचना जैसे कार्यों को प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए गए हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

चर्चा में

जेफ बेजोस

अमेजन के संस्थापक की संपत्ति ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की संपत्ति ने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सीएटल बेस्ड रिटेलर शेयरों में 4.4 फीसदी तेजी आने से यह 2878.70 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इससे बेजोस की संपत्ति बढ़कर 171.6 बिलियन डॉलर हो गई। 4 सितंबर 2018 को बेजोस की संपत्ति 167.7 बिलियन डॉलर पर पहुंची थी।

एन 700 एस

जापान ने पेश की नई बुलेट ट्रेन

जापान ने नई बुलेट ट्रेन एन 700 एस पेश की है। जापान ने दावा किया है कि यह भूकंप के दौरान भी सुरक्षित सफर कराने में सक्षम है। जापान सरकार ने इस बुलेट ट्रेन को ट्रेनों के बेड़े में शामिल कर संचालन शुरू कर दिया है। तोकाइडो रेलवे लाइन पर इसका संचालन किया जा रहा है, जो टोक्यो स्टेशन और आसाको में स्थित शिन-ओसाका स्टेशन को जोड़ती है। इसकी रफ्तार 360 किलोमीटर प्रतिघंटा है।

ड्राइव इन एग्जीबिशन

कनाडा में किया गया आयोजित

कनाडा के टोरंटो में कोविड-19 संक्रमण को ध्यान में रखते हुये एक ड्राइव इन एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। आर्ट गैलरी में 18वीं शताब्दी के प्रसिद्ध पेंटर विन्सेंट वैन गो की पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया गया था। गैलरी में ज्यादा भीड़ न लगे और सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे, इसलिए ड्राइव इन एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। ज्ञात रहे कि सन् 1853 में नीदरलैंड्स में जन्मे विन्सेंट वैन गो का महज 37 साल की उम्र में निधन हो गया था।

मार्स कलर कैमरा

मंगल के सबसे बड़े चांद का फोटो लिया

इसरो के मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) में लगे 'मार्स कलर कैमरा' ने मंगल के सबसे बड़े चंद्रमा 'फोबोस' की तस्वीरें ली हैं। तस्वीरें एक जुलाई को ली गई हैं। उस समय मंगलयान मंगल से 7,200 किलोमीटर और फोबोस से 4,200 किलोमीटर दूर था। इसमें फोबोस में बने स्लोवास्की, रोश और ग्रिलड्रिग नामक विशाल गड्ढे भी साफ दिख रहे हैं।

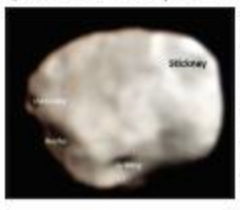

सतह को संक्रमण मुक्त करने वाला रोबोट

एमआईटी के शोध छात्रों ने तैयार किया

एमआईटी के शोध छात्रों ने एक ऐसा रोबोट तैयार किया है, जो हवा को संक्रमण मुक्त कर सकता है। विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एंड एआई लैबोरेटरी ने अवा रोबोटिक्स और ग्रेटर बोस्टन फूड बैंक के साथ मिलकर इसे तैयार किया है। यह रोबोट कस्टम यूवी-सी लाइट का उपयोग कर सतह को संक्रमण से मुक्त करता है। साथ ही हवा में तैरते कोरोना वायरण कणों को न्यूट्रलाइज करता है। यह 4000 वर्गफीट वाले गोदाम के फ्लोर को संक्रमण मुक्त करता है।

कान्ये वेस्ट

अमेरिकी रैपर लड़ेंगे राष्ट्रपति पद का चुनाव

अमेरिकी रैपर और एक्ट्रेस किम कार्दशियन के पति कान्ये वेस्ट ने घोषणा की है कि वे इस साल हो रहे अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगे। कान्ये ने यह जानकारी ट्वीट कर दी थी। इसपर टेस्ला के सीईओ और टेक दिग्गज एलन मस्क ने रिप्लाई देते हुये पूरा समर्थन जताया है। मस्क इससे पहले डेमोक्रेटिक के पूर्व राष्ट्रपति उम्मीदवार एंड्रयू यांग का भी समर्थन कर चुके हैं।

यूपीटीटीआई

बना रहा इलेक्ट्रिकल वर्दी

उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआई) के विशेषज्ञ ऑर्गेनिक पॉलीमर से इलेक्ट्रिक कंडक्टिव (विद्युत सुचालक) धागे बनाने में जुटे हैं, जिससे बनी वर्दी सैनिकों को ठंडे इलाकों में माइनस डिग्री तापमान में भी सामान्य तापमान का एहसास कराएगी। इस प्रोजेक्ट के जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। वर्दी को इस तरह बनाया जा रहा है कि अंदर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचते ही बैटरी का कनेक्शन अपने आप ही कट जायेगा।

जगदीश उपासने

प्रसार भारती भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष बने

प्रसार भारती ने संयुक्त सचिव से कम वेतनमान वाले पदों पर नियुक्ति के लिये अपना भर्ती बोर्ड बनाया है। प्रसार भारती बोर्ड ने भारत प्रकाशन के निदेशक जगदीश उपासने को बोर्ड का पहला अध्यक्ष नामित किया है। प्रसार भारती अधिनियम, 1990 के तहत 1997 में स्वायत्त निकाय के रूप में स्थापित होने के बाद यह प्रसार भारती का पहला भर्ती बोर्ड है।

मर्सिडीज ब्लेक कार

ब्लैक लाइव्स मैटर को समर्थन देने के लिये बनाई गई

मर्सिडीज ने ब्लैक लाइव्स मैटर को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके लिये उसने फॉर्मूला-1 के मौजूदा सीजन के लिये ब्लैक कार बनायी है। 6 बार के वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन मर्सिडीज के ड्राइवर हैं। वे एकमात्र अश्वेत फॉर्मूला-1 रेसर भी हैं। कोरोना के कारण फॉर्मूला-1 का सीजन देरी से शुरू हो रहा है। पहली रेस ऑस्ट्रिया में होगी।

अंतरिक्ष यात्रियों ने

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की बैटरी बदली

नासा अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) और श्रृंखला समूह को ऊर्जा प्रदान करने वाली बैटरी को बदलने के लिये छह घंटे का लंबा स्पेस वॉक पूरा किया। दो अंतरिक्ष यात्री क्रिस कैसिडी और रॉबर्ट बेहेनकेन पुरानी बैटरी बदलने के लिये स्पेस स्टेशन के बाहर आये। उन्होंने स्टार बोर्ड के दो पावर चैनलों में से छह पुरानी निकल-हाइड्रोजन बैटरी में से पांच को निकाला और तीन नई लिथियम - आयान बैटरियों में से दो नई बैटरियों को लगाया।

प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल

द हैरी वॉकर एजेंसी से जुड़े

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल कम्युनिकेशन एजेंसी द हैरी वॉकर के साथ जुड़ गये हैं। इस एजेंसी की क्लाइंट लिस्ट में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और कई नामचीन लोग हैं। अनुबंध के तहत् उनके प्रत्येक व्याख्यान के 9 करोड़ रुपये दिये जायेंगे। यह जोड़ा सामाजिक मुद्दे पर अपने विचार रखेगा।

यूरोपीय संघ ने

कुछ देशों के लिये अपनी बॉर्डर फिर से खोली

यूरोपीय संघ ने 14 देशों के लिये बॉर्डर फिर से खोलने का फैसला लिया है। जिन देशों को यूरोपीयन संघ के देशों में प्रवेश की अनुमति दी जायेगी उनमें कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, उरुग्वे, अल्जीरिया, जॉर्जिया, मोंटेनेग्रो जैसे देश शामिल हैं। वहीं अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते अमेरिका के लिये रोक अभी जारी रहेगी।

नाडा का एप

खिलाड़ियों में जागरूकता के लिये लॉन्च

केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने डोपिंग को रोकने और खिलाड़ियों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी का एप लॉन्च किया। उन्होंने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) का मोबाइल एप लॉन्च करते हुये कहा कि इससे खेलों को साफ-सुथरा रखने में मदद मिलेगी। इसमें प्रतिबंधित प्रदार्थों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई है।

इंद्रमणि पांडे

जिनेवा में यूएन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिये भारत के स्थाई प्रतिनिधि नियुक्त

वरिष्ठ राजनयिक इंद्रमणि पांडे को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिये भारत का स्थाई प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। 1990 बैच के आईएफएस इंद्रमणि फिलहाल मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स में एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत हैं।

के लिउ केकिंग

चीन के राष्ट्रपति का हमशक्ल होने के कारण अकाउंट बैन

चीन के मशहूर ओपेरा सिंगर के लिउ केकिंग को ऑनलाइन सेंसर कर दिया गया है, क्योंकि वे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलती-जुलती शक्ल वाले हैं। रेडियो फ्री इंटरनेशनल के मुताबिक लिउ को छवि के उल्लंघन के चलते सेंसर किया गया है।

'नवदूत' का

परीक्षण रहा सफल

भारतीय रेल ने बैटरी से चलने वाले रेल इंजन का सफल परीक्षण किया है। रेलवे के जबलपुर मंडल में बना नवदूत नामक इंजन डुअल मोड में काम करता है। रेलमंत्री पीयूष गोयल ने नवदूत के सफल परीक्षण की जानकारी देते हुये बताया कि बैटरी से ऑपरेट लोको डीजल और विदेशी मुद्रा की बचत तथा पर्यावरण संरक्षण में एक बड़ा कदम होगा।

स्मृति शेष

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान का निधन

मास्टर जी के नाम से मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान का 71 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्होंने 2000 से अधिक गीतों को कोरियोग्राफ किया था। उनका असली नाम निर्मला नागपाल था। 40 साल के कॅरियर में उन्होंने तीन बार नेशन अवॉर्ड जीता।

गुजराती फिल्मों के अभिनेता दीपक दवे का निधन

गुजराती फिल्मों के अभिनेता और थिएटर कलाकार दीपक दवे का न्यूयॉर्क में निधन हो गया। उन्होंने कई गुजराती फिल्मों, नाटकों और टेलीविजन शो में अभिनय किया था। उनके नाटक 'चिंगारी' को दर्शकों ने काफी सराहा।

जस्टिस बी.एन. पटनायक का निधन

उड़ीसा हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस बिजॉय नारायण पटनायक का 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। जस्टिस नारायण ने 1958 में कटक में प्रैक्टिस शुरू की थी। उनका जन्म 23 जुलाई 1936 को हुआ था।

वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज सर एवर्टन वीक्स का निधन

वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज सर एवर्टन वीक्स का 95 साल की उम्र में निधन हो गया। 22 साल की उम्र में 21 जनवरी 1948 को उन्होंने क्रिकेट में पदार्पण किया था और 1958 में अपना अंतिम मैच खेला था।

मशहूर फिल्म अभिनेता जगदीप का निधन

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और कॉमेडियन जगदीप का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनका असली नाम सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी था। उन्होंने 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था। शोले फिल्म में सूरमा भोपाली के किरदार से उन्हें पहचान मिली थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

धीरे-धीरे जमने वाले भरोसे ज्यादा स्थायी और लंबी यात्रा करते हैं - स्टीवन स्टोस्नी

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए राजस्थान राज्य से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. राजस्थान का वह जिला जो अन्तर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों सीमा रेखायें बनाता है?
(अ) बीकानेर (ब) जैसलमेर
(स) भरतपुर (द) श्रीगंगानगर
2. राजस्थान के किस जिले में पेट्रोलियम के भण्डार मिले हैं?
(अ) बाडमेर (ब) नागौर
(स) जालौर (द) जयपुर
3. स्वतंत्रता से पहले राजस्थान का क्षेत्र कहलाता था?
(अ) राजपूताना (ब) संयुक्त प्रांत
(स) मध्य प्रांत (द) बंग प्रदेश
4. राजस्थान के इतिहास के प्रणेता कहे जाते हैं?
(अ) हेरोडोटस
(ब) कर्नल टॉड
(स) जार्ज टामस
(द) इनमें से कोई नहीं
5. राजस्थान में सिंधु घाटी सभ्यता के समकालीन अवशेष कहां से प्राप्त हुए?
(अ) कालीबंगा (ब) बैराठ
(स) बालाथल (द) बागौर
6. निम्न में से कौनसा नेशनल पार्क राजस्थान में है?
(अ) रणथम्बौर नेशनल पार्क
(ब) सरिस्का नेशनल पार्क
(स) कैवलादेव नेशनल पार्क
(द) उपरोक्त सभी
7. पुष्कर झील राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(अ) उदयपुर (ब) अजमेर
(स) बीकानेर (द) जोधपुर
8. कौन सी पर्वत श्रृंखला राजस्थान में है?
(अ) नीलगिरी पर्वत
(ब) सहयाद्रि पर्वत
(स) अरावली पर्वत
(द) इनमें से कोई नहीं
9. सवाई जयसिंह ने किस स्थान पर वेधशाला का निर्माण कराया था?
(अ) उज्जैन (ब) जयपुर
(स) दिल्ली (द) उपरोक्त सभी
10. तराइन के प्रथम युद्ध में किसकी विजय हुई?
(अ) अजयराज
(ब) महाराणा सांगा
(स) मोहम्मद गौरी
(द) पृथ्वीराज चौहान
11. कौन सी नदी राजस्थान से प्रवाहित नहीं होती है?
(अ) चम्बल (ब) पार्वती
(स) बनास (द) बेतवा
12. निम्न में से कौनसी नदी मध्यप्रदेश-राजस्थान-गुजरात में प्रवाहित होती है ?
(अ) साबरमती
(ब) कालीसिंध
(स) माही
(द) चम्बल
13. माही नदी किस खाड़ी में जाकर गिरती है?
(अ) खम्बात की खाड़ी
(ब) कच्छ की खाड़ी
(स) बंगाल की खाड़ी
(द) मन्नार की खाड़ी
14. राजस्थान की सीमा किस राज्य से स्पर्श नहीं होती है?
(अ) पंजाब (ब) हरियाणा
(स) गुजरात (द) महाराष्ट्र
15. राजस्थान का मकराना किसके लिए विश्व प्रसिद्ध है?
(अ) संगमरमर (ब) नमक
(स) तांबा (द) लोहा
16. बनास नदी किसकी सहायक नदी है?
(अ) चम्बल
(ब) माही
(स) साबरमती
(द) ताप्ती
17. खेतड़ी किस खनिज उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है?
(अ) एल्यूमिनियम (ब) तांबा
(स) सोना (द) चांदी
18. खनिजों का अजायबघर किस राज्य को कहा जाता है?
(अ) सिक्किम
(ब) झारखण्ड
(स) राजस्थान
(द) अरुणाचल प्रदेश
19. राजस्थान का मैनचेस्टर किस शहर को कहा जाता है?
(अ) बासवाड़ा (ब) भीलवाड़ा
(स) जयपुर (द) उदयपुर
20. झीलों से नमक उत्पादन में कौन सा राज्य अग्रणी है?
(अ) राजस्थान (ब) केरल
(स) गुजरात (द) महाराष्ट्र
21. लूनी नदी का बेसिन किन दो राज्यों में फैला हुआ है?
(अ) राजस्थान - मध्यप्रदेश
(ब) राजस्थान - पंजाब
(स) राजस्थान - गुजरात
(द) राजस्थान - हरियाणा
22. राजस्थान का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है?
(अ) गुरुशिखर
(ब) दिलवाड़ा शिखर
(स) कुम्भलगढ़ शिखर
(द) जयराज की पहाड़ी
23. भारत का सबसे प्राचीन पर्वत है?
(अ) हिमालय पर्वत
(ब) सतपुड़ा पर्वत
(स) विंध्याचल पर्वत
(द) अरावली पर्वत
24. राजस्थान में कौन सी जनजाति निवास नहीं करती है?
(अ) भील (ब) मीणा
(स) गरासिया (द) संथाल
25. राजस्थान के किस जिले की सीमा मध्यप्रदेश एवं गुजरात से लगी हुई है?
(अ) बांसवाड़ा (ब) प्रतापगढ़
(स) उदयपुर (द) धौलपुर
26. कोटा नगर किस नदी के किनारे पर बसा हुआ है?
(अ) लूनी नदी (ब) माही नदी
(स) चम्बल नदी (द) पार्वती नदी
27. राणाप्रताप सागर डैम किस नदी पर स्थित है?
(अ) चम्बल नदी
(ब) पार्वती नदी
(स) लूनी नदी
(द) इनमें से कोई नहीं
28. कौन सा परमाणु ऊर्जा केन्द्र राजस्थान में स्थित है?
(अ) तारापुर परमाणु ऊर्जा केन्द्र
(ब) कैगा परमाणु ऊर्जा केन्द्र
(स) कलपक्कम परमाणु ऊर्जा केन्द्र
(द) रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केन्द्र
29. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के किस नगर की जनसंख्या दस लाख से अधिक नहीं है?
(अ) जयपुर (ब) जोधपुर
(स) कोटा (द) उदयपुर
30. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान का लिंगानुपात है?
(अ) 928 (ब) 940
(स) 990 (द) 800
31. राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा प्रदेश है, यह भारत के कुल कितने प्रतिशत क्षेत्रफल को घेरे हुए है?
(अ) 9.1 प्रतिशत
(ब) 10.4 प्रतिशत
(स) 5.8 प्रतिशत
(द) 7.7 प्रतिशत
32. आमेर, जल महल एवं नाहरगढ़ का किला किस शहर में स्थित है?
(अ) उदयपुर (ब) अजमेर
(स) जोधपुर (द) जयपुर
33. निम्न में से किस राज्य से कर्क रेखा नहीं गुजरती है?
(अ) राजस्थान (ब) गुजरात
(स) पश्चिम बंगाल (द) असम
34. राजस्थान के पश्चिमी भाग में कौन-सा मरुस्थल है?
(अ) थार का मरुस्थल
(ब) गौबी का मरुस्थल
(स) बीहड़
(द) इनमें से कोई नहीं
35. मिलिटरी स्कूल कहां स्थित है?
(अ) जयपुर (ब) अजमेर
(स) भीलवाड़ा (द) कोटा
36. एअरफोर्स फ्लाइंग कॉलेज कहां स्थित है?
(अ) जोधपुर (ब) कोटा
(स) श्रीगंगानगर (द) जयपुर
37. सेण्ट्रल एरिड जोन रिसर्च इन्स्टीट्यूट कहां स्थित है?
(अ) भीलवाड़ा (ब) जोधपुर
(स) अजमेर (द) उदयपुर
38. हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड का मुख्यालय कहां स्थित है?
(अ) भीलवाड़ा (ब) उदयपुर
(स) अजमेर (द) जोधपुर
39. केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान कहां स्थित है?
(अ) पिलानी
(ब) श्रीगंगानगर
(स) अजमेर
(द) सवाई माधोपुर
40. सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम कहां स्थित है?
(अ) जयपुर (ब) कोटा
(स) जोधपुर (द) उदयपुर
41. पुष्कर का पुराना नाम क्या था?
(अ) कोंकण तीर्थ
(ब) ब्रजनगर
(स) अजयमेरु
(द) कोठी
42. राजस्थान का कौन-सा शहर कर्क रेखा के सबसे नजदीक स्थित है -
(अ) बासवाड़ा
(ब) अजमेर
(स) कोटा
(द) इनमें से कोई नहीं
43. राजस्थान की कौन-सी नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है?
(अ) चम्बल नदी
(ब) माही नदी
(स) साबरमती नदी
(द) बनास नदी
44. राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा की लम्बाई है?
(अ) 1070 कि.मी.
(ब) 650 कि.मी.
(स) 721 कि.मी.
(द) 710 कि.मी.
45. राजस्थान का कौन-सा जिला अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगा हुआ है?
(अ) श्रीगंगानगर (ब) बीकानेर
(स) जैसलमेर (द) उपरोक्त सभी
46. राजस्थान की सीमा सबसे कम किस प्रदेश से स्पर्श होती है?
(अ) मध्यप्रदेश (ब) पंजाब
(स) हरियाणा (द) गुजरात
47. राजस्थान की कौन-सी झील नमक उत्पादन में अग्रणी है -
(अ) डीडवाना झील
(ब) सांभर झील
(स) पिछोला झील
(द) पुष्कर झील
48. मरुभूमि राष्ट्रीय उद्यान कहां स्थित है?
(अ) जैसलमेर (ब) बीकानेर
(स) जयपुर (द) बाड़मेर
49. मरुस्थल का प्रवेश द्वार किस नगर को कहां जाता है?
(अ) जयपुर (ब) जोधपुर
(स) जैसलमेर (द) हनुमानगढ़
50. प्रसिद्ध देव दर्शन स्थल गोगामेडी किस जिले में स्थित है?
(अ) श्रीगंगानगर (ब) बीकानेर
(स) जैसलमेर (द) हनुमानगढ़

उत्तरमाला

1. द, 2. अ, 3. अ, 4. ब, 5. अ, 6. द, 7. ब, 8. स, 9. द, 10. द, 11. द, 12. स, 13. अ, 14. द, 15. अ, 16. अ, 17. ब, 18. स, 19. ब, 20. अ, 21. स, 22. अ, 23. द, 24. द, 25. अ, 26. स, 27. अ, 28. द, 29. द, 30. अ, 31. ब, 32. द, 33. द, 34. अ, 35. ब, 36. अ, 37. ब, 38. ब, 39. अ, 40. अ, 41. अ, 42. अ, 43. ब, 44. अ, 45. द, 46. ब, 47. ब, 48. अ, 49. ब, 50. द

- डॉ संदीप सारवान
(लेखक, शासकीय महाविद्यालय टोंकखुर्द देवास में भूगोल विषय के सहायक प्राध्यापक हैं)

फिल्मों तथा सीरियलों की शूटिंग के लिए एमपी टूरिज़्म ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल, मध्यप्रदेश की खूबसूरत लोकेशन्स पर एक बार फिर फिल्मों, सीरियलों एवं वेब सीरिज की शूटिंग शीघ्र ही प्रारंभ हो सकेगी, इसके लिए मध्यप्रदेश पर्यटन निगम की ओर से फिल्मों एवं सीरियलों की शूटिंग के लिए एडवाइजरी जारी की गई है।

मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक सुश्री सोनिया मीणा ने बताया कि इस एडवाइजरी में भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार नियम बनाये गये हैं। शासन द्वारा समय-समय पर संशोधित दिशा-निर्देश के साथ ही इस एडवाइजरी में भी संशोधन किया जा सकता है। एडवाइजरी को पब्लिक डोमेन में दिया गया है। शूटिंग के लिए बहुत सारे फिल्मों और सीरियलों प्रोड्यूसर्स-डायरेक्टर्स काफी समय से कॉन्टेक्ट करके शूटिंग की अनुमति चाह रहे थे, वे अब टूरिज़्म बोर्ड द्वारा दी गई गाइडलाइन का पालन करते हुए शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इसके लिए स्थानीय जिला प्रशासन को सूचित करने के साथ ही अलग निर्देश होने पर उनका पालन करते हुए शूटिंग रिज्यूम की जा सकती है। निश्चित तौर पर प्रदेश में शूटिंग प्रारंभ होने से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोज़गार के अवसर मिल सकेंगे।

शूटिंग पर होंगे सिर्फ 15 क्रू मेंबर्स, इक्विपमेंट्स रोज करना होंगे सेनेटाइज़

मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड के फिल्म फैसिलिटेशन सेल ने एडवाइज़री गाइडलाइन्स 'टू री-स्टार्ट फिल्म शूटिंग इन मध्यप्रदेश' जारी की है। गाइडलाइन के अनुसार शूटिंग में भाग लेने वाले लोगों को हेल्थ डिक्लेरेशन फॉर्म 'एनेक्जर-ए' (ANNEXURE 'A') भरना होगा। यह फॉर्म निर्माता द्वारा संबंधित पदाधिकारी को फिल्म शूट की अनुमति के लिए भी प्रस्तुत करना होगा। एडवाइजरी के अंतर्गत लोकेशन पर 15 क्रू मेंबर इनडोर शूटिंग के लिए तथा ऑउटडोर पर 30 व्यक्तियों की ही अनुमति होगी, साथ ही शूटिंग इक्विपमेंट्स रोजाना सेनेटाइज करना होंगे।

कोरोना पॉजिटिव मिलते ही लोकेशन होगी खाली

- अगर कोई व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाया जाता है, तो उस व्यक्ति को तुरंत आइसोलेट कर दिया जाएगा और शूटिंग लोकेशन को तुरंत खाली करा दिया जाएगा।
- उस व्यक्ति से जो भी कॉन्टेक्ट में आया होगा उस व्यक्ति की जांच की जाएगी और तुरंत पूरे क्रू मेंबर्स को आइसोलेट कर दिया जाएगा।
- स्टूडियो लोकेशन को पूरी तरह से खाली करने के बाद सेनेटाइज करना अनिवार्य होगा।

हैंडलिंग ऑफ इक्विपमेंट

- शूटिंग से पहले और शूटिंग के बाद सभी इक्विपमेंट्स को रोजाना सेनेटाइज करना होगा।
- हर डिपार्टमेंट के मेंबर्स को ब्रेक के दौरान इस्तेमाल किए गए गियर्स को डिसइनफेक्ट करना होगा।

प्राइवेट लोकेशन पर शूटिंग

- अगर किसी प्राइवेट लोकेशन पर शूटिंग की जाती है, तो प्रॉपर्टी ऑनर के साथ एग्रीमेंट के तहत ही फिल्मांकन किया जा सकेगा।
- लोकेशन को शूटिंग के पहले और शूटिंग के बाद में प्रॉपर तरीके से सेनेटाइज करना होगा।
- शूटिंग लोकेशन पर किसी भी बाहरी व्यक्ति को एंट्री नहीं होगी एवं लोकेशन्स पर शूटिंग देखने हेतु भीड़-भाड़ न हो यह भी सुनिश्चित किया जाएगा।

शूटिंग के दौरान हेल्थ और सेफ्टी मेज़र्स

- शूटिंग के दौरान बार-बार हाथ धोना होगा और हैंड सेनेटाइजर का इस्तेमाल भी करना होगा।
- फेस कवर मास्क शूटिंग लोकेशन पर अनिवार्य होगा।
- शूटिंग के समय एक नोडल पर्सन और हेल्थ रिप्रेजेंटेटिव डॉक्टर के साथ फिल्म लोकेशन पर अपॉइंट करना होगा।

कास्ट और क्रू मैनेजमेंट के लिए रूल्स

- सोशल डिस्टेंसिंग के लिए एक लोकेशन पर 15 लोग इंडोर शूटिंग के लिए और आउटडोर शूटिंग में सिर्फ 30 लोगों को ही अनुमति होगी।
- शूटिंग लोकेशन पर सिर्फ उन लोगों को रहने की अनुमति होगी, जो आइडेंटिफाइड होंगे चाहे वह एक्टर हो एक्टेस हो या टेक्नीशियन।
- शूटिंग लोकेशन में एंट्री से पहले आईआर थर्मामीटर से बुखार चेक किया जाएगा अगर 37.3 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बुखार है तो आइसोलेट होकर रहना होगा।
- फिल्मिंग लोकेशन पर सिर्फ लिमिटेड एसेंशियल सर्विसेज ही अलाउड होंगी।

नर्सिंग चयन परीक्षा 2020 के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

भौतिकी

1. एक चल कुण्डल धारामापी का प्रतिरोध G है तथा इसके पूर्ण स्केल विक्षेप के लिए आवश्यक धारा I_g है। इसे V वोल्ट के परास के वोल्टमीटर में बदलने के लिए धारामापी के साथ श्रेणीक्रम में R प्रतिरोध लगाते हैं। इस R का मान होगा :
(A) $V-I_gG$
(B) $V+I_gG$
(C) $\frac{V-I_gG}{I_g}$
(D) $\frac{V+G}{I_g}$
उत्तर (C) $\frac{V-I_gG}{I_g}$

2. एक कण पर आवेश q है तथा यह वेग v से गतिमान है। यदि इस पर विद्युत क्षेत्र $\vec{E}$ तथा चुम्बकीय क्षेत्र $\vec{B}$ दोनों ही कार्यरत हैं। कण पर लगने वाला लारेन्ट्ज बल $\vec{F}$ का मान होगा :
(A) $\vec{F}=q\left[\vec{E}+\left(\vec{v}\times\vec{B}\right)\right]$
(B) $\vec{F}=q\left[\vec{E}+\left(\vec{v}\cdot\vec{B}\right)\right]$
(C) $\vec{F}=q\vec{E}+\left(\vec{v}\times\vec{B}\right)$
(D) $\vec{F}=q\vec{E}+\vec{v}\cdot\vec{B}$
उत्तर (A) $\vec{F}=q\left[\vec{E}+\left(\vec{v}\times\vec{B}\right)\right]$

3. द्रव्यमान m तथा आवेश q का एक आवेशित कण चुम्बकीय तीव्रता B के एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र में R त्रिज्या के वृत्ताकार पथ पर गतिमान है। कण की आवृत्ति होगी :
(A) $\frac{qB}{2\pi mR}$
(B) $\frac{qB}{2\pi m}$
(C) $\frac{qB}{mR}$
(D) $\frac{2\pi m}{qB}$
उत्तर (B) $\frac{qB}{2\pi m}$
व्याख्या - यहाँ $F = qvB = \frac{mv^2}{R}$ से
$v=\frac{qBR}{m}$ होगा। अतः आवृत्ति
$f=\frac{v}{2\pi R}=\frac{qB}{2\pi m}$ होगा।

4. समान विद्युत आवेश वाले दो कण समान गतिज ऊर्जा से एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। यदि कणों के वृत्तीय पथों की त्रिज्याएं R_1 तथा R_2 हों, तो उनके द्रव्यमानों का अनुपात होगा :
(A) $\frac{R_1}{R_2}$
(B) $\frac{R_2}{R_1}$
(C) $\left(\frac{R_1}{R_2}\right)^2$
(D) $\sqrt{\frac{R_1}{R_2}}$
उत्तर (C) $\left(\frac{R_1}{R_2}\right)^2$
व्याख्या - यहाँ $F = qvB = \frac{mv^2}{R}$ से
$\frac{m_1v_1}{m_2v_2}=\frac{R_1}{R_2}$ है अब
$K=\frac{m_1v_1^2}{2}=\frac{m_2v_2^2}{2}$ से
$\frac{v_1}{v_2}=\sqrt{\frac{m_2}{m_1}}$ है।
अतः $\frac{m_1}{m_2}=\left(\frac{R_1}{R_2}\right)^2$ होगा।

5. एक विभवमापी में एक सेल के लिए संतुलन लम्बाई 65 सेमी है। दूसरे सेल का वि.वा. बल पहले सेल से 0.1V कम है तथा इसके लिए संतुलन लम्बाई 60 सेमी आती है। सेल के वि.वा. बलों E_1 तथा E_2 के मान होंगे :
(A) $E_1 = 1.3V, E_2 = 1.2V$
(B) $E_1 = 1.5V, E_2 = 1.4V$
(C) $E_1 = 2.0V, E_2 = 1.9V$
(D) $E_1 = 1.6V, E_2 = 1.5V$
उत्तर (A) $E_1 = 1.3V, E_2 = 1.2V$
व्याख्या - यहाँ $\frac{E_1}{E_2}=\frac{l_1}{l_2}$ से
$\frac{E_1}{E_1-0.1}=\frac{65}{60}$ है।
अतः $E_1 = 1.3V$ होगा।

6. एक विभवमापी में तार के पदार्थ का विशिष्ट प्रतिरोध x तथा ताप गुणांक y हैं। इनके मान होने चाहिए :
(A) x तथा y दो उच्च
(B) x तथा y दो अल्प
(C) x अल्प तथा y उच्च
(D) x उच्च तथा y अल्प
उत्तर (B) x तथा y दो अल्प

7. एक लम्बी धारावाही परिनालिका में I एम्पीयर की धारा प्रवाहित हो रही है तथा इसमें प्रति मीटर n फेरे हैं। परिनालिका के सिरों पर चुम्बकी क्षेत्र B है। इनमें संबंध है :
(A) $B\propto n, B\propto\frac{1}{I}$
(B) $B\propto n, B\propto I$
(C) $B\propto\frac{1}{n}, B\propto\frac{1}{I}$
(D) $B\propto\frac{1}{n}, B\propto I$
उत्तर (B) $B\propto n, B\propto I$

8. एक स्पर्शज्या धारामापी में 2 एम्पीयर धारा प्रवाहित करने पर विक्षेप 30° आता है। यदि विक्षेप 60° हो, तो धारा का मान होगा :
(A) 4 एम्पीयर
(B) 3 एम्पीयर
(C) 1.5 एम्पीयर
(D) 6 एम्पीयर
उत्तर (D) 6 एम्पीयर
व्याख्या - यहाँ $\frac{I_1}{I_2}=\frac{\tan 30^\circ}{\tan 60^\circ}$ से
$\frac{2}{I_2}=\frac{1/\sqrt{3}}{\sqrt{3}}=\frac{1}{3}$ है।

9. एक आदर्श वोल्टमीटर तथा आदर्श एमीटर के प्रतिरोध R_1 तथा R_2 हैं। इनके सही मान हैं :
(A) $R_1 = R_2 = 0$
(B) $R_1 = 0$ तथा $R_2 =$ अनन्त
(C) $R_1 =$ अनन्त तथा $R_2 = 0$
(D) $R_1 = R_2 =$ अनन्त
उत्तर (C) $R_1 =$ अनन्त तथा $R_2 = 0$

10. एक अनन्त लम्बे रेखीय चालक से 10 सेमी की दूरी पर चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता 10^{-5} वेबर/मीटर² है। चालक में प्रवाहित धारा का मान होगा :
(A) 5A
(B) 10A
(C) 2.5A
(D) 2.0A
उत्तर (A) 5A
व्याख्या - यहाँ $B=\frac{\mu_0}{4\pi}\times\frac{2I}{r}$ से
$10^{-5}=\frac{10^{-7}\times 2I}{0.1}$ है।

11. एम एमीटर की कुण्डली का प्रतिरोध 50 ओम है। इसके स्केल को 10 गुना करने के लिए आवश्यक शण्ट प्रतिरोध होगा :
(A) 5 ओम
(B) 10 ओम
(C) 0.5 ओम
(D) $\frac{50}{9}$ ओम
उत्तर (D) $\frac{50}{9}$ ओम
व्याख्या - यहाँ
$S=\frac{I_gG}{I-I_g}=\frac{I_g\times 50}{10I_g-I_g}=\frac{50}{9}$ है।

12. इलेक्ट्रॉन को 150 वोल्ट तथा 300 वोल्ट तक आवेशित करने पर डी-ब्रोगली तरंगदैर्ध्यों का अनुपात होगा :
(A) 1 : 1 (B) 1 : 2
(C) 2 : 1 (D) $\sqrt{2}$:1
उत्तर (D) $\sqrt{2}$:1
व्याख्या - यहाँ $\frac{\lambda_1}{\lambda_2}=\sqrt{\frac{v_2}{v_1}}=$
$\sqrt{\frac{300}{150}}=\sqrt{2}:1$ है।

13. इलेक्ट्रॉन वोल्ट किसका मात्रक है :
(A) आवेश
(B) प्लांक नियतांक
(C) शक्ति
(D) ऊर्जा
उत्तर (D) ऊर्जा

14. 1eV का मान होता है :
(A) 1.6×10^{-19} जूल
(B) 2.0×10^{-5} जूल
(C) 1.6×10^{-13} जूल
(D) 4.0×10^{-6} जूल
उत्तर (A) 1.6×10^{-19} जूल
व्याख्या - यहाँ
$W = qv = 1.6\times10^{-19}\times1$ जूल है।

15. एक इलेक्ट्रॉन अनुप्रस्थ चुम्बकीय क्षेत्र B में चाल v से त्रिज्या r के वृत्तीय पथ पर गति कर रहा है। इलेक्ट्रॉन के विशिष्ट आवेश का मान होगा :
(A) $\frac{v}{Br}$ (B) Bvr
(C) $\frac{vr}{B}$ (D) $\frac{Br}{v}$
उत्तर (A) $\frac{v}{Br}$
व्याख्या - यहाँ $F = Bev = \frac{mv^2}{r}$ से
विशिष्ट आवेश $\frac{e}{m}=\frac{v}{Br}$ होगा।

16. X-किरण नलिका में विभव V लगाकर इलेक्ट्रॉनों को त्वरित करने पर उत्पन्न X-किरणों की न्यूनतम तरंगदैर्ध्य का मान होगा :
(A) $\frac{C}{heV}$ (B) $\frac{Vc}{he}$
(C) $\frac{hc}{eV}$ (D) $\frac{eV}{hc}$
उत्तर (C) $\frac{hc}{eV}$
व्याख्या - यहाँ $E=\frac{hc}{\lambda}=eV$ है।

17. प्रकाश विद्युत प्रभाव के लिए उत्सर्जित फोटो इलेक्ट्रॉनों की अधिकतम गतिज ऊर्जा E_k तथा आपतित फोटॉनों की आवृत्ति υ में एक ग्राफ़ खींचा गया है। इस वक्र के ढाल (Slope) से ज्ञात कर सकते हैं :
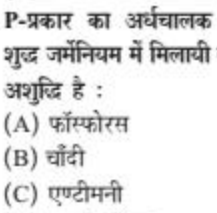

(A) प्लांक नियतांक h
(B) इलेक्ट्रॉन की तरंगदैर्ध्य
(C) धातु का कार्य फलन W
(D) $\frac{e}{m}$
उत्तर (A) प्लांक नियतांक h
व्याख्या - यहाँ $E_k = h\upsilon$ है।

18. एक कण का द्रव्यमान m तथा वेग v हैं। इनके संगत डी-ब्रोगली तरंगदैर्ध्य का मान होगा :
(A) mvh
(B) $\frac{mv}{h}$
(C) $\frac{mh}{v}$
(D) $\frac{h}{mv}$
उत्तर (D) $\frac{h}{mv}$
व्याख्या - यहाँ तरंगदैर्ध्य $\lambda=\frac{h}{p}=\frac{h}{mv}$ है।

19. नैज अर्धचालक में ऊर्जा अन्तराल होता है :
(A) 0.5 eV (B) 1.0 eV
(C) 5.0 eV (D) 2.0 eV
उत्तर (B) 1.0 eV

20. एक अर्धचालक में इलेक्ट्रॉन सान्द्रता 8×10^{13} प्रतिघन सेमी तथा होल (विवर) सान्द्रता 5×10^{12} प्रतिघन सेमी हैं। यह अर्धचालक है :
(A) N-प्रकार का
(B) नैज अर्धचालक
(C) P-प्रकार का
(D) विद्युत रोधी
उत्तर (A) N-प्रकार का

21. P-प्रकार का अर्धचालक बनाने में शुद्ध जर्मेनियम में मिलायी जाने वाली अशुद्धि है :
(A) फॉस्फोरस
(B) चाँदी
(C) एण्टीमनी
(D) एल्यूमिनीयम
उत्तर (D) एल्यूमिनीयम
व्याख्या - इसकी संयोजकता 3 है।

22. अवक्षय पर्त में होते हैं :
(A) केवल विवर
(B) केवल इलेक्ट्रॉन
(C) विवर तथा इलेक्ट्रॉन दोनों
(D) विवर तथा इलेक्ट्रॉन दोनों नहीं
उत्तर (D) विवर तथा इलेक्ट्रॉन दोनों नहीं

23. एक अर्ध तरंग दिष्टकारी में निवेशित प्रत्यावर्ती धारा की आवृत्ति 50 हर्ट्ज है। इससे निर्गत विभव की आवृत्ति होगी :
(A) 60 हर्ट्ज
(B) 30 हर्ट्ज
(C) 50 हर्ट्ज
(D) 100 हर्ट्ज
उत्तर (C) 50 हर्ट्ज

24. एक फोटान की तरंगदैर्ध्य 5000 Å है। यदि $h = 6.63\times10^{-34}$ जूल × सेकण्ड हो, तो इनकी ऊर्जा होगी :
(A) 4×10^{-19} जूल
(B) 4×10^{-13} जूल
(C) 5×10^{-6} जूल
(D) 6×10^{-17} जूल
उत्तर (A) 4×10^{-19} जूल

25. एक विभवमापी में तार की कुल लम्बाई 10 मीटर है। दो सेलों के लिए संतुलन लम्बाईयों का अन्तर 60 सेमी है। यदि सेलों के वि.वा. बलों का अन्तर 0.4 वोल्ट हो, तो विभव प्रवणता का मान होगा :
(A) 0.01 वोल्ट/सेमी
(B) $\frac{1}{150}$ वोल्ट/सेमी
(C) $\frac{1}{120}$ वोल्ट/सेमी
(D) 0.5 वोल्ट/सेमी
उत्तर (B) $\frac{1}{150}$ वोल्ट/सेमी
व्याख्या - यहाँ $E_1 - E_2 = K(l_1 - l_2)$ से
$0.4 = K\times60$ है।

26. संलग्न चित्र में धारा I_1 तथा I_2 के मान हैं :
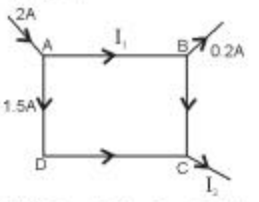

(A) $I_1 = 0.5A, I_2 = 1.4A$
(B) $I_1 = 0.3A, I_2 = 1.7A$
(C) $I_1 = 0.3A, I_2 = 1.8A$
(D) $I_1 = 0.5A, I_2 = 1.8A$
उत्तर (D) $I_1 = 0.5A, I_2 = 1.8A$
व्याख्या - किरचॉफ के प्रथम नियम से संधि पर $\sum I = 0$ है।

27. बोहर के हाइड्रोजन परमाणु सिद्धान्त के अनुसार कक्ष की त्रिज्या r तथा कक्ष की संख्या n में संबंध होता है :
(A) $r\propto n$ (B) $r\propto\frac{1}{n}$
(C) $r\propto n^{3/2}$ (D) $r\propto n^2$
उत्तर (D) $r\propto n^2$

28. हाइड्रोजन स्पेक्ट्रम की द्वितीय कक्ष में इलेक्ट्रॉन की ऊर्जा होती है :
(A) -13.6 eV
(B) -1.51 eV
(C) -3.4 eV
(D) -2.1 eV
उत्तर (C) -3.4 eV
व्याख्या - यहाँ $E_n=\frac{13.6}{n^2}$ है।

- डॉ. एस.एस. पालीवाल
(लेखक, भौतिकी के अवकाश प्राप्त प्राध्यापक हैं)

नितिन मेनन

अंपायरिंग के क्षेत्र में नये मुकाम कर रहे हैं हासिल

क्रिकेट की पहचान विश्व के लोकप्रिय खेलों में की जाती है। भारत में आज जितना क्रिकेट और क्रिकेटरों को खेल प्रेमियों का समर्थन मिलता है, उतनी लोकप्रियता किसी अन्य खेल को नहीं मिली है। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है। क्रिकेट की यह विशिष्ट पहचान बनाने में जितना योगदान खिलाड़ियों का होता है, उतनी ही बड़ी भूमिका अंपायर की भी होती है। अंपायर मैच के दौरान मैदान पर खेल को निष्पक्ष रूप से संचालित रखता है। विश्व क्रिकेट में कुछ ही ऐसे अंपायर हुए हैं जिन्होंने अपने टेलेंट के दम पर अलग मुकाम हासिल किए हैं। ऐसे ही एक अंपायर हैं नितिन मेनन, जो विश्व क्रिकेट में भारत को गौरवान्वित कर रहे हैं। नितिन मेनन की गिनती विश्व के शीर्ष अंपायरों में की जा रही है। नितिन की अंपायरिंग स्किल्स और सटीक निर्णय लेने की क्षमता को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने नितिन मेनन को अंपायर्स एलीट पैनल में शामिल किया है। आईसीसी द्वारा हाल ही में जारी 12 सदस्यीय अंपायर्स एलीट पैनल में नितिन एकमात्र भारतीय हैं।

एलीट पैनल में शामिल होने वाले सबसे युवा अंपायर

आईसीसी प्रत्येक सत्र के लिए अंपायरों के एलीट पैनल का चयन करता है। आईसीसी ने अंपायर्स एलीट पैनल की वार्षिक समीक्षा के बाद 2020-21 सत्र के लिए नितिन मेनन को एलीट पैनल में जगह दी है। आईसीसी के जनरल मैनेजर ऑफ क्रिकेट ज्योफ एलार्डाइस की अध्यक्षता वाली समिति ने नितिन के नाम पर सहमति जताई। इस समिति में भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर, श्रीलंका के रंजन मदुगले और ऑस्ट्रेलिया के डेविड बून भी शामिल हैं। समिति ने एलीट पैनल में अलीम डार, कुमार धर्मसेना, मरायस एरास्मस, क्रिस गॉफने, माइकल गॉग, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड कैटलबोरो, ब्रूस ऑक्सनफोर्ड, पॉल रीफेल, रॉड टकर और जोएल विल्सन को बरकरार रखा है। 36 वर्षीय नितिन आईसीसी अंपायर्स एलीट पैनल में शामिल होने वाले सबसे युवा अंपायर बन गए हैं। आईसीसी ने अंपायर्स एलीट पैनल से इंग्लैंड के नाइजल लॉन्ग को हटाकर नितिन को शामिल किया है। लॉन्ग को खराब प्रदर्शन के चलते एलीट पैनल से बाहर किया गया है। लॉन्ग ने 28 सितम्बर 2017 के बाद से अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 36.2 प्रतिशत निर्णय ऐसे दिए थे, जो डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के कारण बदले गए थे। इसके बाद से ही लॉन्ग की अंपायरिंग पर सवाल उठने शुरू हो गए थे।

एलीट पैनल में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय

नितिन ने अपने अंपायरिंग कॅरियर के आगाज के 13 वर्ष बाद ही अंपायर्स एलीट पैनल में जगह बनाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नितिन इस पैनल में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय अंपायर हैं। नितिन से पहले श्रीनिवास वेंकटराघवन और सुंदरम रवि भी अंपायर्स एलीट पैनल में जगह बना चुके हैं। गौरतलब है कि वेंकटराघवन भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर रह चुके हैं। वर्ष 1975 और 1979 में आयोजित हुए क्रिकेट वर्ल्डकप में वेंकटराघवन ने भारतीय टीम की कमान संभाली थी। वेंकटराघवन ने भारत के लिए 57 टेस्ट मैच खेले और 156 विकेट लिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वेंकटराघवन ने अंपायरिंग में हाथ आजमाया। अंपायरिंग के क्षेत्र में भी वेंकटराघवन ने बढ़िया प्रदर्शन किया। वेंकटराघवन ने वर्ष 1993 से 2004 के बीच 73 टेस्ट और 52 वन-डे मैचों में अंपायर की भूमिका निभाई। वेंकटराघवन की ही तरह सुंदरम रवि ने भी अंपायरिंग के क्षेत्र में काफी नाम कमाया है। रवि को वर्ष 2015 में अंपायर्स एलीट पैनल में शामिल किया गया था। रवि ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 33 टेस्ट, 48 वन-डे और 26 टी-20 मैचों में अंपायरिंग की है। रवि वर्ष 2019 तक अंपायर्स एलीट पैनल का हिस्सा रहे हैं।

नितिन को अंपायरिंग का है बड़ा अनुभव

नितिन मेनन की उम्र अंपायरिंग के लिहाज से भले ही कम हो, लेकिन उन्हें अंपायरिंग का बड़ा अनुभव है। नितिन मेनन 3 टेस्ट, 24 वन-डे और 16 टी-20 सहित 43 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। नितिन वर्ष 2017 से वन-डे और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की अंपायरिंग कर रहे हैं, जबकि टेस्ट मैचों में अंपायरिंग का मौका उन्हें वर्ष 2019 में मिला। अंपायर्स एलीट पैनल में शामिल होने के बाद नितिन ने कहा कि इस पैनल में जगह बनाना मेरे लिए सम्मान और गर्व की बात है। दुनिया के प्रमुख अंपायरों और रैफरियों के साथ काम करना मेरा सपना रहा है। नितिन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में अंपायरिंग करना बहुत चैलेंजिंग है। रणजी ट्रॉफी में अंपायरिंग का अनुभव टेस्ट मैचों में काम आयेगा। नितिन ने कहा कि क्रिकेट में प्रदर्शन मायने रखता है, उम्र नहीं। मैं अच्छा प्रदर्शन करूं या नहीं, इसमें उम्र का बहुत कम लेना-देना है।

मध्यप्रदेश के लिए खेल चुके हैं क्रिकेट

नितिन मेनन मध्यप्रदेश के लिए क्रिकेट खेल चुके हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर में रहने वाले नितिन ने अंडर-16, अंडर-19, अंडर-22 और लिस्ट-ए क्रिकेट में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है। खिलाड़ी के रूप में ज्यादा सफल नहीं होने के बाद नितिन ने वर्ष 2006 में बीसीसीआई की अखिल भारतीय अंपायरिंग परीक्षा पास की और वर्ष 2007-08 सत्र से घरेलू मैचों में अंपायरिंग शुरू की। नितिन बताते हैं कि मेरी प्राथमिकता अंपायरिंग नहीं बल्कि देश के लिए खेलना थी, लेकिन मुझे पहचान अंपायर के रूप में मिली है।

उन्होंने कहा कि एक ही समय में खेलना और अंपायरिंग करना एक साथ मुश्किल था इसलिए मैंने सिर्फ अंपायरिंग पर ध्यान देने का फैसला किया। नितिन ने 22 वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना छोड़ दिया था और 23 वर्ष की आयु से ही अंपायरिंग शुरू कर दी थी।

पिता की सलाह पर बने अंपायर

नितिन मेनन को अंपायर बनने की प्रेरणा उनके पिता नरेन्द्र मेनन से मिली। नरेन्द्र मेनन स्वयं अंतर्राष्ट्रीय अंपायर रह चुके हैं। नरेन्द्र मेनन ने 4 वन-डे मैचों में अंपायरिंग की है। नितिन बताते हैं कि बीसीसीआई ने वर्ष 2006 में लगभग 10 वर्ष बाद अंपायरों के चयन के लिए एक परीक्षा आयोजित की थी। तब मेरे पिता ने मुझे इस परीक्षा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अगर मैं इसमें सफल रहा तो मेरे पास खिलाड़ी और अंपायर दोनों रूप में कॅरियर बनाने का मौका रहेगा। नितिन ने अपने पिता की सलाह मानी और आज वे सफल अंपायरों में शामिल हैं।

बड़े स्तर पर अंपायरिंग है चुनौतीपूर्ण

नितिन मेनन ने कहा कि आईसीसी अंपायर्स एलीट पैनल में शामिल होना गर्व की बात है, लेकिन बड़े स्तर पर अंपायरिंग करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि समय के साथ क्रिकेट में बदलाव हो रहे हैं। आज क्रिकेट में विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। इन तकनीकों के बीच सटीक अंपायरिंग करना आसान नहीं है। कोरोना संक्रमण काल के बाद क्रिकेट के नियमों में कई बदलाव हो गए हैं, ऐसे में अंपायरों को अब मैदान पर इन नियमों का पालन करवाना होगा।

नितिन मेनन की उपलब्धियाँ

- नितिन मेनन 43 अंतर्राष्ट्रीय, 57 प्रथम श्रेणी और 40 आईपीएल मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं।
- नितिन को वर्ष 2018 और 2020 के आईसीसी वूमेन टी-20 वर्ल्डकप में अंपायरिंग करने का अनुभव हासिल है।
- नितिन टेस्ट क्रिकेट में अंपायरिंग करने वाले 62वें भारतीय हैं।
- नितिन ने अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए टेस्ट मैच से टेस्ट क्रिकेट अंपायरिंग की शुरुआत की थी।
- नितिन वर्ष 2019 में आईपीएल के फाइनल मुकाबले मे भी अंपायरिंग कर चुके हैं।

नितिन मेनन ने बहुत कम समय में अंपायरिंग के क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल किया है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सटीक और निष्पक्ष अंपायरिंग के कारण ही नितिन आईसीसी अंपायर्स पैनल में जगह बनाने में सफल रहे हैं। नितिन ने साबित किया है कि क्रिकेट में सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं, अंपायर और मैच अधिकारी भी नाम कमा सकते हैं। भारतीय क्रिकेट प्रशंसक चाहेंगे कि नितिन मेनन आगे भी अंपायरिंग के क्षेत्र में भारत का सफल प्रतिनिधित्व करते रहें।

- मोहन सिंह पाल
(लेखक खेल एवं सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई

जनसंख्या वृद्धि से पर्यावरण पर पड़ा व्यापक प्रभाव

यह सर्वविदित है कि किसी भी देश की जनसंख्या उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संतुलित जनसंख्या को हम उस राष्ट्र की बेहतर आर्थिक, सामाजिक स्थिति तथा सभी के लिये पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देख सकते हैं। जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि से सभी देशों खासतौर से विकासशील देशों के संसाधनों पर न केवल दबाव बढ़ा रहा है, वरन् यह अपने लोगों के जीवन स्तर में लगातार गिरावट के साथ ही साथ विकास की गति एवं गरीबी दुष्चक्र, पारिस्थितिकी तंत्र आदि को भी प्रभावित कर रही है।

इसीलिये पूरे विश्व में जनसंख्या मुद्दे की ओर लोगों की जागरूकता को बढ़ाने के लिये, जनसंख्या में हो रही लगातार वृद्धि का कारण जानने तथा इस समस्या का हल ढूंढ़ने के लिये 11 जुलाई को हर वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के द्वारा वर्ष 1989 में इसको मनाने की शुरुआत की गई थी, जब वैश्विक जनसंख्या जुलाई 1987 में लगभग 5 अरब के आसपास हो गई थी। विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य विभिन्न जनसंख्या मुद्दों पर लोगों की जागरूकता बढ़ाना है, जैसे परिवार नियोजन, लिंग समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य एवं मानव अधिकारों का महत्व आदि।

वर्तमान समय में विश्व की जनसंख्या 700 करोड़ के पार पहुंच गई है। सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश चीन है, जिसकी आबादी लगभग 143 करोड़ के पार है। उसके बाद हमारा भारत है, जिसकी आबादी 130 करोड़ है। आबादी के हिसाब से पाकिस्तान आज पांचवें स्थान पर है, जबकि बांग्लादेश का स्थान आठवां हैं। ये दोनों ही देश कभी भारत का ही हिस्सा हुआ करते थे। साल 1950 में विश्व की आबादी लगभग 250 करोड़ थी, जो बढ़कर आज 700 करोड़ से पार पहुंच गई है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (United Nations Population fund) द्वारा जारी स्टेट ऑफ वर्ल्ड पापुलेशन के अनुसार, भारत की आबादी औसतन 1.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो चीन की वार्षिक वृद्धि दर के दोगुने से भी अधिक है। जिस दर से आज विश्व की जनसंख्या बढ़ रही है, उसके गंभीर दुष्परिणाम हमें हो रहे हैं, जिसमें मुख्य हैं, वनों का नाश, गरीबी, बेरोज़गारी, आवास की समस्या, कुपोषण, चिकित्सा सुविधाओं पर दबाव, कृषि पर दबाव, संसाधनों की कमी और पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विनाश आदि, जो हमारी विकास प्रक्रिया में गंभीर अवरोध

पैदा कर रहे हैं।

विश्व में तीव्र गति से हो रही जनसंख्या वृद्धि के अनेक कारणों में मुख्य रूप से जन्म दर और मृत्यु दर में कमी, निर्धनता या गरीबी; कृषि पर निर्भरता, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, धार्मिक एवं सामाजिक अंधविश्वास, शिक्षा का अभाव इत्यादि को चिन्हित किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण के विभिन्न घटकों पर व्यापक प्रभाव हुआ है, जिससे कई आर्थिक और सामाजिक समस्यायें उत्पन्न हुई हैं, जिसमें मुख्य हैं- आर्थिक विकास में अवरोध, प्राकृतिक संसाधनों के उचित उपयोग का अभाव, पर्यावरण प्रदूषण, सामाजिक मूल्यों में गिरावट, ऊर्जा संकट, आवास समस्या, शहरीकरण, शिक्षा, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं का अवमूल्यन, परिवहन एवं यातायात संबंधी समस्याओं, खाद्य आपूर्ति एवं राजनैतिक अस्थिरता, पृथकतावाद इत्यादि। अत: बढ़ती जनसंख्या की समस्या से निपटने के लिये उसकी वृद्धि पर नियंत्रण करना तथा संसाधनों का संरक्षण अब और भी अधिक प्रासंगिक हो चला है।

जनसंख्या वृद्धि के नियंत्रण के कई उपाय हैं, जिसे प्राथमिकता से लागू कर हम समस्या से निजात पा सकते हैं। शिक्षा प्रणाली में इस राष्ट्रीय समस्या को सम्मिलित करना और प्राथमिक शिक्षा को और उपयोगी तरीके से लागू करना, बड़े स्तर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाया जाना, आर्थिक विकास के माध्यम से लोगों को और सशक्त बनाया जाना, सामाजिक सुरक्षा, इसके दुष्परिणाम के बारे में जन जागरूकता अभियान चलाना, गैर सरकारी संगठन और स्वयं सेवी संगठनों का सहयोग आदि ऐसे उपाय हैं, जो कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा साक्षरता अभियान में परिवार नियोजन की शिक्षा को शामिल करना, ग्रामीण क्षेत्रों में मनोरंजन के साधनों का विस्तार करना, महिलाओं को व्यापक स्तर पर शिक्षित किया जाना तथा प्रसार के साधनों का उचित उपयोग, इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

भारत 1952 से परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू करने वाला पहला देश है। इसके बाद सरकार ने एक राष्ट्रीय जनसंख्या नीति सन् 2000 में घोषित की, जिसमें तीन प्रकार के लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। इसमें बुनियादी प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये समन्वित सेवाओं की व्यवस्था सहित जन्म नियंत्रण और संबंध स्वास्थ्य सुविधाओं को अधिक सक्षम बनाना, कुल प्रजनन दर को नियंत्रित करना और वर्ष 2045 तक जनसंख्या स्थिर करने का दीर्घावधि उद्देश्य शामिल है। सरकार द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के लिये कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, जो कारगर सिद्ध हो रहे हैं, लेकिन इस पर जब तक सभी का सहयोग नहीं मिलेगा है, इसे सक्षमता से लागू करना सरकार के लिये भी कठिन है।

वास्तव में विश्व जनसंख्या दिवस को मनाना तभी सार्थक हो सकता है, जब हम बढ़ती जनसंख्या के प्रति जागरूक रवैया अपनायें और इसके विभिन्न पहलुओं और समस्या के कारण और निवारण के उपायों को ध्यान में रखकर दीर्घकालीन योजना बनाकर जनसंख्या में कमी लाने का प्रयास करें, जिसमें सभी का सहयोग आवश्यक है।

- अनिल कुमार शर्मा
(लेखक, मध्यप्रदेश प्रदूषण निवारण मंडल के पूर्व मुख्य अभियंता हैं।)

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

1. मतवाला के संपादक कौन थे?
A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
B) धर्मवीर भारती
C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
D) शिवपूजन सहाय।

2. इनमें से काशी नागरी प्रचारणी सभा के संस्थापकों में कौन नहीं है?
A) बाबू श्याम सुन्दर दास
B) ठाकुर शिव कुमार सिंह
C) राम नारायण मिश्र
D) रामचन्द्र शुक्ल।

3. हिन्दी का पहला दैनिक समाचार पत्र कौन-सा था?
A) बंग दर्शन
B) समाचार सुधा वर्षण
C) उदन्त मार्तण्ड
D) भारत मित्र।

4. हिन्दी के प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाली संस्थाओं का काल क्रम निर्धारित करें।
1) नागरी प्रचारणी सभा, काशी
2) राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा
3) राष्ट्र भाषा परिषद्, पुणे
4) बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना।
A) 1, 2, 3, 4
B) 3, 2, 4, 1
C) 2, 4, 1, 3
D) 4, 2, 1, 3

5. निम्नलिखित में से कौन-सी पत्रिका भारतेन्दु युग से संबंधित नहीं है?
A) बंगदूत
B) प्रताप
C) तत्व बोधिनी
D) ब्राह्मण।

6. संविधान के किन अनुच्छेदों में प्रादेशिक भाषाओं का वर्णन है?
A) अनुच्छेद 343-351 में
B) अनुच्छेद 345-347 में
C) अनुच्छेद 344-347 में
D) अनुच्छेद 346-350 में।

7. राज भाषा आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। राष्ट्रपति यह कार्य किस अनुच्छेद के अंतर्गत करता है?
A) अनुच्छेद 344
B) अनुच्छेद 345
C) अनुच्छेद 346
D) अनुच्छेद 347।

8. हरियाणा, हिमाचल प्रदेश आदि उत्तरी राज्यों के निवासियों और महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक आदि राज्यों के निवासियों के बीच आज हिन्दी भाषा किसकी भूमिका निभा रही है?
A) मातृभाषा
B) सम्पर्क भाषा
C) व्यावसायिक भाषा
D) मौखिक व्यवहार की भाषा।

9. माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा किस पत्र का सम्पादन कार्य किया गया?
A) प्रताप
B) कर्मवीर
C) प्रभा
D) ये सभी।

10. निम्नलिखित में से किस पत्र का सम्पादन भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा नहीं किया गया?
A) हरिश्चन्द्र चन्द्रिका
B) बाल बोधनी
C) कवि वचन सुधा
D) नागरी नीरद।

11. जयशंकर प्रसाद के द्वारा सम्पादित पत्रिका का क्या नाम था?
A) वसुन्धरा
B) छंद
C) भारती
D) समाज।

12. प्रेमचन्द ने किस पत्र का संपादन - संचालन किया?
A) हंस
B) जागृति
C) मर्यादा
D) ब्राह्मण।

13. बनारस अखबार का सम्पादन-प्रकाशन किसके द्वारा किया गया?
A) राजा लक्ष्मण सिंह
B) बाल कृष्ण सिंह
C) राजा शिव प्रसाद
D) पाण्डेय बैचेन शर्मा 'उग्र'।

14. हिन्दी साहित्य सम्मेलन की स्थापना किसने की थी?
A) पुरुषोत्तम दास टण्डन
B) महावीर प्रसाद द्विवेदी
C) मदन मोहन मालवीय
D) बाबू श्याम सुन्दर दास।

15. पण्डित महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन कार्य कब सम्भाला था?
A) 1903 ई.
B) 1900 ई.
C) 1907 ई.
D) 1901 ई.।

16. 'प्रजा हितैषी' पत्र के सम्पादक थे?
A) मुन्शी इंशा अल्ला खाँ
B) राजा लक्ष्मण सिंह
C) प्रताप नारायण मिश्र
D) राजा शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द'।

17. उदन्त मार्तण्ड के सम्पादक का नाम क्या था?
A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
B) राधा कृष्ण दास
C) जुगल किशोर शुक्ल
D) महावीर प्रसाद द्विवेदी।

18. समाचार सुधा वर्षण के सम्पादक का क्या नाम था?
A) बालकृष्ण भट्ट
B) श्याम सुन्दर सेन
C) श्री निवास दास
D) बद्री नारायण चौधरी।

19. निम्नलिखित में से कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ने किस पत्र का सम्पादन नहीं किया?
A) विकास
B) नया जीवन
C) ज्ञानोदय
D) प्रकाश।

20. प्रताप नारायण मिश्र द्वारा किस पत्र का सम्पादन किया गया?
A) ब्राह्मण
B) हिन्दुस्तान
C) A और B दोनों
D) इनमें से कोई नहीं।

21. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' किस पत्र के सम्पादक रहे?
A) विशाल भारत
B) सैनिक
C) दिनमान
D) ये सभी।

22. नीचे समाचार पत्र एवं उनके सम्पादक का नाम युग्म रूप से दिया जा रहा है, जो युग्म गलत हो उसे चिन्हित कीजिए?
A) हिन्दी प्रदीप - बालकृष्ण भट्ट
B) वसुधा - प्रताप नारायण मिश्र
C) साहित्य संदेश - बाबू गुलाब राय
D) कादम्बिनी - राजेन्द्र अवस्थी

23. 'रासो' शब्द की उत्पत्ति 'रसायण' से किसने मानी?
A) गार्स द तासी
B) पं. राम नारायण दूगड़
C) रामचन्द्र शुक्ल
D) पं. हरप्रसाद शास्त्री।

24. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का आविर्भाव किससे माना है?
A) प्राकृत से
B) संस्कृत से
C) प्राकृत की अंतिम अपभ्रंश अवस्था से
D) पालि से।

25. हिन्दी के प्रथम महाकवि कौन थे?
A) हेमचन्द्र
B) स्वयंभू
C) रामचन्द्र
D) सोमप्रभ सूरि।

26. हिन्दी का प्रथम महाकाव्य कौन-सा है?
A) पृथ्वी राज विजय
B) रामचरित मानस
C) पृथ्वी राज रासो
D) पदमावत।

27. आल्हाखण्ड किसने लिखा है?
A) जगनिक
B) अमीर खुसरो
C) नरपति नाल्ह
D) चन्दबरदाई।

28. बारह बरस लौ कूकर जीवै। अरू तेरह लौ जिये सियार। बरस अठारह क्षत्रिय जीवै, आगे जीवन को धिक्कार।
A) पृथ्वीराज रासो
B) खुमाण रासो
C) हम्मीर रासो
D) परमाल रासो।

29. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन कार्य से संबद्ध लेखक को सही काल क्रम में लगाएं?
A) मिश्र बंधु, जॉर्ज ग्रियर्सन, शिव सिंह सेंगर, गार्सा द तासी
B) गार्सा द तासी, शिव सिंह सेंगर, जॉर्ज ग्रियर्सन, मिश्र बंधु
C) जॉर्ज ग्रियर्सन, मिश्र बंधु, शिव सिंह सेंगर, गार्सा द तासी
D) शिव सिंह सेंगर, जॉर्ज ग्रियर्सन, मिश्र बंधु, गार्सा द तासी।

30. हिन्दी साहित्येतिहास के काल विभाजन का पहला प्रयास किसने किया?
A) आचार्य शुक्ल
B) शिव सिंह सेंगर
C) जॉर्ज ग्रियर्सन
D) मिश्र बंधु।

31. इतिहास लेखन की सबसे विकसित पद्धति है?
A) विधेयवादी पद्धति
B) वर्णानुक्रम पद्धति
C) कालानुक्रमी पद्धति
D) समाज शास्त्रीय पद्धति।

32. 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' ग्रंथ के लेखक हैं?
A) डॉ. शिव कुमार मिश्र
B) डॉ. गोविंद त्रिगुणामत
C) डॉ. रामकुमार वर्मा
D) डॉ. भोलानाथ तिवारी।

33. रामचरित मानस को हिन्दी साहित्य के इतिहास में इतना महत्व क्यों दिया जाता है?
A) राम भक्ति को प्रतिष्ठित करने के लिए
B) उदात्त भावों के पोषण के लिए
C) भारतीय धार्मिक सम्प्रदायों के बीच समन्वय स्थापना के लिए
D) रामचरित के लोक भाषा में होने के कारण।

34. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखकों में काल क्रमानुसार कवियों का वर्गीकरण सर्वप्रथम किसने किया?
A) जॉर्ज ग्रियर्सन
B) मिश्र बंधु
C) शिव सिंह सेंगर
D) गार्सा द तासी।

35. 'भारतेश्वर बाहुबलि रास' के रचयिता हैं?
A) शालिभद्र सूरि
B) सरहपाद
C) पुष्पदन्त
D) कुकरिया।

36. 'चौरासी वैष्णव की वार्ता' के लेखक इनमें से कौन हैं?
A) नाभादास
B) राम प्रसाद निरंजनी
C) गोसाई विट्ठनाथ
D) गोसाई गोकुल नाथ

37. 'राउलवेल' किसकी कृति है?
A) रोडा
B) लल्लू लाल
C) रामसिंह
D) स्वयंभू।

38. 'संदेश रासक' के रचयिता का नाम है?
A) स्वयंभू
B) अब्दुर्रहमान
C) हेमचन्द्र
D) जोइन्दु।

39. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी के प्रारम्भिक काल को क्या नाम दिया है?
A) चारण काल
B) वीरगाथा काल
C) आदिकाल
D) रासोकाल

40. 'हिन्दी भाषा का पहला इतिहास' किस भाषा में लिखा गया है?
A) उर्दू
B) हिन्दी
C) अंग्रेजी
D) फ्रेंच।

41. वीरगाथा काल को चारण काल का नाम किसने दिया?
A) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
B) डॉ. के.एन. झा
C) डॉ. रामकुमार वर्मा
D) हजारी प्रसाद द्विवेदी।

42. आदिकाल के अंतिम चरण के प्रसिद्ध कवि कौन थे?
A) अब्दुर्रहमान
B) अमीर खुसरो
C) स्वयंभू
D) सरहपा।

43. ऐसे रासो ग्रंथ के रचनाकार का नाम बताइए जिसकी रचना अजमेर के शासक से संबंधित है?
A) दलपति विजय
B) नरपति नाल्ह
C) नल्लसिंह
D) मधुकर भट्ट।

44. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन' नामक ग्रंथ के लेखक कौन हैं?
A) डॉ. नलिन विलोचन शर्मा
B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
C) डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
D) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।

45. 'काशी में हम प्रगट भए, रामानन्द चेताये।' किसकी पंक्ति है?
A) कबीर
B) तुलसी
C) सुर
D) रैदास।

46. 'कबीर तथा अन्य निर्गुण पंथी के द्वारा अन्तस्साधना में रागात्मिकता भक्ति और ज्ञान का योग तो हुआ पर कर्म की दिशा वही रही जो नाथ पंथियों के यहां थी' ये उक्ति किसकी है?
A) रामचन्द्र शुक्ल
B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
C) महेन्द्र कुमार
D) रामकुमार वर्मा।

47. 'प्रेमचन्द शताब्दियों से पद दलित अपमानित और उपेक्षित कृषकों की आवाज थे' प्रेमचन्द के विषय में यह किसका कथन है?
A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
B) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
C) डॉ. रामविलास शर्मा
D) डॉ. नागेन्द्र।

48. कबीर को भाषा का डिक्टेटर कहने वाले आलोचक का नाम है?
A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
B) डॉ. रामकुमार वर्मा
C) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
D) आचार्य विश्वनाथ मिश्र।

49. सन्त काव्य का प्रधान रस है?
A) शांत B) करूण
C) श्रृंगार D) वात्सल्य।

50. सूफी प्रेमाख्यानक काव्यों का प्रतिपाद्य है?
A) सूफी मत का प्रचार
B) वैराग्य का प्रतिपादन
C) संसार की निस्सारता
D) प्रेम काव्य के माध्यम से ब्रम्ह-जीवन मिलन।

उत्तरमाला

1. C,	2. D,	3. B,	4. A,
5. B,	6. A,	7. A,	8. B,
9. B,	10. D,	11. B,	12. A,
13. C,	14. C,	15. A,	16. B,
17. C,	18. B,	19. D,	20. A,
21. A,	22. B,	23. C,	24. C,
25. B,	26. C,	27. A,	28. D,
29. B,	30. D,	31. A,	32. C,
33. C,	34. A,	35. A,	36. D,
37. A,	38. B,	39. B,	40. D,
41. C,	42. B,	43. B,	44. A,
45. A,	46. A,	47. B,	48. C,
49. A,	50. D		

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

अपनी गलतियों से सीखें और कभी भी उन्हें न दोहरायें - नीति ज्ञान

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण जानकारी

रोज़गार के अवसरों का व्यापक स्त्रोत हैं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को विश्व भर में विकास के अग्रणी क्षेत्र के तौर पर जाना जाता है। यह क्षेत्र सतत् विकास लक्ष्यों को मूर्तरूप देने की दिशा में जोर देता है और कार्य भी करता है। यह क्षेत्र सभी के लिए नवाचार, रचनात्मकता और उचित काम को प्रवर्तित करता है, इसी का परिणाम है कि उभरते व्यापारों में बनाए गए पांच नए औपचारिक रोज़गारों में से चार एमएसएमई क्षेत्र से होते हैं। एमएसएमई द्वारा महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के लोगों के बड़े हिस्से को रोज़गार उपलब्ध कराया जाता है, कभी-कभी ग्रामीण क्षेत्रों में एमएसएमई ही रोज़गार का एकमात्र स्रोत होता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार एमएसएमई सेक्टर बड़ी संख्या में नौकरी तैयार करने वाला क्षेत्र है।

लोकल को ग्लोबल बनाता है एमएसएमई क्षेत्र

हमारे देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम औद्योगिक गतिविधियों का अहम हिस्सा हैं तभी तो इस क्षेत्र को उद्योग क्षेत्र का हृदय कहा जाता है। इस क्षेत्र में 63 मिलियन से अधिक एमएसएमई हैं, जो औद्योगिक उत्पादन का 45 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 30.5 प्रतिशत हैं। इनमें लगभग 110 मिलियन कर्मचारी हैं। यह क्षेत्र देश में सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाने के लिए एक उत्प्रेरक का कार्य करता है, इसको विकास का एक इंजन कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी, क्योंकि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम औद्योगिक क्षेत्र रूपी गाड़ी को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं।

कोरोना संक्रमण के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी में लाने की दिशा में सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत योजना प्रारंभ की गई है, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकल से वोकल का भी जिक्र किया गया है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई वो ईंधन है, जो आत्मनिर्भर भारत की सफलता को बढ़ावा देगा। सही मायने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हमें लोकल से ग्लोबल और वोकल होने की दिशा में ले जायेगा, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े बताते हैं कि विकासशील देशों में ये उद्यम अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं और किसी भी राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इंटरनेशनल काउंसिल फॉर स्मॉल बिज़नेस (आईसीएसबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, औपचारिक और अनौपचारिक माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम साइज़ एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) सभी फर्मों का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा होते हैं। वहीं इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (IFC) के अनुसार, दुनिया में कुल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में अनौपचारिक फर्मों की हिस्सेदारी करीब 74 फीसदी है और विकासशील देशों में सभी एमएसएमई का करीब 77 फीसदी ऐसी ही फर्मों से बना है।

चैम्पियन्स पोर्टल

हाल ही में केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा चैम्पियन्स पोर्टल शुरू किया गया है, यह एक प्रबंधन सूचना प्रणाली है। इस पोर्टल का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सक्षम बनाने के साथ-साथ गुणवत्ता हासिल करने और प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने में मदद करना है। इस पोर्टल के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी सभी जानकारियां एक स्थान पर उपलब्ध कराई गई हैं। यह पोर्टल एक प्रौद्योगिकी पैक नियंत्रण कक्ष-सह-प्रबंधन सूचना प्रणाली है जिसे टेलीफोन, इंटरनेट और वीडियो कॉन्फ्रेंस जैसे टूल्स के अलावा, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग जैसे माध्यमों से सक्षम बनाया गया है।

एमएसएमई की नई परिभाषा और मानदंड

भारत सरकार ने 1 जून, 2020 को एमएसएमई की परिभाषा में ऊपर की ओर संशोधन किए जाने का फैसला किया था, इसी क्रम में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा एमएसएमई की परिभाषा और मानदंडों में संशोधन के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके तहत सूक्ष्म विनिर्माण और सेवा इकाइयों की परिभाषा 1 करोड़ रुपये के निवेश और 5 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक बढ़ा दी गई थी। लघु इकाई के लिए सीमा 10 करोड़ रुपये के निवेश और टर्नओवर 50 करोड़ रुपये तक बढ़ा दी गई थी। इसी प्रकार, मध्यम इकाई की सीमा 20 करोड़ रुपये के निवेश और 100 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक बढ़ा दी गई थी। मध्यम उपक्रमों के लिए अब यह सीमा 50 करोड़ रुपये का निवेश और 250 करोड़ रुपये का टर्नओवर होगी। नई परिभाषा से एमएसएमई की मजबूती और विकास की राह प्रशस्त होगी। ज्यादा से ज्यादा निर्यात करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे देश के निर्यात में व्यापक बढ़ोतरी से विकास और आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी तथा रोज़गार के ज्यादा अवसर पैदा होंगे।

राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार

राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार 1983 में उद्यमिता (विनिर्माण और सेवा), उत्पाद की गुणवत्ता, नवाचार, निर्यात और विनिर्माण तकनीकों के क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करने के लिए स्थापित किए गए थे। 1983 के बाद से अब तक 24 राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार समारोह हो चुके हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को अपने लेटर हेड में पुरस्कार के प्रतीक चिन्ह का उपयोग करने का अधिकार मिलता और उनके कर्मचारी इस प्रतीक चिन्ह वाले लेबल, पिन, टाई या अन्य विशिष्ट तरह के बैज पहन सकते हैं।

इस बार राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार आयोजन के दौरान विभिन्न श्रेणियों के तहत 46 एमएसएमई उद्यमियों को सम्मानित किया गया और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चार पुरस्कार विभिन्न राज्यों और संघ शासित प्रदेशों को दिए गए।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिये एक और वित्त-पोषण योजना

देश में संकटग्रस्त एमएसएमई के लिए सबसे बड़ी चुनौती कर्ज या इक्विटी के रूप में पूंजी प्राप्त करना है। इसलिए इस साल मई में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के हिस्से के रूप में केंद्रीय वित्त मंत्री ने ऐसे एमएसएमई के प्रमोटर जो चालू हालत में हैं, लेकिन संकटग्रस्त हैं उनके लिए उप-ऋण योजना की घोषणा की थी। इस योजना का शुभारंभ केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने हाल ही में किया है। इस योजना के अनुसार उन प्रमोटर को 20,000 करोड़ रुपये का गारंटी कवर उपलब्ध कराया जायेगा, जो इक्विटी के रूप में अपने संकटग्रस्त एमएसएमई में आगे निवेश करने के लिए बैंकों से कर्ज लेना चाहते हैं। ऐसा अनुमान है कि यह योजना लगभग 2 लाख एमएसएमई को आवश्यक सहायता प्रदान करेगी और इससे एमएसएमई क्षेत्र में और इस क्षेत्र के माध्यम से अन्य क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी। यह योजना उन लाखों लोगों की आजीविका और नौकरियों की रक्षा करने में भी मदद करेगी, जो इन पर निर्भर हैं।

प्रदेश के युवाओं को खुद का उद्यम शुरू करने के लिये प्रोत्साहित करता है एमएसएमई विभाग

मध्यप्रदेश में 22 हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयां ऐसी हैं, जिनमें 5 लाख से अधिक पूंजी निवेश है। लॉकडाउन अवधि में भी राज्य की लगभग एक हजार एक सौ इकाइयों ने आवश्यक वस्तुओं का निर्माण जारी रखा, जिसके फलस्वरूप सेनेटाइजर, खाद्य सामग्री, दवाईयां, पैकेजिंग मटेरियल इत्यादि की कमी देखने को नहीं मिली। मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्योग इकाइयों को लाभान्वित एवं सशक्त बनाते हुये आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में जरूरी कदम उठा रही है। केंद्र सरकार द्वारा इस क्षेत्र के लिए किए जा रहे प्रावधानों और उनके क्रियान्वयन के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी इस क्षेत्र को राहत दिए जाने का कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को मजबूत करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग का गठन 5 अप्रैल, 2016 को किया गया था। इस विभाग के गठन का लक्ष्य एमएसएमई के लिए ऐसी नीतियां बनाना है, जो कि उन्हें विकसित करने के साथ-साथ सक्षम भी बनाएं। प्रदेश में सामाजिक-आर्थिक विकास और रोज़गार के अवसर को बढ़ावा देने का कार्य भी इस विभाग द्वारा किया जाता है। यह विभाग ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ ही ग्रामीण लोगों और विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाता है, वहीं स्व-रोज़गार योजनाओं के माध्यम से अपने गृह शहर या गांव में खुद का उद्यम स्थापित करने के लिये युवाओं को प्रोत्साहित करता है।

औद्योगिक सुधार से फिर सुदृढ़ होगी प्रदेश की अर्थव्यवस्था

कोरोना महामारी के कारण प्रदेश में मंद हुई औद्योगिक गतिविधियों को पुनः पटरी पर लाने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में कारखानों से संबंधित अनेक कानूनों में बदलाव किया गया है। इससे नये निवेश को बढ़ावा मिलेगा और राज्य को वर्तमान कोरोना संकट से उबारने में प्रत्यक्ष सहयोग भी मिलेगा। प्रदेश में औद्योगिक विवाद अधिनियम में 100 के स्थान पर 300 श्रमिकों का प्रावधान किया गया है। निरीक्षण की पारदर्शी व्यवस्था, पंजीयन की अनुमति 30 दिन के स्थान पर 1 दिन में प्रदान करने, 16 की जगह 1 प्रपत्र की व्यवस्था, अधिकारों के प्रत्यायोजन के अलावा औद्योगिक इकाइयों को शिफ्ट परिवर्तित करने की सुविधा देने, ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा, कारखाना अधिनियम में और अन्य नियमों में ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जिनसे उद्योग लाभान्वित होंगे और आने वाले समय में अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में सहायक होंगे।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने 6 अप्रैल, 2017 को आयोजित अपने 74वें पूर्ण अधिवेशन में सतत् विकास लक्ष्यों को अर्जित करने, सभी के लिए नवोन्मेषण एवं स्थायी कार्य को बढ़ावा देने में सूक्ष्म, लघु एवं मझौले आकार के उद्यमों के महत्व को स्वीकार किया, जिसके फलस्वरूप अधिवेशन में 27 जून को सूक्ष्म, लघु एवं मझौले आकार के उद्यमों का दिवस मनाये जाने की घोषणा की गई।
- वर्ष 2019 की विभागीय समीक्षा के अनुसार; प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 65,312 नए सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना की गई है। रोज़गार के 5,22,496 अवसर उत्पन्न हुए हैं और 1929.83 करोड़ रुपये मूल्य की मार्जिन मनी सब्सिडी का उपयोग किया गया है।
- देश के विभिन्न हिस्सों में 60 से अधिक नए बौद्धिक संपदा (आईपी) सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं, ताकि एक वकील एमएसएमई को अपने आवेदन करने और ट्रेडमार्क व पेटेंट पंजीकृत करवाने में सहायता कर सके।
- राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने 27 जून 2018 को सौर चरखा मिशन का शुभारंभ किया था, सौर चरखा समूहों की 11 विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को योजना संचालन समिति द्वारा मंजूर कर दिया गया है।
- भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई) और राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् (एनपीसी) के माध्यम से पूरे देश में एमएसएमई के 267 क्लस्टरों में लीन मेन्युफैक्चरिंग योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है।
- भारतीय एमएसएमई देशभर में व्यापक रूप से फैले हुए हैं और विभिन्न रेन्ज के लगभग 6000 से अधिक उत्पादों का उत्पादन करते हैं।
- कृषि के बाद भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोज़गार सृजन क्षेत्र है एमएसएमई क्षेत्र।
- मेक इन इंडिया अभियान को सफल बनाने में एमएसएमई की है महत्वपूर्ण भूमिका।
- एमएसएमई क्षेत्र वर्तमान में देश के निर्यात में लगभग 48 प्रतिशत का योगदान देता है।
- एमएसएमई प्रौद्योगिकी केन्द्रों ने कम से कम 10 घटक प्रदान किए हैं, जिनका मंगलयान (मार्श आर्बिटर मिशन) में प्रयोग किया गया था।
- भारत सरकार के पैकेज से एमएसएमई क्षेत्र और व्यापार के लिए कोलेट्रल मुक्त ऋण के प्रावधान पर प्रदेश की 22 लाख से अधिक इकाइयों के लिए बैंकों से समन्वय कर उन्हें सहायता दी जा सकेगी।
- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा नीरा एवं ताड़गुड़ का उत्पादन करने के लिए एक अनूठी परियोजना हाल ही में 16 जून को आरंभ की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य सॉफ्ट ड्रिंक के विकल्प के रूप में नीरा को बढ़ावा देना तथा जनजातियों तथा पारंपरिक पाशिकों (ट्रैपर) के लिए स्व-रोज़गार का सृजन करना भी है। इस योजना से देश में रोज़गार सृजन की भारी संभावना है।
- कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान फेस मास्क की अत्यधिक मांग को ध्यान में रखते हुए, केवीआईसी ने दो स्तरीय और तीन स्तरीय कॉटन के साथ-साथ सिल्क फेस मास्क को विकसित किया है, जो पुरुषों के लिए दो रंगों में और महिलाओं के लिए कई रंगों में उपलब्ध हैं।
- भारत में 'ब्रांड खादी' की स्वीकार्यता व्यापक रूप से देखने को मिली है, वर्ष 2019-20 में, खादी एवं ग्रामोद्योग का कुल कारोबार 88 हजार 887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।
- केंद्र सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र में 5 वर्षों के दौरान 5 करोड़ नौकरियां पैदा करने के लिए मिशन-मोड परियोजना की शुरुआत की है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।

प्रदेश में 21 हजार से अधिक बिजली शिकायतों का मौके पर निराकरण

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिये शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को मुख्यतः विलंब से बिलों का वितरण, बिल प्राप्त न होना, अधिक बिल राशि, मीटर वाचन देरी से होना, गलत रीडिंग होना, ऑनलाइन बिल जनरेट न होना, ऑनलाइन की गई पेमेंट न दिखना, विद्युत प्रदाय, नवीन कनेक्शन, भार वृद्धि सहित अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए अब तक 1472 शिविर लगाये जा चुके हैं। इन शिविरों में 23 हजार 971 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 21 हजार 243 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही किया जा चुका है। शेष शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। शिविरों का आयोजन 8 जुलाई तक होगा।

मध्य क्षेत्र कंपनी में 3818 शिकायतों का निराकरण

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र में अब तक 264 से अधिक शिकायत निवारण शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में 4 हजार 677 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 3 हजार 818 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल रीजन के अंतर्गत कुल 2 हजार 346 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से एक हजार 896 शिकायतों का मौके पर निराकरण कर दिया गया एवं ग्वालियर रीजन के अंतर्गत कुल 2 हजार 331 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से एक हजार 922 शिकायतों को मौके पर ही निराकृत कर दिया गया।

गौरतलब है कि इन शिकायतों में अधिक बिल राशि की 2 हजार 88, बिल प्राप्त न होने की 345, गलत रीडिंग की 743, नवीन कनेक्शन की 271, भार वृद्धि की 117, विद्युत प्रदाय की 113, देरी से रीडिंग की 29, रीडिंग नहीं लेने की 121, ऑनलाइन संबंधी 58 एवं अन्य 696 शिकायतें प्राप्त हुई।

पूर्व क्षेत्र कंपनी में 9425 शिकायतों का निराकरण

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के क्षेत्र में अब तक 899 शिकायत निवारण शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में 10 हजार 194 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 9 हजार 425 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया।

इंश्योरेंस सेक्टर में बढ़ रहे हैं कॅरियर के अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। युवाओं को कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित कराने और कॅरियर के रास्तों पर आगे बढ़ने के लिए सफल दिशायें देने वाला 'कॅरियर की राहें' स्तंभ नियमित रूप से कॅरियर काउंसलर श्रीमती मीना भंडारी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। श्रीमती भंडारी पिछले 23 सालों से कॅरियर संबंधी विषयों पर लेखन कर रही हैं।

यकीनन वर्तमान समय में इंश्योरेंस सेक्टर (बीमा क्षेत्र) कॅरियर निर्माण हेतु काफी अच्छा क्षेत्र माना जा रहा है। इस समय विश्व में जिन पांच प्रमुख कॅरियर विकल्पों का बोलबाला है, उसमें इंश्योरेंस सेक्टर भी शामिल है। इरडा की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में तेजी से बीमा क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले 88 देशों में भारत का स्थान 10वां है।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार के द्वारा इंश्योरेंस सेक्टर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत किए जाने से बीमा क्षेत्र में कॅरियर की डगर को और सुनहरा बना दिया है। फिक्की एंड बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की हाल ही में जारी नवीनतम रिपोर्ट-2020 के अनुसार भारत में इंश्योरेंस इंडस्ट्री की प्रीमियम इनकम 2020 तक बढ़कर 350-400 अरब रुपये के करीब पहुंच जाएगी। चूंकि इस समय बीमा का देश की जीडीपी में महज 3.44 प्रतिशत का योगदान है, अतएव देश में बीमा क्षेत्र के विस्तार की भारी संभावनाएं हैं। अगले 5 साल में जीवन बीमा क्षेत्र के 12-15 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

गौरतलब है कि कुछ वर्षों पहले तक भारतीय इंश्योरेंस सेक्टर में सरकारी कंपनियों का एकाधिकार था परंतु निजी क्षेत्र को इंश्योरेंस की अनुमति मिल जाने के बाद एक ओर जहां भारतीय बीमा बाजार में अवसर बढ़े हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों को बीमा क्षेत्र में पसंदीदा सेवा चुनने की स्वतंत्रता भी मिल गई है। वर्तमान समय में भारतीय बीमा बाजार में विभिन्न प्रकार की सेवाओं के साथ कई बहुराष्ट्रीय और निजी कंपनियां इंश्योरेंस कारोबार को नया आयाम दे रही हैं। बिड़ला, बजाज, टाटा, रिलायंस के इस क्षेत्र में आने से भारत में बीमा बाजार तेजी से बढ़ने की प्रवृत्ति दिखा रहा है।

निश्चित रूप से भारत में इंश्योरेंस सेक्टर को खुला बनाए जाने से सरकारी एवं निजी इंश्योरेंस कंपनियों में आकर्षक नौकरियों के अलावा कई अन्य अवसर भी निर्मित हुए हैं। भारत में दो-तीन दशक पहले तक बीमा सेक्टर शहरों तक सीमित था, लेकिन अब यह तेजी से कस्बों और गांवों की तरफ बढ़ रहा है और इस कारण बीमा क्षेत्र में तेजी से रोज़गार के अवसर बढ़ रहे हैं। हाल ही में एनएसडीसी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 तक बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज तथा इंश्योरेंस सेक्टर में करीब 16 लाख अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत होगी। निसंदेह इंश्योरेंस विविधता वाला सेगमेंट है और इसमें कॅरियर के बहुत अवसर हैं। सेल्स, ऑपरेशंस, कस्टमर सर्विस, टेक्नोलॉजी, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट समेत सभी क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध हैं।

चूंकि इंश्योरेंस सेक्टर में मुख्य तौर पर ग्राहकों से आमने-सामने की बातचीत होती है इसलिए अकादमिक योग्यता के अलावा अलग-अलग क्षेत्रों और अनुभवी लोगों की भी जरूरत पड़ती है। निर्णय लेने की क्षमता इस सेक्टर में अहम भूमिका निभाती है। कॅरियर के लिहाज से अपार संभावनाओं वाला यह क्षेत्र जनसंपर्क क्षमताओं की परीक्षा लेने वाला है, अर्थात यदि आप में लोगों से संपर्क बनाने के गुर और उन्हें अपनी बातों से प्रभावित करने की क्षमता है, तो कॅरियर की असीम ऊंचाइयां लिए इंश्योरेंस सेक्टर आपका इंतजार कर रहा है। इंश्योरेंस सेक्टर में जो प्रमुख रोज़गार अवसर हैं, वे इस प्रकार हैं-

- **एल.आई.सी. एजेंट-** भारतीय जीवन बीमा निगम विश्व की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) का इंश्योरेंस कारोबार एक बार फिर से उफान पर है। हाल ही के वर्षों में एल.आई.सी. के प्रीमियम में आई तेजी ने पूरे जीवन बीमा क्षेत्र को भारी लाभ पहुंचाया है। भारतीय जीवन बीमा निगम में एजेंट (अभिकर्ता) बनकर मानवता की सेवा के साथ-साथ उम्मीदवार उच्चस्तरीय जीवनशैली भी प्राप्त कर सकता है। एल.आई.सी. एजेंट बनने हेतु न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित है। शैक्षणिक योग्यता के अंतर्गत शहरी क्षेत्र हेतु बारहवीं कक्षा तथा ग्रामीण क्षेत्र में बीमा एजेंट बनने हेतु दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही एल.आई.सी. से संबंधित कार्यों की 25 घंटे की ट्रेनिंग लेनी होती है तथा आई.आर.डी.ए. द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है। एजेंट को उसके कार्य में निपुणता लाने के लिए एल.आई.सी. तथा विकास अधिकारी द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे प्रभावी एवं त्वरित इंश्योरेंस सेवा प्रदान कर सकें। जहां तक एल.आई.सी. एजेंट की आय की बात की जाए तो उसकी आय की कोई सीमा नहीं होती है। वह जितना ज्यादा इंश्योरेंस करेगा उसकी आय उतनी ही ज्यादा बढ़ती जाएगी। एक बार इंश्योरेंस करने पर उसे लगातार उसी इंश्योरेंस पॉलिसी पर जब तक वह इंश्योरेंस पॉलिसी कार्यशील रहती है कमीशन प्राप्त होता रहता है।
- **एल.आई.सी. सहायक प्रशासनिक अधिकारी-** एल.आई.सी. में सहायक प्रशासनिक अधिकारी बनने हेतु आयु सीमा 20 से 30 वर्ष के मध्य निर्धारित है। एल.आई.सी. में सहायक प्रशासनिक अधिकारी बनने हेतु किसी भी विषय के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर परीक्षा 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होनी आवश्यक है। इस हेतु होने वाली प्रतियोगी परीक्षा में भी सफल होना होता है।
- **जनरल इंश्योरेंस एजेंट-** वर्तमान में सरकारी क्षेत्र की चार कम्पनियां ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जनरल इंश्योरेंस कंपनियां कहलाती हैं। इन कंपनियों में जनरल इंश्योरेंस एजेंट बनने हेतु न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित है तथा शहरी क्षेत्रों हेतु बारहवीं तथा ग्रामीण क्षेत्रों हेतु दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके साथ ही जनरल इंश्योरेंस से संबंधित कार्यों की 100 घंटे की ट्रेनिंग तथा आई.आर.डी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। एल.आई.सी एवं जी.आई.सी. का संयुक्त लायसेंस भी बन जाता है। वाहन, मेडिक्लेम, पर्सनल, एक्सीडेंट, हाउसहोल्ड पॉलिसी, शॉपकीपर फायर पॉलिसी, थेफ्ट एवं डकैती, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ऑल रिस्क, ब्रेक डाउन पॉलिसी, मशीनरी ब्रेक डाउन आदि पॉलिसियां जनरल इंश्योरेंस के एजेंट करते हैं।
- **सर्वेयर-** इंश्योरेंस कराए गए किसी कारोबार में हानि का मूल्यांकन करने का काम सर्वेयर करते हैं। ये वास्तविक हानि का मूल्यांकन करते हैं, झूठे दावों को रोकते हैं तथा इंश्योरेंस कम्पनी व बीमित के बीच की कड़ी होते हैं। अभिकर्ता की तरह ये कम्पनी के कर्मचारी नहीं होते अपितु स्वतंत्र व्यवसायी होते हैं। सर्वेयर बनने हेतु इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा/आईसीडब्ल्यूए/सी.ए./चिकित्सा विज्ञान में स्नातक उपाधि आवश्यक है। सर्वेयर बनने हेतु एक वर्ष का प्रशिक्षण किसी वरिष्ठ सर्वेयर या सर्वेयर फर्म के साथ आवश्यक है। उसके बाद एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है। तदुपरांत उन्हें लायसेंस जारी किया जाता है, तत्पश्चात वे किसी एक कम्पनी अथवा अनेक कम्पनियों से संबद्ध हो सकते हैं।

इसके अतिरिक्त सरकारी एवं निजी इंश्योरेंस कंपनियों में क्रेडिट कार्ड एजेन्ट, इंश्योरेंस विशेषज्ञ, एक्चुअरी, आदि में भी अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है। इंश्योरेंस सेक्टर में कॅरियर बनाने हेतु पहले प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों का अभाव था, लेकिन आज अनेक संस्थान इसका बाकायदा प्रशिक्षण देने लगे हैं। इंश्योरेंस से जुड़े पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अनिवार्य योग्यता स्नातक है। इंश्योरेंस के क्षेत्र में जो प्रमुख पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, वे इस प्रकार हैं- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंश्योरेंस, पीजी डिप्लोमा इन इंश्योरेंस मैनेजमेंट एंड मार्केटिंग, एम.बी.ए. इन इंश्योरेंस आदि। इन पाठ्यक्रमों को करने के उपरांत सार्वजनिक एवं निजी बीमा कम्पनियों में विभिन्न प्रतिष्ठापूर्ण पदों पर नियुक्त हुआ जा सकता है।

इंश्योरेंस सेक्टर से संबंधित पाठ्यक्रम कराने वाले प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई।
- इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुअरीज ऑफ इंडिया, मुंबई।
- कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

- श्रीमती मीना भंडारी

(लेखिका, सुप्रसिद्ध कॅरियर काउंसलर हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. **आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप 2019 में रोहित शर्मा ने कितने शतक बनाये थे?**
   (अ) तीन (ब) चार
   (स) दो (द) पांच
2. **आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप 2019 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं?**
   (अ) मिशेल स्टार्क
   (ब) मुस्तफिजुर रहमान
   (स) लॉकी फर्ग्यूसन
   (द) जोफ्रा आर्चर
3. **ओलिंपिक खेलों की पुरुष हॉकी स्पर्धा में भारत के बाद सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतने वाला देश है?**
   (अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) जर्मनी
   (स) ग्रेट ब्रिटेन (द) पाकिस्तान
4. **पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अंतर्राष्ट्रीय मैचों में कितने गोल किये हैं?**
   (अ) 75 (ब) 96
   (स) 89 (द) 99
5. **हाल ही में विज्डन द्वारा जारी मोस्ट वैल्यूवल प्लेयर्स इन टेस्ट क्रिकेट सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ी हैं?**
   (अ) शेन वार्न
   (ब) मुथैया मुरलीधरन
   (स) शाकिब अल हसन
   (द) रविन्द्र जडेजा
6. **टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
   (अ) जर्मनी (ब) फ्रांस
   (स) इटली (द) रूस
7. **वर्ष 2016 में यूरो कप फुटबॉल टूर्नामेंट किस देश ने जीता है?**
   (अ) इंग्लैंड (ब) स्पेन
   (स) पुर्तगाल (द) ग्रीस
8. **भारतीय निशानेबाज विजय कुमार ने किस ओलिंपिक में रजत पदक जीता था?**
   (अ) लंदन 2012
   (ब) बीजिंग 2008
   (स) रियो 2016
   (द) एथेंस 2004
9. **धनराज पिल्लै किस खेल में भारतीय टीम के कप्तान रह चुके हैं?**
   (अ) कबड्डी (ब) हॉकी
   (स) बैडमिंटन (द) एथेलेटिक्स
10. **वर्ष 2009 में टी-20 वर्ल्डकप जीतने वाली पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान थे?**
    (अ) शाहिद अफरीदी
    (ब) मिस्बाह उल हक
    (स) यूनिस खान
    (द) शोएब मलिक
11. **हाल ही में किस क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के खिताब पर कब्जा जमाया है?**
    (अ) लिवरपूल
    (ब) वेर्लेसिया
    (स) जुवेंटस
    (द) मेनचेस्टर यूनाइटेड
12. **सबसे ज्यादा हॉकी विश्वकप जीतने वाला देश है?**
    (अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) भारत
    (स) बेल्जियम (द) पाकिस्तान
13. **इनमें से कौन-सा तैराक अमेरिका से संबंधित नहीं है?**
    (अ) मार्क स्पिट्ज
    (ब) इयान थोर्प
    (स) काएलय ड्रेसल
    (द) माइकल फेल्प्स
14. **टेबल टेनिस खेल की शुरुआत किस देश से हुई है?**
    (अ) इंग्लैंड (ब) जापान
    (स) चीन (द) कनाडा
15. **वर्ष 2017 में वुमेन वर्ल्ड स्नूकर चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी?**
    (अ) जापान (ब) सिंगापुर
    (स) दक्षिण कोरिया (द) भारत
16. **टेनिस खिलाड़ी स्टेफी ग्राफ ने अपने टेनिस कॅरियर में कुल कितने ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं?**
    (अ) 19 (ब) 20
    (स) 22 (द) 24
17. **मिस्सी फ्रैंकलिन किस खेल में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करती हैं?**
    (अ) तैराकी (ब) टेनिस
    (स) स्कीइंग (द) जिम्नास्टिक
18. **वर्ष 2017 में दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में पुरुष एकल वर्ग के विजेता हैं?**
    (अ) स्टेन वावरिंका
    (ब) केविन एंडरसन
    (स) मार्क नोल्स
    (द) एंडी मरे
19. **ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान हैं?**
    (अ) टिम पेन (ब) एरॉन फिंच
    (स) स्टीव स्मिथ (द) डेविड वॉर्नर
20. **भारत में आयोजित होने वाला बेटन कप किस खेल से संबंधित है?**
    (अ) मुक्केबाजी (ब) हॉकी
    (स) टेनिस (द) फुटबॉल
21. **भारत की दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को किस वर्ष पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था?**
    (अ) वर्ष 2019 (ब) वर्ष 2018
    (स) वर्ष 2020 (द) वर्ष 2017
22. **अर्जुन अटवाल किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
    (अ) कुश्ती (ब) गोल्फ
    (स) एथेलेटिक्स (द) टेनिस
23. **वर्ष 2019 में कोपा अमेरिका कप टूर्नामेंट किस देश ने जीता है?**
    (अ) चिली (ब) अर्जेंटीना
    (स) उरुग्वे (द) ब्राजील
24. **सचिन तेंदुलकर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहला शतक किस देश के खिलाफ लगाया था?**
    (अ) पाकिस्तान (ब) ऑस्ट्रेलिया
    (स) इंग्लैंड (द) न्यूजीलैंड
25. **वाटर पोलो खेल किस वर्ष ओलिंपिक खेलों में शामिल किया गया था?**
    (अ) वर्ष 1920 (ब) वर्ष 1900
    (स) वर्ष 1924 (द) वर्ष 1990

उत्तरमाला

1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब), 6. (अ), 7. (स), 8. (अ), 9. (ब), 10. (स), 11. (अ), 12. (द), 13. (ब), 14. (अ), 15. (ब), 16. (स), 17. (अ), 18. (द), 19. (अ), 20. (ब), 21. (स), 22. (ब), 23. (द), 24. (स), 25. (ब)

- पुष्पेन्द्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

व्यावसायिक सम्प्रेषण

व्यवसाय में सम्प्रेषण की अपनी एक विशेष भूमिका होती है। यह किसी भी व्यवसाय का जीवन है। आधुनिक संचार क्रांति के युग में समस्त व्यावसायिक उपक्रमों की सफलता काफी हद तक प्रभावी सम्प्रेषण प्रक्रिया पर निर्भर करती है। व्यावसायिक सम्प्रेषण आज अधिकांश विश्वविद्यालयों के स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रमुखता से शामिल किया गया है। उद्यमिता विकास में इसका अपना विशिष्ट महत्व है। कई प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सम्प्रेषण आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इन सभी बातों को आधार मानते हुए व्यावसायिक सम्प्रेषण पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रस्तुत हैं -

1. "सम्प्रेषण व्यवसाय के लिए उसी तरह आवश्यक है जिस प्रकार मानव जीवन के लिए जीवन रक्त (Life Blood) का प्रवाह (Flow) आवश्यक है" यह कथन किसका है?
A. मार्शल
B. चार्ल्स ई रेडफील्ड
C. थियो हैमन
D. कीथ डेविस
उत्तर- D. कीथ डेविस

2. व्यावसायिक संचार है?
A. कला
B. विज्ञान
C. A तथा B दोनों
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- C. A तथा B दोनों

3. संचार में विनियम होता है?
A. विचारों का
B. प्रबन्धन की छवि का
C. संस्कृति का
D. इनमें से सभी का
उत्तर- D. इनमें से सभी का

4. निम्न में कौन-सी सम्प्रेषण की विशेषता में शामिल है?
A. सम्प्रेषण द्विमार्गीय प्रक्रिया (Two-way process) है
B. सम्प्रेषण सतत् प्रक्रिया है
C. सम्प्रेषण सार्वभौमिक (Universal) प्रक्रिया है
D. ये सभी
उत्तर- D. ये सभी

5. संदेश प्राप्तकर्ता द्वारा संदेश के संबंध में की गई अभिव्यक्ति को कहते हैं?
A. संकेत भाव
B. निहित भाव
C. क्रियान्वयन
D. प्रतिपुष्टि (Feedback)
उत्तर- D. प्रतिपुष्टि (Feedback)

6. संदेश प्रक्रिया का अंतिम महत्वपूर्ण तत्व है?
A. संदेश
B. प्रेषक
C. माध्यम
D. प्रतिपुष्टि
उत्तर- D. प्रतिपुष्टि

7. निम्न में से कौन-सा माध्यम मौखिक सम्प्रेषण नहीं है?
A. साक्षात्कार
B. रेडियो प्रसारण
C. टी.वी. प्रसारण
D. प्रश्नावली
उत्तर- D. प्रश्नावली

8. सम्प्रेषण के चार 'S' हैं?
A. Schooling, Speech, Spread, Simplicity
B. Simplicity, Speech, Social, Society
C. Simplicity, Speech, Sincerity, Social
D. Shortness, Simplicity, Strength, Sincerity
उत्तर- D. Shortness, Simplicity, Strength, Sincerity

9. निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?
A. सम्प्रेषण व्यवसाय के लिए संबंधों को स्थापित, विकसित व प्रबल बनाने का एक यंत्र है।
B. सम्प्रेषण के लिए संदेश का होना आवश्यक है।
C. सम्प्रेषण बौद्धिक क्षमता (Intellectual efficiency) के सेतु (Bridge) की तरह होता है।
D. सम्प्रेषण के लिए माध्यम का चयन महत्वपूर्ण नहीं है।
उत्तर- D. सम्प्रेषण के लिए माध्यम का चयन महत्वपूर्ण नहीं है।

10. स्वॉट (Swot) शब्द में 'O' का आशय है?
A. संगठन (Organization)
B. स्वामी (Owner)
C. आशावादी (Optimist)
D. अवसर (Opportunities)
उत्तर- D. अवसर (Opportunities)

11. स्वॉट विश्लेषण पद्धति है?
A. व्यूह रचना की
B. निर्णयन की
C. दोनों की
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- C. दोनों की

12. अवसर तथा कठिनाईयां किस वातावरण में विद्यमान रहती हैं?
A. आंतरिक
B. बाह्य
C. A तथा B दोनों में
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- B. बाह्य

13. अशाब्दिक सम्प्रेषण के अन्तर्गत आते हैं?
A. चिन्ह
B. संकेत
C. सूचित चिन्ह
D. ये सभी
उत्तर- D. ये सभी

14. कौन-सा अशाब्दिक (Non Verbal) सम्प्रेषण का प्रकार है?
A. शारीरिक भाषा (Body Language)
B. भाषा प्रतिरूप (Para Language)
C. संकेत भाषा (Sign Language)
D. उपरोक्त सभी (All of the above)
उत्तर- D. उपरोक्त सभी (All of the above)

15. अंगूरी लता (Grape vine) सम्प्रेषण को कहते हैं?
A. अफवाहें
B. अपुष्ट समाचार
C. अनौपचारिक सम्प्रेषण
D. उपरोक्त सभी
उत्तर- D. उपरोक्त सभी

16. अनौपचारिक सम्प्रेषण मुख्य रूप से होता है?
A. लिखित
B. भौतिक
C. सांकेतिक
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- B. भौतिक

17. लिखित सम्प्रेषण अधिक होता है?
A. सुन्दर
B. आकर्षण
C. प्रामाणिक
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- C. प्रामाणिक

18. निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?
A. ई-मेल सम्प्रेषण का आधुनिक साधन है।
B. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समूह के मध्य बैठकों हेतु एक अच्छी तकनीक है।
C. www का मतलब वर्ल्ड वाइड वेब (world wide web) है।
D. सभी कथन सत्य हैं।
उत्तर- D. सभी कथन सत्य हैं।

19. आई.एस.पी. (ISP) से अभिप्राय है?
A. इंटरनेट सेल प्रोवाइडर
B. इंटरनेट सर्विस प्राफिट
C. इंटरनेट प्रोवाइडर
D. इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर
उत्तर- D. इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर

20. सामान्यतया संचार प्रवाहित होता है?
A. नौ दिशाओं में
B. आठ दिशाओं में
C. चार दिशाओं में
D. तीन दिशाओं में
उत्तर- D. तीन दिशाओं में
व्याख्या- संचार मुख्यतया तीन दिशाओं में प्रवाहित होता है- **पहला, नीचे का संचार (Downward Communication)** - इस प्रकार के संचार में उच्च अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों को आदेश, निर्देश, अनुदेश आज्ञा प्रेषित की जाती है। **दूसरा, ऊपर का संचार (Upward Communication)** - इस प्रकार का संचार संगठन में अधीनस्थ कर्मचारियों से उच्च अधिकारियों की ओर होता है जिसमें मौखिक या लिखित प्रतिवेदन, सुझाव तथा विचार विमर्श इत्यादि शामिल होते हैं। **तीसरा समस्तरीय (Horizontal) संचार-** यह संगठन के विभिन्न भागों से संबद्ध होता है एवं इस प्रकार का संवाद एक ही स्तर के अधिकारियों के मध्य होता है।

21. विचार-सम्प्रेषण को रोचक बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है?
A. अच्छी भाषा
B. जोर-जोर से बोलना
C. हर बात को मुस्कुराकर करना
D. श्रव्य-दृश्य साधन
उत्तर- D. श्रव्य-दृश्य साधन

22. प्रभावपूर्ण सम्प्रेषण PRIDE के प्रतिमान (Model) का पूर्णरूप है?
A. Purpose, Receiver, Impact, Design, Execution
B. Purpose, Real Impact, Do, Execution
C. Process, Real, Impact Design, Execution
D. Purpose, Receikel, Impact, Do, Execatian
उत्तर- A. Purpose, Receiver, Impact, Design, Execution

23. औपचारिक सम्प्रेषण के उद्देश्य में शामिल है?
A. उच्चाधिकारियों द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश या आदेश प्रदान करना
B. संगठन की नीतियों तथा प्रक्रियाओं की व्यवस्था करना
C. अधीनस्थों तथा सहायकों के अच्छे कार्य निष्पादन की प्रशंसा करना
D. ये सभी
उत्तर- D. ये सभी

24. अंगूरी लता सम्प्रेषण (Grape vine Communication) के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन असत्य है?
A. यह सम्प्रेषण अत्यन्त तीव्रता से प्रसारित होता है।
B. यह भ्रमात्मक होता है।
C. यह सम्प्रेषण सदैव सम्पूर्ण सन्देश को समाहित नहीं करता।
D. यह सम्प्रेषण औपचारिक सम्प्रेषण की श्रेणी में आता है।
उत्तर- D. यह सम्प्रेषण औपचारिक सम्प्रेषण की श्रेणी में आता है।

25. सम्प्रेषण का सबसे प्राचीनतम सिद्धांत है?
A. वैदिक सम्प्रेषण सिद्धांत
B. लिबरल सम्प्रेषण सिद्धांत
C. कन्जरवेटिव सम्प्रेषण सिद्धांत
D. ये सभी
उत्तर- A. वैदिक सम्प्रेषण सिद्धांत

26. जब एक सी सूचना बहुत से व्यक्तियों को सम्प्रेषित करना हो तो निम्न में से किस पत्र को प्रयुक्त करते हैं?
A. पूछताछ का पत्र
B. सन्दर्भ पत्र
C. आवेदन पत्र
D. परिपत्र (Circular)
उत्तर- D. परिपत्र (Circular)

27. जब हम किसी भी विषय में अपने आप से बातचीत करते हैं, किसी विषय में विचार करते हैं यह संचार कहलाता है?
A. अन्तर वैयक्तिक संचार (Inter personal Communication)
B. अन्तः वैयक्तिक संचार (Intrapersonal Communication)
C. मध्य संचार (Mediam Communication)
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- B. अन्तर वैयक्तिक संचार (Inetiapersonal Communication)

28. निम्न में से कौन-सा सम्प्रेषण के लिए बाधक नहीं है?
A. शोर
B. परिवेश प्रभाव
C. प्रतिपुष्टि (Feedback)
D. ये सभी
उत्तर- C. प्रतिपुष्टि (Feedback)

29. किसी कारखाने में पारी (Shift) शुरू होने तथा समाप्त होने पर हूटर (सायरन सीटी) का प्रयोग निम्न में से किस श्रेणी के सम्प्रेषण में आता है?
A. शाब्दिक सम्प्रेषण
B. अशाब्दिक (non verbal) सम्प्रेषण
C. शारीरिक भाषा सम्प्रेषण
D. इन सभी में
उत्तर- B. अशाब्दिक (non verbal) सम्प्रेषण

30. निम्न चित्र का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर बताइए कि यह अपुष्ट सम्प्रेषण श्रृंखला के किस भाग से संबंधित है?

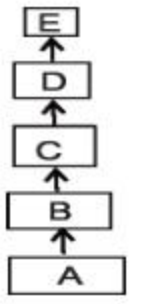

A. गपशप श्रृंखला (Gossip chain)
B. गुच्छा श्रृंखला (Cluster chain)
C. सम्भावना श्रृंखला (Probability chain)
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- D. इनमें से कोई नहीं
व्याख्या- यह एकाकी धारा (Single Stand) श्रृंखला से संबंधित है। इसमें एक तीर की तरह एक ही दिशा में सम्प्रेषण होता है अपितु A कोई संदेश B से कहता है, B इसी संदेश को C से कहता है। इसी प्रकार यह क्रिया निरन्तर चलती रहती है इसके अन्तर्गत प्रत्येक सम्प्रेषक अपनी इच्छानुसार संदेश में कुछ न कुछ मिलाकर स्वाभाविक रूप से इसे आगे बढ़ाता रहता है।

31. दैहिक भाषा में शामिल है?
A. आंखों की भाषा
B. आवाज़ उच्चावचन
C. स्वर का उतार-चढ़ाव
D. ये सभी
उत्तर- A. आंखों की भाषा

- डॉ. डी.सी. राठी
(लेखक, शासकीय महाविद्यालय, (राऊ) में एसोसिएट प्रोफेसर (वाणिज्य) हैं।)

अगर आप जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं तो नई आदतों का निर्माण करना सीखें – जे. हेक्सकिंग

मध्यप्रदेश में 'खेलो इंडिया लघु केंद्र' योजना की शुरुआत

पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों के माध्यम से किया जाएगा क्रियान्वयन

भोपाल, भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया योजना के तहत जमीनी स्तर पर खेलों के विकास एवं प्रोत्साहन की महत्वपूर्ण 'खेलो इंडिया लघु केंद्र' योजना प्रारंभ की जा रही है। योजना के अंतर्गत पूरे देश में एक हजार केंद्र स्थापित किये जाएंगे। जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने की इस महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत इसका संचालन पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों के माध्यम से किया जाएगा।

प्रत्येक वर्ष तीन खेलो इंडिया केंद्रों का चयन खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारियों द्वारा जिला कलेक्टर की अनुशंसा से किया जाकर प्रस्ताव संचालनालय खेल और युवा कल्याण मध्यप्रदेश को प्रेषित किए जाएंगे। पूर्व चैंपियन खिलाड़ी नवोदित खिलाड़ियों के प्रशिक्षक एवं मार्गदर्शक बने व उनके अनुभव का पर्याप्त उपयोग खिलाड़ियों के प्रशिक्षण पर किया जाए।

इस सिलसिले में प्रदेश के समस्त जिला खेल अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने जिले से वर्ष 2020 - 21 के लिए अधिकतम दो प्रस्ताव का चयन कर निर्धारित प्रपत्र में 20 जुलाई, 2020 तक संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण को प्रेषित करें।

पूरे देश में एक हजार खेलो इंडिया सेंटर की होगी स्थापना

चार वर्षीय इस योजना में पूरे देश में एक हजार खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना की जाना है। इसमें ओलिंपिक में खेले जाने वाले 14 खेल यथा आर्चरी (तीरंदाज़ी), एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, साइकिलिंग, फेंसिंग (तलवारबाज़ी), हॉकी, जूडो, रोइंग, शूटिंग, स्विमिंग (तैराकी), टेबल टेनिस, वेट लिफ्टिंग (भारोत्तोलन), रेसलिंग (कुश्ती) के साथ ही फुटबॉल एवं पारंपरिक खेल भी शामिल हैं।

खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना के लिए पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों को प्रशिक्षक, सपोर्टिंग स्टाफ, खेल उपकरण क्रय, खेल किट, गैर-उपभोज्य (conumaybel) एवं प्रतियोगिता में टीम को सम्मिलित करने के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। केन्द्रों का चयन करते समय खेल विभाग द्वारा संचालित 18 खेल अकादमियों के खेलों को प्राथमिकता दी जायेगी जिससे यह केन्द्र खेल अकादमी के सह प्रशिक्षण केन्द्र के रूप मे बेहतर प्रतिभा की नर्सरी तैयार कर सकें।

लघु खेलो इंडिया केंद्र योजना में पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण हेतु कुछ शुल्क भी पूर्व चैंपियन खिलाड़ी नवोदित खिलाड़ियों से प्राप्त कर सकते हैं।

चयनित केन्द्रों को मिलेगी आर्थिक सहायता

चयनित खेलो इंडिया केंद्रों को भारत सरकार द्वारा 4 वर्ष के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। चार वर्षों के पश्चात पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों की पहचान स्थापित प्रशिक्षक के रूप में होने से वह स्वयं के संसाधनों से केंद्र का संचालन भविष्य में निरंतर कर सकेंगे। चयनित खेलो इंडिया केंद्र को भारत सरकार द्वारा एकमुश्त 5 लाख रुपये केंद्र प्रति खेल के मान से खेल मैदान के रख रखाव, उन्नयन, खेल उपकरण, खेल किट आदि के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। रिकरिंग वार्षिक अनुदान राशि 5 लाख रुपये प्रति खेल के मान से पूर्व चैंपियन खिलाड़ी प्रशिक्षक को मानदेय, सहायक स्टाफ, खेल उपकरण, खेल किट, गैर उपभोग सामग्री प्रतियोगिता में टीम की सहभागिता कराने आदि के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। चैंपियन खिलाड़ी प्रशिक्षक को अधिकतम 3 लाख रुपये वार्षिक मानदेय प्राप्त करने की अनुमति होगी।

स्कूल/कॉलेज में उपलब्ध खेल अधोसंरचना का कर सकेंगे उपयोग

विकासखंड एवं जिला स्तर पर शासकीय और अशासकीय स्कूल, कॉलेज, संस्था एवं अन्य उपलब्ध खेल अधोसंरचना का उपयोग पूर्व चैंपियन खिलाड़ी-प्रशिक्षक द्वारा इन प्रस्तावित खेलो इंडिया केंद्र के अंतर्गत किया जा सकता है। पूर्व चैंपियन खिलाड़ी प्रशिक्षकों द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए इन केंद्रों के प्रस्ताव प्रेषित कर सकते हैं। एक पूर्व चैंपियन खिलाड़ी-प्रशिक्षक द्वारा एक ही खेल के प्रस्ताव प्रेषित किए जा सकते हैं। अशासकीय खेल संस्था जो कि विगत 5 वर्षों से खेलों को प्रोत्साहित कर रही है वह अधिकतम 3 खेलों के प्रस्ताव प्रेषित कर सकती है।

खेलचर्चा

भारत ने पेश की एशियन कप-2027 की दावेदारी

क्वालालंपुर, भारत ने वर्ष 2027 में प्रस्तावित एएफसी एशियन कप की मेजबानी की दावेदारी पेश की है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि भारत सहित पांच देशों ने एशियन कप की मेजबानी का दावा किया है। इस टूर्नामेंट के लिए भारत के साथ ईरान, कतर, सऊदी अरब और उज्बेकिस्तान ने भी दावा पेश किया है। एएफसी ने कहा कि एशियन कप के 19वें संस्करण के मेजबान का ऐलान अगले साल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत में अब तक एक बार भी एएफसी एशियन कप का आयोजन नहीं हुआ है। भारत अब तक चार बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुका है।

सुमित नागल ने जर्मनी में जीता खिताब

बर्लिन, भारत के युवा टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने जर्मनी में आयोजित पीएसडी बैंक नोर्ड ओपन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में सुमित ने जर्मनी के डेनियल मासुर को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। सुमित कोरोना संक्रमण काल में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। खिताब जीतने के बाद सुमित ने कहा कि पहले जितने टूर्नामेंट खेले हैं, उनके मुकाबले इस टूर्नामेंट का अनुभव अलग था।

ब्रायसन डीचेंब्यू ने जीता रॉकेट मार्टगेज क्लासिक टूर्नामेंट

ड्रेटायट, अमेरिका के युवा गोल्फर ब्रायसन डीचेंब्यू ने ड्रेटायट में आयोजित रॉकेट मॉर्टगेज क्लासिक टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। यह डीचेंब्यू के गोल्फ कैरियर का छठवां पीजीए टूर खिताब है। ब्रायसन ने टूर्नामेंट के फाइनल राउंड में सेवन अंडर 65 का स्कोर कर पहला स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट में अमेरिका के ही मैथ्यू वोल्फ दूसरे स्थान पर रहे।

लियोनेल मेसी 700 गोल करने वाले सातवें खिलाड़ी बने

मेड्रिड, अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अपने फुटबॉल कैरियर में 700 गोल पूरे कर लिए हैं। यह कारनामा करने वाले मेसी विश्व के सातवें फुटबॉलर हैं। मैसी ने यह उपलब्धि बार्सिलोना की ओर से खेलते हुए एटलेडिको मैड्रिड के खिलाफ मैच के दौरान हासिल की। मेसी ने 862 मैचों में 700 गोल किए हैं। मेसी ने इन 700 गोल में से 630 गोल बार्सिलोना की ओर से, जबकि 70 गोल अर्जेंटीना के लिए किए हैं। मेसी से पहले यह उपलब्धि जोसेफ बिकन, रोमारियो, पेले, गर्ड मूलर, फेरेंस पुस्कस और क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी हासिल कर चुके हैं।

दर्शकों की मौजूदगी में खेला जाएगा फ्रैंच ओपन

पेरिस, कोरोना वायरस संक्रमण के बाद खेल प्रतियोगिताएं धीरे-धीरे शुरू होने लगी हैं। ज्यादातर प्रतियोगिताएं दर्शकों के बिना आयोजित हो रही हैं, लेकिन फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन दर्शकों की मौजूदगी में होगा। फ्रैंच टेनिस महासंघ ने ट्विटर के जरिए बताया कि फ्रैंच ओपन सितंबर माह में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए टिकटों की बिक्री 16 जुलाई से शुरू की जाएगी।

कोरोना के कारण एटीपी ने किया रैंकिंग प्रणाली में बदलाव

लंदन, पेशेवर टेनिस संघ (एटीपी) ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के बाद जब टेनिस दोबारा शुरू होगा तब वह पुरुष खिलाड़ियों की रैंकिंग की गणना में बदलाव करेगा। एटीपी ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण कई बड़े टेनिस टूर्नामेंट रद्द हो गए हैं। अगस्त माह से टेनिस की वापसी की उम्मीद है। एटीपी ने कहा कि अब तक पुरुष खिलाड़ियों की रैंकिंग 52 सप्ताह में सर्वश्रेष्ठ 18 के परिणाम पर निकाली जाती है, लेकिन अब इसकी गणना 22 महीने (मार्च 2019 से दिसंबर 2020) के आधार पर होगी। एटीपी ने कहा कि रैंकिंग प्रणाली में अस्थाई परिवर्तन चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के आयोजकों और आईटीएफ से बात करने के बाद लिया गया है। अगर कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2021 का सत्र भी प्रभावित होता है, तो इस पर परिवर्तन के लिए आगे विचार किया जाएगा।

केन्या के विल्सन किपसांग पर लगा चार वर्ष का प्रतिबंध

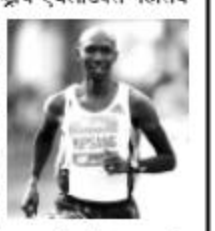

नेरोबी, अंतर्राष्ट्रीय एथेलेटिक्स महासंघ की एथेलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने केन्या के ओलिंपिक पदक विजेता एथलीट विल्सन किपसांग पर चार वर्ष का प्रतिबंध लगाया है। एआईयू ने कहा कि किपसांग ने अप्रैल 2018 से मई 2019 तक चार बार डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन किया है। एआईयू ने कहा कि किपसांग को पहले भी डोपिंग के लिए प्रतिबंधित किया जा चुका है। किपसांग पर प्रतिबंध 10 जनवरी 2020 से प्रभावी माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि किपसांग ने वर्ष 2012 के लंदन ओलिंपिक में मैराथन रेस में कांस्य पदक जीता है।

वाल्टेरी बोटास ने जीती वर्ष 2020 की पहली रेस

स्पीलवर्ग, फिनलैंड के दिग्गज ड्राइवर वाल्टेरी बोटास ने ऑस्ट्रियन ग्रांप्री फार्मूला-वन रेस जीती है। यह इस वर्ष की पहली फॉर्मूला-वन रेस है। मर्सिडीज टीम के बोटास ने यह रेस 1 घंटा 30 मिनट 55.739 सेकेंड में पूरी की। इस रेस में पिछले वर्ष के चैम्पियन तथा बोटास की टीम साथी लुईस हैमिल्टन चौथे स्थान पर रहे। इस रेस में चार्ल्स लेकलर्क दूसरे, लेंडो नोरिस तीसरे, कार्लोस सैंज पांचवें सर्जियो पेरेज छठवें, पियरे गास्ले सातवें, एस्टाबेन ओकेन आठवें, एंटोनियो जियोवेजी नौवें तथा सबेस्टियन वेटल दसवें स्थान पर रहे।

छह बार के विश्व चैम्पियन लुईस हैमिल्सन को इस रेस का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन हैमिल्टन को पांच सेकेंड की पेनाल्टी के कारण चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। रेस के दौरान ओवरटेक करने के चक्कर में रेडबुल के एलेक्जेंडर अल्बोन, हैमिल्टन की कार से टकराकर रेस से बाहर हो गए। इस टक्कर के लिए हैमिल्टन को जिम्मेदार माना गया और उन पर पांच सेकेंड की पेनाल्टी लगाई गई। उल्लेखनीय है कि वाल्टेरी बोटास अपने फॉर्मूला वन कैरियर में अब तक कुल 8 रेस जीत चुके हैं।

डि कॉक बने दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर ऑफ द ईयर

केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका की वनडे और ट्वेंटी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान क्विंटन डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका का पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है। डि कॉक को दूसरी बार क्रिकेटर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से नवाजा गया है। इससे पहले डि कॉक वर्ष 2017 में भी क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका की महिला खिलाड़ी लॉरा वोल्वार्ट को महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है। लॉरा युवा सलामी बल्लेबाज हैं। लॉरा अब तक 50 वनडे और 25 ट्वेंटी-20 मैच खेल चुकी हैं। हाल ही में लॉरा को आईसीसी ने अपनी ट्वेंटी-20 टीम में भी जगह दी है।

क्विंटन डि कॉक पिछले कुछ वर्षों से दक्षिण अफ्रीका के लिए तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और ट्वेंटी-20) में बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। डि कॉक टीम में विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा डि कॉक को साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर भी चुना गया है। वहीं तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को वनडे और ट्वेंटी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया है। युवा गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ नवोदित पुरुष खिलाड़ी का अवॉर्ड मिला है।

जर्मन कप

बायर्न म्यूनिख ने 20वीं बार जीता खिताब

बर्लिन, जर्मनी के शीर्ष फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने प्रतिष्ठित जर्मन फुटबॉल कप के खिताब पर कब्जा जमाया है। टूर्नामेंट के फाइनल में बायर्न म्यूनिख ने बायर लीवरकुसेन को 4-2 से हराया। बायर्न म्यूनिख की जीत के हीरो रॉबर्ट लेवानडोवस्की रहे। लेवानडोवस्की ने मैच में 2 गोल किए। कोरोना महामारी के कारण दर्शकों के बिना खेले गए फाइनल मैच में बायर्न म्यूनिख की टीम पूरी तरह हावी नजर आई। बायर्न म्यूनिख ने मैच की शुरुआत से ही बायर लीवरकुसेन की रक्षा पंक्ति पर दबाव बना दिया। मैच के 16वें मिनट में डेविड अलाबा ने शानदार गोल किया। इसके बाद सेर्गे ग्नाब्री ने 24वें मिनट में गोल कर बायर्न म्यूनिख की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले हाफ के खत्म होने पर बायर्न म्यूनिख 2-0 से आगे थी।

दूसरे हाफ में भी बायर्न म्यूनिख ने आक्रमक रणनीति जारी रखी। बायर लीवरकुसेन की टीम दबाव में थी, इसी का फायदा उठाकर बायर्न म्यूनिख के लेवानडोवस्की ने 59वें मिनट में गोलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इसके बाद बायर लीवरकुसेन की टीम ने भी पलटवार किया। लीवरकुसेन के लिए 64वें मिनट में स्वेन बेंडेर ने गोल किया। लेवानडोवस्की को 89वें मिनट में भी गोल करने का मौका मिला। लेवानडोवस्की ने इस मौके का फायदा उठाकर गोल कर दिया। हालांकि इंजरी टाइम में बायर लीवरकुसेन के केई हवेर्त्ज ने पेनाल्टी पर गोल करके हार के अंतर को कम कर दिया।

- **बायर्न म्यूनिख ने 20वीं बार जर्मन कप का खिताब जीता है।**
- **बायर्न म्यूनिख ने इस वर्ष बुंदेसलीगा टूर्नामेंट भी जीता है।**
- **बायर लीवरकुसेन ने अब तक एक बार ही जर्मन कप जीता है।**
- **बायर लीवरकुसेन की टीम वर्ष 2002 और 2009 में भी जर्मन कप के फाइनल में पहुंची थी और दोनों बार उसे हार का सामना करना पड़ा।**
- **टूर्नामेंट में बायर्न म्यूनिख के रॉबर्ट लेवानडोवस्की ने सर्वाधिक 6 गोल किए हैं।**
- **लेवानडोवस्की के इस सत्र में 43 मैचों में 51 गोल हो गए हैं।**

बैडमिंटन स्टार लिन डैन ने लिया संन्यास

बीजिंग, चीन के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी लिन डैन ने बैडमिंटन खेल से संन्यास लेने की घोषणा की है। डैन ने सोशल मीडिया पर संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि 20 साल तक राष्ट्रीय टीम से खेलने के बाद संन्यास लेना एक कठिन निर्णय है। अब मैं फिजिकल कंडीशन और इंजरी के कारण अधिक समय तक नहीं खेल सकता हूं। लिन डैन सुपर ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने वाले विश्व के एकमात्र खिलाड़ी हैं। डैन ने वर्ष 2011 में सुपर ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता था। डैन ने वर्ष 2008 के बीजिंग ओलिंपिक और वर्ष 2012 के लंदन ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा डैन ने वर्ष 2006, 2007, 2009, 2011 और 2013 की वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

जापान में आई बाढ़

जापान के कई शहरों में बाढ़ आ जाने से अब तक करीब 58 लोगों की मृत्यु हो गयी है। दर्जन भर लोग लापता हैं।

जापान के दक्षिणी क्षेत्र किशू में आई बाढ़ के कारण बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। ज्ञात रहे कि जापान के तीसरे सबसे बड़े द्वीप किशू में करीब 30 लाख लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की सलाह दी गई है। जापान की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि दक्षिण जापान के शहरों में आई बाढ़ के कारण जान-माल का नुकसान हुआ है।

सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन

प्लाज्मा थैरेपी को दी मंजूरी

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के प्रोटोकॉल के तहत सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का प्लाज्मा थैरेपी के क्लीनिकल ट्रायल में रुचि दिखाने वाले संस्थानों को हरी झंडी दे दी है। आईसीएमआर ने इस क्लीनिकल ट्रायल में शामिल होने के लिए विभिन्न संस्थाओं को न्योता दिया था।

कोविड-19 रोगियों में कांवलेसेंट प्लाज्मा के क्लीनिकल ट्रायल के बारे में एक नोटिस में सीडीएससीओ ने बताया कि आईसीएमआर ने उन सभी संस्थानों की सूची दी है, जिन्होंने ट्रायल के संचालन में रुचि दिखाई है। केंद्र की ओर से स्वास्थ्य मंत्रालय के नोटिस में कहा गया है कि कांवलेसेंट प्लाज्मा की थैरेपी उन्हीं कोविड-19 मरीजों के लिए इस्तेमाल होगी, जिनकी हालत में एसटेरॉयड लेने के बावजूद कोई सुधार नहीं है।

दिल्ली में शुरू हुआ देश का पहला प्लाज्मा बैंक

दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलिअरी साइंसेज (आईएलबीएस) अस्पताल में देश का पहला प्लाज्मा बैंक शुरू हो गया है। प्लाज्मा दान के लिए कड़ी शर्तें रखी गई हैं। कोरोना से 14 दिन पहले ठीक हो चुके 18 से 60 साल की उम्र के स्वस्थ लोग ही प्लाज्मा दान कर सकेंगे।

कोरोना संक्रमण

ऑस्ट्रेलिया में फिर 6 हफ्तों का लॉकडाउन

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न सहित कई इलाकों में फिर से 6 हफ्तों के लिए लॉकडाउन लागू कर दिया गया है।

संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसके साथ ही न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच की सीमा को पूरी तरह से बंद करने का ऐलान किया गया है। लोगों को सिर्फ जरूरी सामान और दवाइयां खरीदने के लिये ही घर से बाहर निकलने की अनुमति होगी।

उत्तर कोरिया ने

परमाणु वार्ता के लिए मना किया

उत्तर कोरिया फिलहाल अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता शुरू करने का कतई इच्छुक नहीं है। इस बारे में उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी क्वॉन जोंग गुन ने एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच वार्ता शुरू कराने के लिए दक्षिण कोरिया मूर्खतापूर्ण कोशिशें कर रहा है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया ने मध्यस्थ के तौर पर अपनी प्रासंगिकता खो दी है। उत्तर कोरिया का यह बयान अमेरिकी विदेश उप मंत्री स्टीफन बीगन की दक्षिण कोरिया की यात्रा से ठीक पहले आया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और किम जोंग उन की तीन मुलाकातें हो चुकी हैं।

सऊदी अरब ने

हज के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

सऊदी अरब सरकार ने हज के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। मक्का में होने वाले इस साल के हज के लिए तकरीबन

- **सऊदी अरब में रह रहे विदेशियों को हज करने की इजाजत होगी।**
- **70 फीसदी विदेशी और 30 प्रतिशत सऊदी नागरिकों को हज की अनुमति मिलेगी।**

एक हजार लोगों को इज़ाजत दी गई है। हज यात्रियों को जमजम कुएं का मुकद्दस (पवित्र) पानी ही पीने को मिलेगा। यह प्लास्टिक की बॉटल में रहेगा। मास्क, ग्लव्ज, सेनेटाइजर का प्रयोग अति आवश्यक होगा। वहीं शैतान को मारने के लिए जमा की जाने वाली कंकड़ियों को भी सेनेटाइज किया जाएगा। नमाज पढ़ने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले मुसल्ले (जिसे बिछाकर नमाज पढ़ते हैं) खुद ही लाने होंगे।

सऊदी अरब नए दिशा-निर्देशों के साथ ही सीमित संख्या में लोगों को हज करने की इजाजत दे रहा है। ऐसा पहली बार है जब देश के बाहर के हज यात्रियों को मक्का आने की अनुमति नहीं होगी।

ज्ञात रहे कि पश्चिम एशिया में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले सऊदी अरब में हैं। दिशा-निर्देशों के अनुसार सऊदी में रहने वाले विदेशी नागरिकों को हज करने की इजाजत होगी।

एच-1 बी वीजा पर लगी रोक हटायेंगे बिडेन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बिडेन ने कहा है कि अगर वे राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो एच-1 बी

- **जो बिडेन की भारत से संबंध पहली प्राथमिकता रहेगी।**
- **एच-1 बी वीजा की आईटी पेशेवरों में मांग है।**
- **ट्रम्प प्रशासन ने पिछले महीने एच-1 बी वीजा को 2020 के आखिरी तक के लिए निलंबित कर दिया है।**

वीजा पर लागू अस्थायी रोक को खत्म कर देंगे।

बिडेन ने एशियाई अमेरिकी मुद्दों पर आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम में यह

बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि एच-1 बी वीजा धारकों की अमेरिका के निर्माण में बहुत बड़ी भूमिका है।

बिडेन ने कहा कि वे अपने कार्यकाल के पहले ही दिन 1.1 करोड़ दस्तावेज रहित अप्रवासियों की नागरिकता की राह आसान करने के लिए संसद में आव्रजन सुधार विधेयक लाएंगे।

ईरान ने

अंडरग्राउंड 'मिसाइल सिटी' बनाई

ईरान ने घोषणा की है कि उसने गल्फ कोस्ट के निकट अंडरग्राउंड 'मिसाइल सिटी' का निर्माण कर लिया है। ईरान के नौसेना प्रमुख अलिर्जा तांगिसिरी ने कहा है कि इस मिसाइल सिटी में ग्राउंड टू एयर तथा क्रूज मिसाइलें तैनात हैं। मिसाइल सिटी का मतलब जमीन के नीचे मौजूद ऐसे ठिकाने से है जहां दुश्मन के हवाई हमलों से बचने के लिए बड़ी संख्या में मिसाइलों को तैनात किया जाता है। ईरान के नौसेना प्रमुख ने दावा किया है कि ईरान जल्दी ही लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम नई मिसाइल और नौसैनिक युद्ध पोतों की घोषणा भी करने जा रहा है।

ज्ञात रहे कि ईरान के परमाणु संयंत्र पर इजरायली हमले के बाद से दोनों देशों में तनाव चरम पर है। इसी बीच ईरान ने ऐलान किया कि उसने दुश्मनों के खात्मे के लिए 'मिसाइल सिटी' का निर्माण किया है।

ब्रिटेन में

कम संक्रमित देशों से आने वालों को क्वॉरेंटाइन से छूट

ब्रिटेन ने कोरोना वायरस संक्रमण से कम प्रभावित करीब 60 देशों से आने वाले लोगों को क्वॉरेंटाइन से छूट देने की

- **छूट 10 जुलाई से लागू।**
- **छूट पाने वाले देशों में भारत और अमेरिका शामिल नहीं हैं।**

घोषणा की है। ब्रिटेन के परिवहन मंत्री ग्रांट शेप्स के मुताबिक मौजूदा नियमों के तहत पर्यटकों को देश में आने पर 14 दिनों का आइसोलेशन जरूरी है। छूट मिलने वाले देशों की सूची में स्पेन, फ्रांस, इटली, न्यूजीलैंड, जापान, ताइवान, हांगकांग, जर्मनी आदि शामिल हैं। ब्रिटेन में 10 जुलाई से लागू नए नियमों

के मुताबिक ग्रीन जोन वाले देशों से आने वाले यात्रियों को क्वॉरेंटाइन से छूट दी गई।

अमेरिकी नौसेना ने

दक्षिण चीन सागर में किया युद्धाभ्यास

अमेरिकी नौसेना द्वारा दक्षिण चीन सागर में युद्धाभ्यास किया गया। अमेरिका ने एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज और यूएसएस रोनाल्ड रीगन के जरिए दक्षिण चीन सागर में युद्धाभ्यास किया। इस अभ्यास का उद्देश्य हवाई रक्षा क्षमता बढ़ाना तथा विमान वाहक पोत से लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता को अचूक बनाना था। गौरतलब है कि चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा ठोकता है, जबकि पांच अन्य देशों ने इस पर अपना अधिकार बताया है। इस अभ्यास के बाद अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ गया है।

अमेरिका

डब्ल्यूएचओ से आधिकारिक तौर पर हटा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आधिकारिक तौर पर अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग कर

- **अमेरिकी सांसद वॉब मेनेंडेज ने ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा 'कांग्रेस को राष्ट्रपति कार्यालय से यह जानकारी मिली है कि कोरोना महामारी के बीच डब्ल्यूएचओ से अमेरिका आधिकारिक तौर पर अलग हो गया है'।**

लिया है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ पर आरोप लगाते हुए कहा था

कि संगठन पूरी तरह चीन के नियंत्रण में है और अमेरिका इससे अपना नाता तोड़ रहा है। ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ पर कोरोना वायरस की रोकथाम को लेकर सही जानकारी नहीं देने का आरोप भी लगाया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

हमसे पूछिये स्तंभ में 'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों से कॅरियर संबंधी सवाल आमंत्रित किये जाते हैं। इन सवालों के जवाब प्रोफेसर जयंतीलाल भंडारी देते हैं। पाठक अपने सवाल नीचे दिये गये पते पर भेजकर कॅरियर संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पाठक पत्र लिखते समय पोस्टकार्ड या लिफाफे के ऊपर 'हमसे पूछिये' कॉलम जरूर लिखें।

'रोज़गार और निर्माण' के हमसे पूछिये स्तंभ में प्रकाशित होने वाले सवाल-जवाब पाठकों की सुविधा के लिये हैं। समय-समय पर विभिन्न पाठ्यक्रमों और पदों की अर्हताओं में बदलाव होते रहते हैं। इस विषय को ध्यान में रखते हुये विभिन्न कोर्स, संस्थान और अन्य संबंधित जानकारी के लिये कृपया संबंधित विभाग/संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट या कार्यालय में संपर्क करें।

रोज़गार और निर्माण
(हमसे पूछिये)
40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल, मध्यप्रदेश, पिनकोड-462 011

❍ **मध्यप्रदेश में प्रीवीएड परीक्षा की जानकारी दीजिए। इस बार बीएड के लिए किस प्रकार प्रवेश मिल सकेगा?**

- पूजा शर्मा, बैरागढ़

● मध्यप्रदेश में प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड के द्वारा दो वर्ष पहले तक

प्रीवीएड कोर्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया जाता था। एमपी प्रीवीएड परीक्षा दो वर्षीय बैचलर ऑफ एजुकेशन कोर्स में प्रवेश देने के लिए आयोजित की जाती रही है। यद्यपि अब तक इस बार नए शैक्षणिक सत्र 2020-21 में बीएड में प्रवेश संबंधी कोई अधिकृत दिशा-निर्देश मध्यप्रदेश शासन की ओर से जारी नहीं किए गए हैं। लेकिन पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बीएड में प्रवेश मैरिट और काउंसिलिंग के आधार पर संभावित है। बीएड में प्रवेश के इच्छुक स्टूडेंटस को मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया के तहत निर्धारित तिथि तक रजिस्ट्रेशन कराना होगा और फिर मेरिट के आधार पर कॉलेजों का आवंटन किया जा सकता है। जो स्टूडेंट बीएड करना चाहते हैं, जरूरी है कि उन्होंने कम से कम स्नातक या स्नातकोत्तर विज्ञान या सामाजिक विज्ञान या कला या वाणिज्य में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो। जिन उम्मीदवारों ने इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में स्नातक किया है वे भी बीएड प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिये उम्मीदवार का 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। स्टूडेंट्स को बीएड में उनकी मेरिट की स्थिति, उनकी पसंदगी के इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट में रिक्त सीटों के आधार पर प्रवेश दिया जाना संभावित हो सकता है ।

❍ **मैं आर्किड फ्लावर्स की खेती करना चाहता हूँ। आर्किड फ्लावर्स और इसकी खेती से संबंधित प्रारंभिक जानकारी दीजिए।**

- रुद्रमुनि वर्दी, खंडवा

● इस समय युवाओं के कॅरियर के मदेनजर आर्किड फ्लावर्स की खेती

अच्छे कॅरियर के रूप में दिखाई दे रही है। वस्तुतः आर्किड, पौधों का एक कुल है, जिसके सदस्यों के फूल अत्यंत सुंदर और सुगंधयुक्त होते हैं। आर्किडों के रंग रूप में विलक्षण विचित्रता है। आर्किडों का सारा महत्व इनकी सुंदरता तथा सजधज में है। इनमें से कुछ आर्किड से विशेष प्रकार के इत्र भी प्राप्त होते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आर्किड फ्लावर्स प्रायः भूमि पर अथवा दूसरे पेड़ों पर आश्रय ग्रहण कर उगते हैं। आर्किड को विभिन्न प्रकार की भूमियों में उगाया जा सकता है। उचित जल निकास वाली रेतीली दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम मानी गई है।

निसंदेह आर्किड फ्लावर्स की खेती लाभप्रद व्यवसाय है। मध्यप्रदेश में आर्किड फ्लावर्स की व्यावसायिक खेती की अच्छी संभावनाएँ हैं। आर्किड फ्लावर्स की खेती नवम्बर से अप्रैल के महीने तक की जा सकती है। आर्किड की खेती शेडनेट में की जाती है। आर्किड फूलों का निर्यात भी किया जाता है। भौगोलिक स्थिति एवं उपयुक्त जलवायु का लाभ लेते हुए इन फूलों को कम कीमत में उस समय उत्पादित किया जा सकता है जब कई देशों के बाजारों में इनकी कमी महसूस की जाती है। यह जरूरी है कि आर्किड फ्लावर्स की खेती शुरू करने से पहले इसकी खेती संबंधी पर्याप्त अनुभव लिया जाए। आर्किड फ्लावर्स के बाजार संबंधी विस्तृत जानकारी ली जाए और फिर आर्किड फ्लावर्स की खेती की जाए।

❍ **इन्डो-तिब्बत सीमा पुलिस बल में कांस्टेबल तथा सब-इंस्पेक्टर पदों पर भर्ती संबंधी जानकारी दीजिए।**

- पंकज दुबे, खाचरौद

● इंडो-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के तहत कांस्टेबल तथा सब इंस्पेक्टर जैसे कई पदों के लिए भर्तियाँ की जाती हैं। कांस्टेबल पद पर आवेदन के लिए मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से दसवीं कक्षा की परीक्षा या समकक्ष परीक्षा पास होना जरूरी है। साथ ही पदों के अनुरूप अतिरिक्त योग्यता जैसे इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, कारपेंटर, वेल्डर, पद से संबंधित डिप्लोमा भी वांछनीय होता है। आईटीबीपी द्वारा हाल ही में स्पोर्ट्स कोटा के तहत भर्ती का विज्ञापन दिया गया है, जिसमें कांस्टेबल पदों के लिए आयु सीमा 18 से 23 वर्ष के बीच निर्धारित है। आईटीबीपी में पुलिस सब-इंस्पेक्टर के पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक डिग्री होना जरूरी है। अलग-अलग विशेषज्ञता वाले सब-इंस्पेक्टर के पदों के लिए स्नातक डिग्री में अलग-अलग वांछनीयता भी जरूरी होती है।

स्पोर्ट्स कोटा के तहत कांस्टेबल के पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवार की लंबाई 170 सेमी. व सीने की चौड़ाई 80 से 85 सेमी. होनी चाहिए। योग्य उम्मीदवारों का चयन शारीरिक दक्षता परीक्षा, वायोमैट्रिक पहचान, लिखित परीक्षा, ट्रेड परीक्षा आदि आधार पर किया जाता है। चयनित उम्मीदवारों को मेडिकल परीक्षण से भी गुजरना होता है। आईटीबीपी में भर्ती संबंधी विभिन्न जानकारियों के लिए आईटीबीपी की वेबसाइट www.recruitment.itbpolice.nic.in पर विजिट कर सकते हैं।

❍ **हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर संबंधी मार्गदर्शन दीजिए।**

- नीता वर्मा, दसई (धार)

● निसंदेह हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर के मौके बढ़ते जा रहे हैं।

बर्तमान समय में देश में हेल्थ केयर सर्विसेज की माँग इतनी विस्तारित हो गई है कि भारत ने दुनिया के कई विकसित देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। हमारे देश की स्वास्थ्य सेवाओं को और उन्नत बनाने के लिये न केवल अधिक से अधिक चिकित्सकों और विशेषज्ञों की जरूरत है, बल्कि अस्पतालों को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए हॉस्पिटल मैनेजमेंट में प्रशिक्षित लोगों की भी बहुत आवश्यकता है। गौरतलब है कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट स्वास्थ्य संबंधी देखभाल सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रबंधकीय कौशल प्रदान करता है। अधिकांश बड़े और मध्यम आकार के अस्पतालों में स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं और चिकित्सकीय स्टॉफ के प्रबंधन, नियोजन और नियंत्रण, सामग्रियों की सतत आपूर्ति तथा चिकित्सकीय और अनुसंधान कार्यों की देखरेख के लिए हॉस्पिटल प्रबंधकों की सेवाएँ ली जा रही हैं।

जिन युवाओं को चिकित्सकीय क्षेत्र में अभिरुचि हो उनके लिए हॉस्पिटल मैनेजमेंट एक अच्छा कॅरियर विकल्प है। प्रतिष्ठित संस्थान से हॉस्पिटल मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम करने वालों का सरलता से कैम्पस प्लेसमेंट भी हो जाता है। जिस तरह से दिन-प्रतिदिन यह क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, उसे देखते हुए इस क्षेत्र में कॅरियर की बहुत अच्छी संभावनाएँ हैं।

उल्लेखनीय है कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में अलग-अलग संस्थानों द्वारा कई तरह के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थान इन पाठ्यक्रमों में साइंस बायोलॉजी ग्रुप के विद्यार्थियों को ही प्रवेश देते हैं, तो कुछ संस्थान सभी संकायों के छात्रों को प्रवेश देते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए आप बारहवीं के उपरांत वीएससी इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, पब्लिक हेल्थ केयर अथवा हेल्थ केयर सर्विसेज में स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम कर सकते हैं अथवा हॉस्पिटल मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कर सकते हैं। हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन और मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन के उपरांत पोस्ट ग्रेजुएट स्तर का कोर्स भी कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों में इस तरह के पाठ्यक्रमों में चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। देवी अहिल्या युनिवर्सिटी, इंदौर, सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस, पुणे, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई, इंदिरा गाँधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी, नई दिल्ली तथा ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों से हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स किया जा सकता है।

❍ **प्लांट ब्रीडिंग के क्षेत्र में कॅरियर की क्या संभावनाएँ। प्लांट ब्रीडिंग में कॅरियर के लिए कौनसे कोर्स किए जाने चाहिए।**

- राकेश गोस्वामी, मनावर

● यकीनन प्लांट ब्रीडिंग के क्षेत्र में कॅरियर की अच्छी संभावनाएँ हैं। हमारे देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का योगदान लगभग 17 प्रतिशत के करीब है। हमारी लगभग आधी से अधिक जनसंख्या अपनी आय के लिए कृषि कार्य में संलग्न है। वर्ष 2025 तक हमारी खाद्यान्न मांग बहुत अधिक बढ़ जाएगी क्योंकि हमारी जनसंख्या तेज गति से बढ़ रही है। अतः पादप प्रजनन अर्थात प्लांट ब्रीडिंग के माध्यम से फसल का उत्पादन बढ़ाया जाना आवश्यक है। कृषि उत्पादन को बढ़ाने में पादप प्रजनन की भूमिका महत्वपूर्ण है। जिन युवाओं की कृषि तथा अनुवांशिकी के क्षेत्र में रुचि है वे पादप प्रजनन के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बना सकते हैं।

निसंदेह पादप प्रजनन में पाठ्यक्रम करने के उपरांत वैज्ञानिक, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, शिक्षाविद्, प्लांट ब्रीडर, विपणन विशेषज्ञ, हाइब्रिड बीज सलाहकार आदि पदों पर रोज़गार के अवसर हैं। पादप प्रजनन में स्नातकोत्तर के उपरांत कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थानों, सरकारी बीज उत्पादक एजेंसियों जैसे राष्ट्रीय बीज निगम, राज्य बीज निगमों में शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। बहुराष्ट्रीय बीज उत्पादक कंपनियों में भी रोज़गार के अच्छे अवसर हैं।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पादप प्रजनन में कॅरियर बनाने के लिए जीव विज्ञान अथवा एग्रीकल्चर समूह से बारहवीं उत्तीर्ण करने के उपरांत वीएससी की जानी होगी। इसके बाद पादप प्रजनन में स्नातकोत्तर डिग्री की जा सकती है। वर्तमान समय में अधिकांश राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में पादप प्रजनन विषय उपलब्ध हैं। आणंद कृषि विश्वविद्यालय, आणंद, गुजरात, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से पादप प्रजनन का कोर्स किया जाना कॅरियर की दृष्टि से उपयुक्त रहेगा।

❍ **मुझे रीवा सैनिक स्कूल में प्रवेश से संबंधी जानकारी प्रदान करें।**

- चन्द्रकांत चतुर्वेदी, हरदा

● सैनिक स्कूल रीवा भारत के सैनिक स्कूलों में से एक है। यह आवासीय विद्यालय है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। सैनिक स्कूल रीवा में एडमिशन हेतु ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होता है। सैनिक स्कूल रीवा में जो छात्र 6वीं कक्षा में एडमिशन लेना चाहते हैं, उनकी उम्र 10 से 12 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा जो छात्र 9वीं कक्षा में एडमिशन लेना चाहते हैं उनकी उम्र 13 से 15 वर्ष के बीच होनी चाहिए। सैनिक स्कूल रीवा में एडमिशन चयन प्रक्रिया के तहत सबसे पहले छात्रों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है। लिखित परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न होते हैं। 6वीं कक्षा के छात्रों के लिए जो लिखित परीक्षा होती है उसमें गणित, सामान्य ज्ञान, भाषा, इंटेलिजेंस के प्रश्न होते हैं। 9वीं कक्षा के छात्रों के लिए लिखित परीक्षा में गणित, अंग्रेजी, इंटेलिजेंस, जनरल साइंस, सोशल स्टडीज के प्रश्न होते हैं। लिखित परीक्षा पास करने वाले छात्रों की मेरिट लिस्ट जारी की जाती है और फिर मेडिकल परीक्षण में सफल होने के बाद अंतिम चयन किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए www. sainikschoolrewa.ac.in पर विजिट करके विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

❍ **मैं कम्प्यूटर साइंस से ग्रेजुएशन कर रहा हूँ। मैं ऑनलाइन डेटा साइंस डिग्री का कोर्स करना चाहता हूँ। यह कहाँ से किया जा सकता है? इसमें कॅरियर की संभावनाएँ बताइए।**

- गिरीश नानावटी, इंदौर

● कोविड-19 के बीच डेटा साइंस सुनहरे कॅरियर के रूप में उभरकर दिखाई दे

रहा है। आईआईटी मद्रास ने देश में पहली बार डेटा साइंस में बीएससी का ऑनलाइन डिग्री कोर्स तैयार किया है। हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल ने इसकी लॉन्चिंग की है। बीएससी की यह ऑनलाइन डिग्री प्रोगामिंग एंड डेटा साइंस में कराई जाएगी। इस कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदक के पास रेगुलर कोर्स से पास की गई डिग्री होना जरूरी है। यह कोर्स उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी है, जो कहीं रोज़गार में हैं और अब अपने रोज़गार के कारण ऑफलाइन डिग्री के रूप में डेटा साइंस की कोई डिग्री प्राप्त करने में मुश्किल अनुभव करते हैं। इस ऑनलाइन कोर्स के लिए लैब की जरूरत नहीं पड़ेगी और घर पर ही आसानी से प्रोग्रामिंग की जा सकेगी। डेटा साइंस में बीएससी डिग्री प्राप्त करने के लिए स्टूडेंट को फाउंडेशन स्तर, डिप्लोमा और डिग्री स्तर को पूरा करना होगा। इसके अलावा, तीन निकास स्तर भी हैं। स्टूडेंट किसी भी स्तर पर पाठ्यक्रम से बाहर निकल सकते हैं। वे या तो डिग्री के तीनों स्तरों को पूरा कर सकते हैं, या फिर फाउंडेशन या डिप्लोमा पूरा करने के बाद बाहर निकल सकते हैं। एडमिशन के लिए 4 हफ्ते का ऑनलाइन कोर्स और असाइनमेंट मिलेगा। जो छात्र वीकली असाइमेंट में पासिंग मार्क्स ला पाएंगे, उन्हें क्वालीफायर एग्जाम का मौका दिया जाएगा। जो छात्र क्वालिफायर एग्जाम में पासिंग मार्क्स लाएंगे, उन्हें फाउंडेशनल लेवल में रजिस्ट्रेशन का मौका मिलेगा।

निश्चित रूप से डेटा साइंस में डिग्री कोर्स आज के समय की जरूरत है। आईआईटी मद्रास ने इसे रोज़गार बाजार को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है। डेटा वैज्ञानिकों की मांग और जॉब मार्केट में उपयुक्त योग्य मानव संसाधन की कमी को देखते हुए इस कोर्स की बड़ी अहमियत दिखाई दे रही है। निःसंदेह यह कोर्स रोज़गार बाजार में आने वाले समय में गेमचेंजर साबित हो सकता है। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2026 तक डेटा साइंस सेक्टर में एक करोड़ 15 लाख रोज़गार अवसर पैदा हो सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(स्तंभकार देश के सीनियर कॅरियर काउंसलर हैं)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।